मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	29.8	19.2
जमशेदपुर	30.5	17.8
डालटनगंज	31.0	15.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * * *

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

पेज 14

रांची एवं पटना से प्रकाशित | रांची ● बुधवार, 22 नवंबर 2023 ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 09, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 214 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

www.lagatar.in

सुर्खियां

इंटरनेशनल
- भ्रष्टाचार मामले में शरीफ की याचिका पर सुनवाई टली
- फलस्तीनियों के लिए यूएन को भारत ने 2.5 मिलियन डॉलर दान दिए
- यूक्रेनी राष्ट्रपति बोले - जंग रोकने को तैयार नहीं रूस
- दावा - कोरोना काल में लॉकडाउन के खिलाफ थे ब्रिटिश पीएम सुनक

नेशनल
- बिहार में आरक्षण बढ़ कर 75 फीसदी हुआ, अधिसूचना जारी
- भारत-ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रियों की बैठक, कई मुद्दों पर की चर्चा
- आईएसआई को फंडिंग करने वाले को एटीएस ने किया गिरफ्तार
- आपातकाल के बाद जजों का सबसे बड़ा तबादला पटना हाईकोर्ट में

स्टेट
- प्रेम प्रसंग से नाराज पिता ने बेटी को मारी गोली, मौत
- महगामा में लैंड स्लाइड होने से दो हाइवा खदान में गिरी
- गिरिडीह में 9 शातिर साइबर अपराधी गिरफ्तार
- टीबी मरीजों की पहचान छिपाने वाले चिकित्सकों पर कार्रवाई की तैयारी

स्पोर्ट्स
- सात्वि-चिराग सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए नामित
- अंतरराष्ट्रीय मैच में स्टॉप क्लॉक का इस्तेमाल करेगा आईसीसी
- चीन मास्टर्स के दूसरे दौर में पहुंचे प्रणय व सात्विक-चिराग
- पाकिस्तान के गेंदबाजी कोच बने गुल व अजमल

किसने क्या कहा

- भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण की सबसे बड़ी प्रतीक है कांग्रेस - मोदी
- अगर भ्रष्टाचार का ओलंपिक हुआ तो बीआरएस सभी पदक जीतेगी -फडणवीस
- जनता के अदालत में हेमंत सरकार सरेंडर करे -अमर बाउरी

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,200
चांदी (किलो)	76,000

न्यूज ब्रीफ

पलामू किला मेला घूमने जा रहे दो युवकों की मौत

मेदिनीनगर। अनियंत्रित बस की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई. घटना सतबरवा थाना क्षेत्र की है. जानकारी के अनुसार, दोनों युवक बाइक से पलामू किला मेला घूमने जा रहे थे. घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई है. मृतकों की पहचान मनीष कुमार और परदेशी कुमार के रूप में हुई है. दोनों सतबरवा थाना क्षेत्र के तुम्बागाड़ा के रहने वाले थे. -पेज 6 भी देखें

डीएम की कार ने 5 को कुचला, 3 की मौत

मधुबनी। बिहार के मधुबनी में मंगलवार की सुबह मधेपुरा डीएम की गाड़ी ने फुलपरास पुरवारी टोला के पास पांच लोगों को कुचल दिया. हादसे में महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई. दो की हालत गंभीर है. घायलों को इलाज के लिए रेफर किया गया है. मधुबनी के डीएम अरविंद कुमार ने फोन पर तीन की मौत की पुष्टि की. उन्होंने कहा कि दो लोग घायल हुए हैं. -पेज 11 भी देखें

बिजली तार की चपेट में आकर 5 हाथियों की मौत

घाटशिला। मुसाबनी वन क्षेत्र के ऊपरबांधा पोटास जंगल के बीच वन विभाग द्वारा खोदा गड्ढा पार करने के दौरान 33 हजार वोल्ट की तार के चपेट में आने से 5 हाथियों की मौत हो गई. हादसा सोमवार की देर रात को हुआ. एचसीएल माइंस के लिए हाईटेंशन तार उस जगह से गुजरा था, जिसकी चपेट में आने से यह बड़ी घटना हुई है. ग्रामीणों ने बताया कि सोमवार की रात से ही करीब 12 हाथियों का झुंड जंगल में घूम रहा था. मरने वाले हाथियों में बच्चे तथा वयस्क हाथी शामिल हैं. -पेज 5 भी देखें

ईडी ने जब्त की हेराल्ड की 750 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने कांग्रेस से जुड़े एजेएल और यंग इंडियन की 751.9 करोड़ रुपए की संपत्ति मनी लॉन्ड्रिंग के तहत जब्त कर ली है. जांच एजेंसी ने कहा कि जब्त की गई संपत्ति में एजेएल की दिल्ली, मुंबई और लखनऊ सहित कई जगहों की प्रॉपर्टी है. ईडी ने एक्स पर बयान जारी कर बताया कि यंग इंडियन की प्रॉपर्टी की कीमत 90.21 करोड़ है. दरअसल, कंपनी में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी की हिस्सेदारी है.

सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना : परिवार से सिर्फ दो बच्चियों को लाभ देने की बाध्यता खत्म

अब सभी बच्चियों को मिलेगा लाभ : सीएम

सत्य शरण मिश्रा। रांची

विश्व बाल दिवस पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को बड़ी घोषणा की है. उन्होंने सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का लाभ एक परिवार की अधिकतम दो बच्चियों को दिये जाने की बाध्यता खत्म कर दी है. अब इस योजना का लाभ परिवार की सभी बच्चियां उठा सकती हैं. सीएम ने विश्व बाल दिवस पर यूनिसेफ के बाल पत्रकारों से मुलाकात और संवाद के बाद यह घोषणा की. कहा कि बच्चियों के सशक्तीकरण और उनको पढ़ाई से जोड़े रखने के लिए सरकार ने सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना शुरू की है. इस योजना का लाभ ज्यादा से ज्यादा बच्चियों को मिले, इसलिए इसमें एक परिवार से अधिकतम दो बच्चियों को लाभ देने की बाध्यता खत्म की जाएगी.

क्या है सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना : झारखंड सरकार ने प्रदेश में बेटियों को शिक्षा में प्रोत्साहन देने और उनमें शिक्षा के विस्तार के लिए सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना की शुरुआत की है.

विश्व बाल दिवस पर यूनिसेफ के बाल पत्रकारों से संवाद

सीएम ने अपने शैक्षणिक अनुभवों को किया साझा

रांची जिले के विभिन्न प्रखंडों के 6 सरकारी स्कूलों के 20 बाल पत्रकार मुख्यमंत्री से संवाद करने सीएम के आवासीय कार्यालय आए थे. इन बाल पत्रकारों ने मुख्यमंत्री से संवाद करने के साथ सवाल भी किए. मुख्यमंत्री ने भी उनके साथ अपने शैक्षणिक अनुभवों और गतिविधियों को साझा किया. कहा कि परिस्थितियां चाहे जैसी भी हों, बच्चे पढ़ाई से नाता नहीं तोड़ें. पढ़ाई से ही बेहतर भविष्य का रास्ता तय होता है. हर किसी के लिए शिक्षा बेहद जरूरी है. आप अगर पढ़े-लिखे होंगे, तो सही-गलत का अंतर समझ सकेंगे. आप पर कोई बेवजह का दबाव नहीं बनाएगा. आपकी सोच का दायरा बढ़ेगा और उचित निर्णय ले सकेंगे.

हर मुद्दे पर अभिभावकों से खुल कर बात करें बच्चे

सीएम ने कहा कि आज शिक्षा और प्रतियोगिता परीक्षाओं को लेकर जिस तरह का माहौल बन रहा है, उसमें बच्चे तनाव में आ जा रहे हैं. इस तनाव के कारण कई बच्चे डिप्रेशन में भी चले जाते हैं. यह हमारे समाज के लिए अच्छा संकेत नहीं है. बच्चों को चाहिए कि वे अपने माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ हर मुद्दे पर खुल कर बात करें.

अब पढ़ाई के लिए बेहतर रास्ता दिखा रही सरकार

मुख्यमंत्री ने बच्चों से किसी भी परिस्थिति में पढ़ाई नहीं छोड़ने की अपील की. कहा कि अपने माता-पिता को बताएं कि सरकार बच्चों को शिक्षा के लिए बेहतर राह दिखा रही है. सरकार पढ़ाई का सारा खर्च दे रही है. इससे अभिभावक पढ़ाई के प्रति संवेदनशील होंगे.

झारखंड विधानसभा का स्थापना दिवस आज

झारखंड विधानसभा का 23वां स्थापना दिवस बुधवार को धूमधाम से मनाया जाएगा. दो दिवसीय समारोह की तैयारी पूरी हो चुकी है. झारखंड विधानसभा भवन समारोह के लिए सजधज कर तैयार है. सुबह 11 बजे से कार्यक्रम की शुरुआत होगी. राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन समारोह का उद्घाटन करेंगे. सीएम हेमंत सोरेन मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे. स्पीकर रवींद्रनाथ महतो, नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, संसदीय कार्यमंत्री आलमगीर आलम समेत सत्ता पक्ष और विपक्ष के कई विधायक कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे.

इंदिरा का जन्मदिन बना 'पनौती': भाजपा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पनौती वाले बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है. भाजपा के प्रवक्ता रविशंकर प्रसाद ने कहा, राहुल गांधी ने जिन शब्दों का इस्तेमाल किया है, वो गलत है. राहुल अपने बयान के लिए देश से माफी मांगे. उधर, राहुल के जवाब में बीजेपी समर्थक भी प्रियंका गांधी का भाषण ढूंढ लाए हैं, जिसमें उन्होंने विश्व कप फाइनल को इंदिरा गांधी के बर्थडे से जोड़ कर जीत की भविष्यवाणी की थी. प्रियंका ने बयान दिया था कि 'जब 1983 में इंडिया ने विश्व कप जीता था, उस समय इंदिरा बहुत खुश थीं. आज (19 नवंबर) इंदिरा का जन्मदिन है और हम फिर से विश्व कप जीतेंगे. लेकिन भारत की हार के बाद भाजपा ने इस बयान को मुद्दा बनाते हुए कहा कि इंदिरा जी का जन्मदिन पनौती था, इस लिए हमारी टीम हारी.

'पनौती' ने वर्ल्ड कप हरवा दिया... : राहुल

जयपुर। अच्छा भला लड़के वर्ल्ड कप जीत जाते, लेकिन पनौती ने हरवा दिया... कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को राजस्थान में चुनावी सभा में यह बात कही. राहुल वर्ल्ड कप में टीम इंडिया की हार का जिक्र कर रहे थे. राहुल ने पीएम मोदी पर हार का ठीकरा फोड़ा. जनसभा में कुछ लोग पनौती-पनौती चिल्ला रहे थे, इसी पर राहुल ने कहा, अच्छा भला वहां लड़के वहां वर्ल्ड कप जीत जाते, लेकिन पनौती ने हरवा दिया. कहा कि टीवी वाले यह नहीं कहेंगे. लेकिन जनता जानती है. यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने भी वर्ल्ड कप में भारत की हार को लेकर पीएम मोदी पर हमला बोला. कहा कि मोदी को देख कर खिलाड़ी तनाव में आ गये. कहा कि मोदी को मैच देखने नहीं जाना चाहिए था. आरोप मढ़ दिया कि मोदी के वजह से भारत की टीम हार गयी.

मुख्यमंत्री उज्ज्वल झारखंड योजना को राज्यपाल ने दी मंजूरी

चिन्हित 2,38,566 घरों का होगा विद्युतीकरण

- छूटे एवं नए 9222 टोले-मुहल्ले तक पहुंचेगी बिजली
- 1485.39 करोड़ होंगे खर्च

कौशल आनंद। रांची

मुख्यमंत्री उज्ज्वल झारखंड योजना को राज्यपाल ने मंजूरी प्रदान कर दी है. कैबिनेट की बैठक के बाद इसकी मंजूरी के लिए सरकार ने राज्यपाल के पास प्रस्ताव भेजा था. जिसकी मंजूरी राजभवन ने प्रदान कर दी है.

इस योजना के तहत किसी कारण से छूट गए और नए चिन्हित या नए बसे 9222 टोले-मुहल्ले का विद्युतीकरण किया जाएगा. इसके तहत कुल 2,38,566 घरों तक बिजली पहुंचाने का कार्य किया जाएगा. इसमें कुल खर्च 1485.39 करोड़ रुपए का खर्च आएगा.

पूरी योजना पर एक नजर

कुल छूटे हुए और चिन्हित (नए बसे टोले-मुहल्ले)	कुल हाउसहोल्ड
9,222 (शहरी 1525)	2,38,566 (शहरी 41773)

- **योजना पर कुल खर्च :** 1485.39 करोड़ (जिसमें भारत सरकार का ग्रांट आरडीएसएस स्कीम के तहत 172.40 करोड़, जबकि शेष 1312.99 करोड़ राज्य सरकार वहन करेगी)

योजना के खास बिंदु

- बचे हुए सभी घरों को मीटरयुक्त कनेक्शन दिया जाएगा
- **इसमें सौभाग्य योजना से पहले के मामले शामिल गए हैं**
- जो बिजली बकाएदार हैं और जिनका कनेक्शन कट चुका है, वे इसमें शामिल नहीं होंगे
- **छूटे हुए या नए चिन्हित घरों तक बिजली पहुंचाने के लिए एचटी और एलटी लाइन का विस्तार**
- झारखंड के लास्ट माइल, अंतिम छोर में बसे आबादी जो ज्यादातर पठारी या पहाड़ी दुर्गम क्षेत्र तथा आबादी भूतल तक फैली हुई है. वहां पर प्रति दस घरों तक एचटी लाइन और एलचटी लाइन बनाकर बिजली पहुंचाई जाएगी
- **भविष्य में लोड को देखते हुए एलटी लाइल को थ्री फेज में बदला जाएगा**
- दस घरों से अधिक और 10 घरों से कम के अंतर और दूरी को समाप्त करते हुए 10 घरों से कम मकान वाले टोले को भी इसमें आच्छादित किया जाएगा

100% घरों के विद्युतीकरण की घोषणा कर चुके हैं रघुवर

तत्कालीन रघुवर दास की सरकार ने 1 जनवरी 2018 को झारखंड में शत-प्रतिशत घरों तक बिजली पहुंचाने की घोषणा की थी. रघुवर ने 31 दिसंबर 2017 को लक्ष्य तय किया. दावा किया कि राज्य के 29.18 घरों तक बिजली पहुंच गयी. यह भी कहा कि झारखंड देश का 18 वां राज्य बन गया जो सभी घरों तक बिजली पहुंचाने में सफल रहा. तो सवाल है कि जब सब घरों तक बिजली पहुंचा दी गयी, तो घर कैसे छूटे और जरूरत कैसे पड़ी.

पुरानी सरकार में क्या हुआ. इसमें वे नहीं कह सकते हैं. इस सरकार में जो योजना चलाई जानी है, उसमें वैसे घर, टोले-मुहल्ले शामिल हैं जो किसी न किसी कारण छूट गए और नयी टोले-मुहल्ले बसे या बन गए. आबादी और टोले-मुहल्ले आए दिन बढ़ते रहते हैं. इसलिए यह योजना शुरू की जा रही है. **- केके वर्मा,** निदेशक डिस्ट्रब्यूशन एंड प्रोजेक्ट, जेबीवीएनएल

कोयला तस्करों का कालूबथान और पंचेत में खेल जारी

स्कूल को बनाया अवैध कोयला डिपो

अवैध कारोबार

- अभिभावकों ने बच्चों को स्कूल भेजना किया बंद

संवाददाता। निरसा

पलासिया काली मंदिर के पीछे अवैध मुहाना, मुहाना के ऊपर एकत्रित उत्खनित कोयला व बोरे में भर कर साइकिल से कोयला ढुलाई करते लोग.

कोयलांचल के कालूबथान और पंचेत ओपी क्षेत्र में धड़ल्ले से कोयले के अवैध कारोबार का खेल जारी है. इस धंधे से जुड़े लोगों की मानें, तो इनकी ऊपर तक सेटिंग हो चुकी है. कोई इनका बाल भी बांका नहीं कर सकता. वहीं इस मामले में स्थानीय पुलिस प्रशासन की चुप्पी भी कहीं न कहीं उनकी कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह लगा रही है.

स्थानीय पुलिस की चुप्पी के कारण कोयला तस्करों का मनोबल इतना बढ़ गया है कि अब वो जंगल और फैक्ट्री को छोड़ कर स्कूल में ही अपना सेंटर (डिपो) बना लिया है. पंचेत ओपी अंतर्गत लत्तीफ बाबू पुल के समीप प्राथमिक विद्यालय में ही कोयला डिपो खोल कर कोयले के काले खेल का मामला प्रकाश में आया है. विद्यालय परिसर में दिन के उजाले में कोयला तस्करों द्वारा कोयला खरीद बिक्री किये जाने से अधिकांश अभिभावक अब अपने छोटे-छोटे बच्चो को विद्यालय भेजना बंद कर दिए हैं. इसके कारण अब इस विद्यालय में गिने-चुने बच्चे ही पहुंचते हैं. बताते चलें पिछले वर्ष जब इस कोयला डिपो में बाहर से आई टीम ने छापेमारी कर सात डंफर अवैध कोयला जब्त किया था. तब काफी हायतौबा मची थी. लेकिन फिर सब शांत हो गया. कोयला तस्करों की पकड़ इतनी मजबूत है कि कोई जल्दी मुंह नहीं खोलना चाहता. वहीं कालूबाथान ओपी अंतर्गत केथारडीह एवं पलासिया काली मंदिर के समीप भी धड़ल्ले से कोयले का अवैध खनन जारी है.

इधर कुछ माह पूर्व बीसीसीएल, सीआईएसएफ एवं कालूबाथान ओपी के नेतृत्व में गिने-चुने मुहानों को बंद करने की औपचारिकता निभाई गई थी. हालांकि अभी भी दर्जनों अवैध मुहाने खुले हुए हैं, जहां से कोयले का अवैध खनन जारी है.

नया कानून गृह मामलों की स्थायी समिति ने लिया संविधान के अनुच्छेद 348 का संज्ञान

आपराधिक कानूनों के हिंदी नामों पर लगाई मुहर

एजेंसिया। नई दिल्ली

संसद की समिति ने कुछ राजनीतिक दलों और उनके नेताओं द्वारा की जा रही आलोचनाओं को खारिज करते हुए कहा कि तीन प्रस्तावित आपराधिक कानूनों के हिंदी में नाम असंवैधानिक नहीं हैं. सांसद बृजलाल की अध्यक्षता वाली गृह मामलों की स्थायी संसदीय समिति ने संविधान के अनुच्छेद 348 के शब्दों का संज्ञान लिया, जिसमें कहा गया है कि अदालतों के साथ अधिनियमों, विधेयकों व अन्य दस्तावेजों में इस्तेमाल की जाने वाली भाषा अंग्रेजी होनी चाहिए. रास को सौंपी रिपोर्ट में कहा गया, समिति ने पाया कि संहिता का पाठ अंग्रेजी में है, इसलिए यह संविधान के अनुच्छेद 348 के प्रावधानों का उल्लंघन नहीं करता है.

नाम संविधान के अनुच्छेद 348 का उल्लंघन नहीं

समिति गृह मंत्रालय के जवाब से संतुष्ट है और मानती है कि प्रस्तावित कानून को दिया गया नाम भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 का उल्लंघन नहीं है. भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस-2023), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसए-2023) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए-2023) को 11 अगस्त को लोकसभा में पेश किया गया था. प्रस्तावित कानून क्रमशः भारतीय दंड संहिता, 1860, आपराधिक प्रक्रिया अधिनियम, 1898 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की जगह लेंगे. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने केंद्र सरकार द्वारा विधेयकों को हिंदी नाम देने के पीछे के तर्क पर सवाल उठाया था.

इसका मसौदा अंग्रेजी में तैयार किया गया

चिंदबरम ने कहा था, मैं यह नहीं कह रहा कि हिंदी नाम नहीं दिये जाएं. जब अंग्रेजी का प्रयोग किया जाए, तो इसे अंग्रेजी नाम दिया जाए. यदि हिंदी का प्रयोग हो, तो हिंदी नाम दिया जाए. जब मसौदा तैयार होता है तो अंग्रेजी में किया जाता है और बाद में इसका हिंदी में अनुवाद किया जाता है.

द्रमुक ने हिंदी नामों पर कड़ी आपत्ति जताई थी

तमिलनाडु की सत्तारूढ़ द्रमुक ने भी प्रस्तावित कानूनों के लिए हिंदी नामों के खिलाफ कड़ी आपत्ति जताई. सीएम स्टालिन ने कहा था कि केंद्र के इस कदम से भाषाई साम्राज्यवाद की बू आती है और यह अनौपनिवेशीकरण के नाम पर पुनः औपनिवेशीकरण करने का प्रयास है.

धर्मेंद्र प्रधान ने स्टालिन के बयान को ओछी राजनीति बताया

द्रमुक सांसद दयानिधि मारन ने समिति के अध्यक्ष बृजलाल को एक पत्र भेज कर विधेयकों के हिंदी शीर्षकों पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि ये देश की संगठित प्रकृति का उल्लंघन करते हैं जहां नागरिक हिंदी के अलावा कई अन्य भाषाएं बोलते हैं. हालांकि, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने स्टालिन के बयान को ओछी राजनीति करार दिया था.

रामगढ़ के चुटुपालू में सड़क दुर्घटना, तीन लोगों की मौत

संवाददाता। रामगढ़

चुटूपालू घाटी में मंगलवार सुबह तेज रफ्तार ट्रेलर ने ट्रैक्टर, कार व बाइक में टक्कर मार दी. घटना में ट्रैक्टर चालक व मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं, तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा. ट्रेलर रांची से रामगढ़ की ओर जा रहा था. तभी ब्रेक फेल हो गया और बेकाबू होकर गिट्टी लदे ट्रैक्टर में टक्कर मार दिया. इसमें ओरमांझी के खिरबेड़ा के शंकर और दिनेश बेदिया की मौत हो गई. आगे जाकर ट्रेलर ने कार, बाइक सहित कई गाड़ियों को टक्कर मारी. फिर ट्रेलर बेकाबू होकर घाटी में पलट गया. इसमें ट्रेलर खलासी की भी मौत हो गई. घटना के बाद ग्रामीणों ने रांची-पटना मार्ग को जाम कर दिया. सड़क के दोनों ओर 8 किमी तक वाहनों की कतार लग गई. बाद में पुलिस ने आकर चार घंटे बाद जाम हटवाया.

चुटुपालू सड़क हादसे पर नेता प्रतिपक्ष ने अपनी ही पार्टी की केंद्र सरकार को कटघरे में खड़ा किया

बाउरी ने एनएचएआई की इंजीनियरिंग पर उठाए सवाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड के नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) की की इंजीनियरिंग पर सवाल उठाए हैं. रांची-हजारीबाग एनएच पर रामगढ़ के चुटुपालू में हुए भीषण सड़क हादसे के बाद उन्होंने बयान दिया कि सड़कों की खराब इंजीनियरिंग के कारण हादसे होते हैं. केंद्र सरकार की एजेंसी एनएचएआई ने इस सड़क का निर्माण किया है.

अपने बयान से बाउरी ने अपनी ही भाजपा सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया है. उन्होंने कहा कि सड़क हादसों के बाद संवेदना संदेशों और छोटी मुआवजा राशि देकर इतिश्री नहीं

की जानी चाहिए, बल्कि हादसों को रोकने के लिए ठोस रूपरेखा बननी चाहिए. इसके लिए यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि सड़कों को दोषपूर्ण डिजाइन से मुक्ति मिले.

बाउरी ने झारखंड में सड़क हादसों में इजाफे का आंकड़ा देते हुए कहा कि 80 फीसदी हादसों में 18 साल या इससे कम उम्र के किशोरों की मौत हुई हैं. राज्य में 2021 के दौरान 4,728 सड़क दुर्घटनाओं में 3,513 लोगों की जान गई और 3,227 घायल हुए. वहीं 2022 के दौरान राज्य भर में 5,174 सड़क दुर्घटनाएं हुईं. इनमें 3,898 लोगों की मौत हो गई और 3,745 घायल हुए हैं. 2021 की तुलना में 2022 के दौरान सड़क दुर्घटनाएं 449 (9.50%) अधिक हुईं. इसी प्रकार मौत के मामले 387 (11.02%) बढ़ गए. वहीं घायलों की संख्या भी 519 (16.08%) अधिक रिपोर्ट हुई है. परिवहन विभाग की सड़क सुरक्षा की रिपोर्ट के मुताबिक ,2022 के दौरान 45 फीसदी हादसों में दोपहिया वाहन शामिल थे. वहीं कार, जीप, वैन, टैक्सी से 13 प्रतिशत और ट्रक, लॉरी से 12 फीसदी हादसे हुए हैं.

तीखी प्रतिक्रिया

- हादसे रोकने के लिए ठोस रूपरेखा बनाने की कही बात
- 2021 की तुलना में 2022 में 9.50% सड़क दुर्घटनाएं बढ़ीं

चुटुपालू हादसे पर नेता प्रतिपक्ष ने जताया दुःख

रांची। नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने चुटुपालू घाटी में हुए सड़क हादसे में मारे गये लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है. उन्होंने यह भी कहा कि मात्र संवेदना संदेशों, छोटी मुआवजा राशि और विचार-विमर्श से नहीं होगा, बल्कि सड़क हादसे रोकने के उपायों पर अमल की कोई ठोस रूपरेखा बननी चाहिए. अमर बाउरी ने कहा कि विडंबना यह है कि जब भी कोई बड़ा सड़क हादसा होता है, तो संवेदना जता कर या फिर मुआवजे की घोषणा करके कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाती है. ज्यादातर दुर्घटनाएं सड़कों की खराब इंजीनियरिंग और ट्रैफिक नियमों की अनदेखी के कारण होती है. ऐसे में यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि सड़कों को दोषपूर्ण डिजाइन से मुक्ति मिले और ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले दोषियों को चिन्हित किया जाए और एक डेटाबेस का निर्माण हो.

बिरसा मुंडा के वंशज को आजीवन राशि देंगे मुर्मू

रांची। आदिवासी सेंगेल अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद सालखन मुर्मू बिरसा मुंडा के वंशज सुखराम मुंडा और उनके परिवार को आजीवन दो हजार रुपए मासिक देंगे. इसकी शुरुआत मंगलवार को मुर्मू ने बिरसा मुंडा के गांव उलिहातू में किया. इसके बारे में मुर्मू ने बताया कि बिरसा मुंडा के वंशज बड़ी कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं. सुखराम ने अपने दिल का दुखड़ा सुनाया और कहा कि भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री सभी बिरसा मुंडा के परिवार से मिलने के लिए आते रहे हैं, लेकिन कोई बदलाव नहीं आया. इससे पूर्व खूंटी के परिसदन में सालखन मुर्मू ने मुंडा समाज के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की. इसमें आदिवासियों को सरना धर्म कोड जल्द से जल्द कैसे लेना है? इसकी रणनीति क्या होगी? इन मुद्दों पर निर्णय लिया गया.

आपकी बात

शिक्षा एकमात्र माध्यम है, जिसके जरिए शारीरिक, मानसिक, तथा सामाजिक का विकास होता है

नाम : डॉ. बीएन ओहदार
पद : लेखक
जन्मस्थल : रामगढ़
कार्य क्षेत्र : संपूर्ण झारखंड

डॉ. बीएन ओहदार का जन्म दो सितंबर 1952 को रामगढ़ जिले के चेटर गांव में एक कृषक परिवार में हुआ था. उनकी प्रारंभिक शिक्षा गांव के ही सरकारी स्कूल से हुई. रांची विश्वविद्यालय से इंटर विज्ञान की पढ़ाई करने के बाद वर्ष 1974 में मुजफ्फरपुर स्थित लंगट सिंह महाविद्यालय से जीवविज्ञान से स्नातक की डिग्री ली. इसके बाद बिहार शिक्षा विभाग में विज्ञान शिक्षक के पद पर डॉ. ओहादार की नियुक्ति हुई. लेकिन, आगे और पढ़ाई के कारण इन्होंने ज्वाइन नहीं किया. इसी दरम्यान कसमार पेटरवार के अजित कुमार झा से इनकी मुलाकात हुई, जो झारखंड में भाषा सांस्कृतिक आंदोलन चला रहे थे. उनसे प्रभावित होकर डॉ. ओहदार भी इस आंदोलन से जुड़ गए. एक लंबे आंदोलन के बाद यूनिवर्सिटी ग्रांट कमिशन से झारखंड की नौ भाषाओं को मान्यता मिली. इसके साथ ही स्नातकोत्तर जनजातीय-क्षेत्रीय भाषा विभाग की स्थापना हुई. यहां इन्होंने नामांकन कराया और 1984 में एमए की डिग्री प्राप्त की. 1987 में स्नातकोत्तर विभाग में इनकी नियुक्ति हुई. डॉ. ओहदार ने 1989-90 तक जंगल बचाओ अभियान चलाया, जिसमें बहुत से लोग जुड़े. उन्होंने वर्ष 1980 से विधिवत लेखन शुरू किया. डॉ. ओहदार अब तक दर्जनों पुस्तकों का संपादन कर चुके हैं. इनमें खोरठा पत्रिका, तितकी, त्रैमासिक हिंदी साप्ताहिक झारखंड संदेश भी शामिल है. डॉ. बीएनल ओहदार 2022 में साहित्य सम्मान, 2018 में रामकृष्ण विशिष्ट सम्मान, 2017 में श्रीनिवास पानुरी साहित्य सम्मान और 1993 में खोरठा रत्न सम्मान सहित कई सम्मान से नवाजा गया है. 2014 में भाकपा के टिकट पर रामगढ़ विधानसभा से चुनाव भी लड़ चुके हैं. वह कहते हैं कि शिक्षा की एकमात्र माध्यम है, जिसके जरिए इंसान की शारीरिक, मानसिक, सामाजिक तथा अध्यात्मिक शक्तियों का विकास होता है.

रिम्स ओपीडी

विभाग	डॉक्टर का नाम
मेडिसिनः	डॉ बिंदे कुमार
सर्जरीः	डॉ विनय प्रताप
न्यूरोसर्जरीः	डॉ सीबी सहाय
ऑर्थोपेडिकः	डॉ जीके गुप्ता
कार्डियोलॉजीः	डॉ पीके श्रीवास्तव
टीबी एवं चेस्टः	डॉ ब्रजेश मिश्रा
नेत्रः	डॉ दीपक लकड़ा
ऑब्स गायनीः	डॉ अतीमा भारती
ईएनटीः	डॉ जेडएम खान
सीटीवीएसः	डॉ राकेश कुमार
सायकेट्रीः	डॉ अजय बाखला
पीडियाट्रिक सर्जरीः	डॉ अभिषेक कुमार सिंह
न्यूरोलॉजीः	डॉ सुरेंद्र कुमार

सदर ओपीडी

विभाग	डॉक्टर का नाम
मेडिसिनः	डॉ बीएन पोद्दार, डॉ रुचिका
ऑब्स एंड गायनीः	डॉ वसुधा, डॉ वीणा विनायक
पीडियाट्रिक :	डॉ संतोष
हेमाटोलॉजीः	डॉ अभिषेक रंजन
यूरोलॉजीः	डॉ प्रशांत कुमार
कार्डियो डायबिटिकः	डॉ एके झा
गैस्ट्रोएंटरोलॉजीः	डॉ जयंत घोष
अंकोलॉजीः	डॉ गुंजेश कुमार

शहर में आज

1. प्रभात फेरी, विभिन्न गुरुद्वारों में सुबह 5 बजे से
2. झारखंड विधानसभा का स्थापना दिवस समारोह, विधानसभा परिसर में 11 बजे से
3. कैबिनेट की बैठक, प्रोजेक्ट भवन में 4 बजे से
4. लीजेंड क्रिकेट, जेएससीए स्टेडियम में 6 बजे से

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्य सरकार पर परियोजनाओं में देरी का लगाया आरोप

युवा हर दिन सीएम को लिखें 50 पत्र

तरुण कुमार चौबे। रांची

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव मंगलवार को रांची पहुंचे. रांची रेलवे स्टेशन पर बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने रेल मंत्री का स्वागत किया. इस दौरान रांची सांसद संजय सेठ, हटिया विधायक नवीन जायसवाल, डीआरएम जसमीत सिंह बिंद्रा सहित कई रेलवे के पदाधिकारी मौजूद रहे. मीडिया से बात करते हुए रेल मंत्री ने प्रदेश के 57 रेलवे स्टेशनों को मॉडल रेलवे स्टेशन बनाने की बात कही.

उन्होंने कहा कि इसके लिए अलग से बजट तैयार किया गया और इसे मंजूरी भी मिल गयी है. झारखंड की रेलवे परियोजनाओं की जानकारी देते हुए मंत्री वैष्णव ने कहा कि झारखंड में रेलवे संचालन में सुधार और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से 5,271 करोड़ रुपए दिये गये हैं. केंद्र सरकार स्टेशन पर आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने और झारखंड में रेलवे परिचालन को बेहतर बनाने पर ध्यान दे रही है.

रेल मंत्री वैष्णव ने राज्य सरकार को आड़े हाथों लेते हए कहा कि केंद्र सरकार योजनाओं पर तेजी से काम करना चाहती है, ताकि तय समय से पहले इनको पूरा किया जा सके. अगर हेमंत सरकार सही से सहयोग करे तो झारखंड में रेलवे का विकास कोई नहीं रोक सकता. उन्होंने राज्य के युवाओं से अपील की हर युवा सीएम को 50 पत्र लिख कर केंद्र की योजनाओं में मदद करने का आग्रह करने को कहा. इसके साथ उन्होंने

बोले वैष्णव

- झारखंड में रेलवे संचालन में सुधार को दिए 5271 करोड़
- हेमंत सरकार पर केंद्र को सहयोग नहीं करने का आरोप

हेमंत सोरेन और प्रमुख सचिव और डीजीपी को रलेवे द्वारा चल रही परियोजना पर ध्यान देने को कहा, ताकि यह सारे प्रोजेक्ट समय से पूरे हो सकें. उन्होंने परियोजनाओं में देरी के लिए राज्य सरकार के सुस्त रवैए को जिम्मेवार ठहराया.

चैंबर के सदस्यों ने भी की मुलकात : झारखंड चैंबर ऑफ कामर्स के प्रतिनिधिमंडल ने भी रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से चांडिल रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को रेलवे संबंधित मुद्दों पर मिल कर ज्ञापन सौंपा. प्रतिनिधिमंडल में चैंबर के पूर्व अध्यक्ष सह रांची के सांसद संजय सेठ, वर्तमान अध्यक्ष किशोर मंत्री, उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा,सह-सचिव अमित शर्मा, शैलेश अग्रवाल,कार्यकारिणी सदस्य रोहित पोद्दार, नवजोत अलंग,कोल्हान क्षेत्रीय उपाध्यक्ष नितिन प्रकाश, चाईबासा चैंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव नीरज संधवार,निवर्तमान सचिव संजय चौबे और वरिष्ठ सदस्य अरुण जोशी, संदीप नागपाल उपस्थित थे.

हर महीने मीडिया को जानकारी दी जाए

सांसद सेठ ने रेल महाप्रबंधक और मंडल रेल प्रबंधकों को यह निर्देश दिया कि प्रत्येक महीने में मीडिया के साथ कॉन्फ्रेंस करें और क्षेत्र में चल रही विकास योजनाओं के गति प्रगति की जानकारी दें. सांसद ने कहा कि विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर वन स्टेशन वन लोकल फूड की तर्ज पर एक योजना बनाई जाए. उस क्षेत्र के संबंध स्थानीय भोजन को उसमें शामिल किया जाए. आईआरसीटीसी के माध्यम से यह कार्य करवाया जा सकता है.

सांसद संजय सेठ ने रेल मंत्री का जताया आभार

सांसद सेठ ने रांची और झारखंड को रेलवे के द्वारा दी गई सौगातों के लिए मंत्री का आभार जताया. इस दौरान सांसद ने मंत्री को झारखंड के रेलवे परियोजना संबंधित आग्रह पत्र भी सौंपा. पत्र में सांसद ने रेलमंत्री से निवेदन किया है कि रांची रेलवे स्टेशन का नाम धरती बाबा भगवान बिरसा मुंडा के नाम पर किया जाए. वर्तमान समय में इस स्टेशन के पुनर्विकास का भी कार्य हो रहा है. इसमें नए स्टेशन परिसर में भगवान बिरसा मुंडा की आदमकद प्रतिमा लगाने की मांग की गई है. इसके साथ सांसद सेठ ने रांची के आसपास नामकुम, टाटीसिलवे, मैक्लुस्कीगंज और सिल्ली स्टेशन का जिक्र करते हुए कहा कि कोरोना काल में हुए लॉकडाउन के पूर्व जितनी ट्रेनों का ठहराव होता था, उन सबका ठहराव पुनः आरंभ किया जाए. इसके साथ सांसद सेठ ने चुटिया फाटक पर रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण की मांग की. जिसपर अश्विन वैष्णव ने डीआरएम को 20 दिनों के भीतर रिपोर्ट बना कर भेजने को कहा. वहीं सांसद ने रांची से दक्षिण भारत जाने के लिए धनबाद से चलने वाली एलेप्पी एक्सप्रेस को एकमात्र सहारा बताया. सांसद ने रेलमंत्री से रांची लोहरदगा की तर्ज पर रांची सिल्ली मुरी तक एक पैसेंजर ट्रेन चलाए जाने की भी मांग रेल मंत्री के समक्ष रखी.

बाबूलाल ने मजदूरों के परिजनों से नितिन गडकरी की कराई बात

संवाददाता। रांची

उत्तराखंड के टनल में झारखंड के 15 मजदूर फंसे हुए हैं. इसे लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की. बाबूलाल ने कहा कि झारखंड से बड़े पैमाने पर मजदूर बाहर के राज्यों में मजदूरी करने जाते हैं. ऐसे हादसों से परिजनों के साथ बाहर जाकर कमाने वाले मजदूरों के परिजनों की चिंता बढ़ जाती है.

टनल में फंसे कई ऐसे मजदूर हैं जिनके माता-पिता दिव्यांग हैं. घर में उनके सिवा कोई कमाने वाला नहीं है. ऐसे माता-पिता और परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है. बाबूलाल मरांडी के निर्देश पर भाजपा के गिरिडीह जिलाध्यक्ष महादेव दुबे ने

बंधाया ढांढ़स

- टनल में फंसे सुबोध शर्मा के माता-पिता की कराई बात
- केंद्रीय मंत्री ने बेटे की सकुशल वापसी का दिया भरोसा

बिरनी प्रखंड के सिमराधाब गांव पहुंच कर टनल में फंसे सुबोध शर्मा के माता-पिता से नितिन गड़करी की बात कराई. केंद्रीय मंत्री ने उन्हें ढांढ़स बंधाया और बेटे की सकुशल वापसी का भरोसा दिया.

क्लासिफाइड

इलेक्शन ऑफिसरों ने किया कुष्ठ कॉलानी का निरीक्षण

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार के निर्देश पर मुख्य निर्वाचन कार्यालय के वरीय पदाधिकारियों ने जगन्नाथपुर स्थित इंदिरा कुष्ठ कॉलोनी का भौतिक निरीक्षण किया. टीम ने घर-घर जाकर कुष्ठ रोगी परिवारों के सदस्यों के मतदाता पंजीकरण की भौतिक स्थिति जानी.

अधिकारियों ने घर-घर जाकर यह जानने का प्रयास किया कि कोई पात्र मतदाता छूट तो नहीं रहा है. चुनाव पदाधिकारी गीता चौबे, देवदास दत्ता व संजय कुमार ने बीएलओ, सुपरवाइजर व एईआरओ द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में भी जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश दिए. इस दौरान कुछ युवा मतदाताओं को वोटर हेल्पलाइन एप भी इंस्टॉल करवाया गया.

28 नवंबर से 3 दिसंबर तक अभियान: अधिकारियों ने बताया कि समाज के विभिन्न मार्जिनल वर्गों के मतदाताओं के लिए 28 नवंबर से लेकर तीन दिसंबर तक विशेष अभियान चलाए जाएंगे. मौके पर जिले के उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक कुमार सुमन, पर्यवेक्षक अनिल कुमार, बीएलओ दिव्या एक्का, रवि कुमार भगत, त्रिभुवन कुमार सिंह, मुरली गोस्वामी, निर्मला ठाकुर, उमा मंडल, राधेश्याम प्रमाणिक, चंचला दास, सकीना देवी, प्रिया कुमारी ठाकुर, रिया कुमारी आदि सहित स्थानीय लोग मौजूद थे.

विस का शीतकालीन सत्र 15 से होने की संभवना

रांची। झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र 15 से 22 दिसंबर तक हो सकता है. इस सेशन में सरकार कई नयी नियमावली बना सकती है. पेंशन से संबंधित नयी नियमावली प्रमुख रूप से आ सकती है. इसके तहत सरकार राज्यकर्मियों और अफसरों के लिए पेंशन लेने के लिए नए नियम ला सकती है. जिसमें अगर वे एक से अधिक विवाह किया है, तो उनकी पहली पत्नी को ही सरकारी सुविधाओं का लाभ मिलेगा दूसरी या अन्य को नहीं. कर्मी या अधिकारी के निधन के बाद पहली पत्नी ही पेंशन की अधिकारी होगी. पेंशन के लिए एक फार्म पर पत्नी, बच्चों सहित परिवार का पूरा ब्योरा देना होगा. इस आधार पर ही सरकार उनके रिटायमेंट या निधन के बाद मिलने वाली सुविधाओं को तय करेगी.

झारखंड विधानसभा स्थापना दिवस आज

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा का 23 स्थापना दिवस बुधवार को धूमधाम से मनाया जाएगा. दो दिवसीय समारोह की तैयारी पूरी हो चुकी है. स्थापना दिवस समारोह के लिए सजधज कर तैयार है. सुबह 11 बजे से कार्यक्रम की शुरुआत होगी. राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन समारोह का उद्घाटन करेंगे. सीएम हेमंत सोरेन मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे.

स्पीकर रवींद्रनाथ महतो, नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, संसदीय कार्यमंत्री आलमगीर आलम समेत सत्ता पक्ष और विपक्ष के कई विधायक कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे. 23 नवंबर को सिंगर जावेद अली और गजल गायक कुमार सत्यम अपनी सुरीली आवाज से शमां बांधेंगे. वहीं हास्य कलाकार रविंद्र जॉनी अपने एक्ट से लोगों को गुदगुदाएंगे.

रामचंद्र सिंह को मिलेगा उत्कृष्ट विधायक का सम्मान: कार्यक्रम में मनिका के विधायक रामचंद्र सिंह को बिरसा मुंडा उत्कृष्ट विधायक के सम्मान से सम्मानित किया जाएगा. इसके अलावा 6 उत्कृष्ट विधानसभा कर्मी, शहीद पुलिस और सेना के जवानों के परिजनों, बहादुर पुलिसकर्मियों, खिलाड़ियों, मैट्रिक-इंटर के टॉपर्स, मिशन चंद्रयान से जुड़े झारखंड के वैज्ञानिकों को पुरस्कृत किया जाएगा.

चडरी में सफाई कर्मियों को किया गया सम्मानित

रांची। चडरी सरना समिति ने छठ महापर्व के समापन और जतरा महोत्सव के अवसर पर चडरी तालाब में रांची नगर निगम के वार्ड 18 के सभी सफाई कर्मियों को सम्मानित किया गया. केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष सह चडरी सरना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति लोगों को सम्मान मिलना चाहिए, तभी हमारा समाज मजबूत होगा. चडरी सरना समिति के पूजा समिति सरंक्षक जितेन्द्र सिंह ने कहा कि सफाई कर्मी के बिना यह पूजा सफल नहीं हो पाती. इनका पूजा में योगदान अकल्पनीय था. ये दिन-रात मेहनत कर पूजा में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं. इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से विक्की सोनी, वार्ड 18 के सुपरवाइजर दिलीप रजक, सबलू खान, सागर भगत, अमरेंद्र दुबे, सचिन लाल आदि उपस्थित थे.

सवाल-जवाब झारखंड विधानसभा के 23 साल पूरे होने पर गरिमामयी कालखंड पर स्पीकर रवींद्रनाथ महतो बोले

नए स्वरूप और कलेवर के साथ झारखंड आएगा देश के सामने

झारखंड विधानसभा के 23 साल पूरे हो रहे हैं. इस मौके पर 'शुभम संदेश' के संवाददाता निलय सिंह ने विधानसभाध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो से विशेष बातचीत की.

सवाल- विधानसभा के 23 साल के सफर को आप कैसे देखते हैं.

उत्तर- 23 साल का सफर पूरा करने के बाद हम देखते हैं कि झारखंड बदल रहा है. इसमें कोई किंतु परंतु नहीं है, लेकिन ये भी सही है कि झारखंड के साथ जिन राज्यों का गठन हुआ था वे जिस रफ्तार से आगे निकले हम उतनर रफ्तार से आगे नहीं निकल पाए हैं, कारण कुछ भी हो, लेकिन अब हमारा समय आ गया है और हम एक नए स्वरूप और नए कलेवर के साथ देश के सामने आएंगे और झारखंड को श्रेष्ठ और ऊंचे पायदान पर स्थापित करेंगे.

सवाल- इन 23 सालों में विधानसभा की मर्यादा कितनी अक्षुण्ण रह पायी.

जवाब- देखिए अन्य विधानसभाओं के परिपेक्ष्य में झारखंड विधानसभा को देखेंगे, तो निश्चित रूप से कहेंगे कि हमलोग पीछे नहीं हैं और हमारा विधानसभा गरिमामयी तरीके से चला है. हालांकि कई सदस्यों के अक्रामकता और अति उत्साह में अपनी बातों को सदन में रखने के क्रम में विधायी व्यवहार से थोड़ा इतर हो जाना अलग बात है, विधानसभा और लोकसभा में ऐसा कई बार होता है लेकिन कुल मिलाकर देखा जाए तो विधानसभा सही तरीके से चला है.

सवाल - दल बदल के मामलों का निपटारा कब तक हो पाएगा

जवाब - हमलोगों के पास दलबदल के जिनते भी मामले लंबित हैं उसका समाधान करने के लिए तत्पर हैं, और उसका समाधान करने के पक्षधर भी हैं, अब कब कर पाते हैं ये देखना है.

सवाल - चार साल के बाद नेता प्रतिपक्ष मिला है राज्य की कई चीजें बाधित हुई हैं. बाकि चीजें सुगमता से कब तक चलेंगी.

जवाब - देखिए सुगमता से तो चल ही रहा है.अभी कई मामले न्यायाधिकरण में लंबित हैं और ये अंतिम तक पहुंचना है इसके लिए प्रयासरत हैं बाकि जो काम बाधित था वो सब काम शुरू हो गया है अब आने वाले समय में विधानसभा का काम सुगमतापूर्वक चलेगा.

सवाल - स्थापना दिवस में क्या खास है इस बार

जवाब - विधानसभा के गठन के समय से ही स्थापना दिवस की पारिपाटी रही है और हर वर्ष भव्य कार्यक्रम होता है. इस बार भी मनिका विधायक रामचंद्र सिंह को उत्कृष्ट विधायक के रूप में चुना गया है जिन्हें ये सम्मान दिया जाएगा साथ ही ,संयुक्त सचिव मिथिलेश ठाकुर, अवर सचिव विष्णु पासवान, प्रशाखा पदाधिकारी नीलेश सिंह और नियाज अहमद , वरीय सचिवालय सहायक तापस कुमार यादव और अनुसेवक माइकल लकड़ा को सम्मानित किया जाएगा साथ ही शहीद सैनिकों के परिजनों, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं और चंद्रयान-3 से जुड़े वैज्ञानिकों को भी सम्मानित किया जाएगा. 23 नवंबर को गायक जावेद और सत्यम के अलावा स्थानीय कलाकार प्रस्तुति देंगे.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

तापमान
27° अधिकतम
14° न्यूनतम

रांची एवं पटना से प्रकाशित

रांची ● बुधवार, 22 नवंबर 2023 ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 09, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 214

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

जज साहब ने बेगम के लिए 120 कमरों की बनवाई थी

इमाम कोठी, गई बिक...

रेहान अहमद। रांची

मजिस्ट्रेट सर सैयद अली इमाम को रांची से गहरा लगाव था. उन्होंने रांची के कोकर में अपनी बेगम (धर्म पत्नी) अनीस फातिमा को तोहफे में देने के लिए 21 एकड़ जमीन पर अनीस कैसल के नाम से 1913 में इसका निर्माण शुरू किया. बाद में यह इमाम कोठी के नाम से प्रसिद्ध हुई. लाल ईंटों, नक्काशी, कलाकृतियां एवं खूबसूरत संगमरमर जर्मनी से मंगवाये गये थे. इमाम कोठी खूबसूरती के साथ 1932 में तैयार हुई. उस समय इसकी लागत 30 लाख रुपए आई थी. इमाम कोठी में लीची, आम, अमरूद, कटहल के अलग अलग बाग थे. तीन मंजिल की कोठी में 120 कमरे हैं. जिसमें प्रवेश करने के लिए 6 दिशाएं हैं. छहों दिशाओं से कमरों में जाने के लिए दरवाजे खुलते हैं.

इमाम कोठी गोदाम में तब्दील : आज इस इमाम कोठी को वरुण लालवाणी नामक बिजनेसमैन ने खरीद ली है. इमाम कोठी के गार्ड ने बताया कि अब यह इमाम कोठी नहीं गोदाम बन गया है. यहां पेप्सी, एजेमेन, दवाओं के होल सेल होते हैं.

1932 में बनी झारखंड की धरोहर इमाम कोठी गुमनाम

जज साहब ने 1912 में बिहार से बंगाल को अलग किया

सर अली इमाम को ब्रिटिश सरकार ने 1910 में बंगाल विधान परिषद का सदस्य बनाया था. 1912 में ही राष्ट्र संघ की पहली एसेंबली में भारत की ओर से प्रतिनिधित्व किया था. सर अली इमाम के महत्वपूर्ण प्रयास से वर्ष 1912 में बिहार से बंगाल को अलग कर बिहार राज्य की स्थापना हुई. ब्रिटिश सरकार के अधिकारी असमत अली ने झारखंड अलग राज्य करने का प्रस्ताव दिया था. जिस का सर अली इमाम ने समर्थन किया था. ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत में मुस्लिम समुदाय के लिए वक्फ कानून बनाया गया था. उसमें कई सुधार सर अली इमाम द्वारा करवाये गये. वह वर्ष 1917 से लंबे समय तक पटना हाईकोर्ट के जज भी रहे. वर्ष 1920 में सर अली इमाम हैदराबाद के निजाम के प्रधानमंत्री रहे. सर अली इमाम के प्रस्ताव पर ब्रिटिश सरकार ने 30 अक्टूबर 1031 में इंडिया की राजधानी कलकत्ता से हटा कर दिल्ली को बनाया. 1931 में सर अली गोल मेज सम्मेलन में भाग लेने इंग्लैंड गये थे. प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद ने सर अली इमाम को संयुक्त बिहार, झारखंड के आधुनिक बिहार के निर्माता की संज्ञा दी थी.

सरकारी उपेक्षा से धरोहर गुमनाम : एस अली

अल्पसंख्यक मामलों के जानकार एस अली ने कहा कि सरकारी उपेक्षा के कारण झारखंड की धरोहर आज गुमनामी के कगार पर चली गयी है. जमीन व कोठी दोनों बिक चुकी है, जो बिहार व झारखंड के लोगों के लिए दुखद है.

उनके परिवार के लोगों ने इमाम कोठी को बेच दी : उपाध्यक्ष

झारखंड सरकार, अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम ने कहा कि झारखंड की धरोहर रही इमाम कोठी को उनके ही परिवार के लोगों ने बेच दिया, तो फिर हम लोग कर ही क्या सकते हैं.

31 अक्टूबर 1932 को हुआ निधन, 1935 में बेगम ने बनवाई मजार

सर इमाम अली का निधन 31 अक्टूबर 1932 को रांची में हुआ. निधन से चंद घंटे पहले अपने बेटे नकी इमाम के साथ जाकर जमीन के एक स्थल पर निशान बनाया और कहा कि इसी जगह मेरी कब्र बनाना. उनकी वसीयत के अनुसार उन्हें वहीं दफनाया गया. बाद में बेगम अनीस इमाम ने 1935 में उनकी मजार वहीं बनवाई. जो आज भी सर अली इमाम के नाम से कायम है. उस समय पत्नी ने उनके बगल में एक खाली कब्र की जगह भी छोड़ी थी. कहा था कि बाद में मैं इन्हीं के बगल में दफन होऊंगी. लेकिन वे किसी काम से पटना गईं और उनका निधन वहीं हो गया. उन्हें पटना में ही दफन किया गया. इस तरह उनका ख्वाब पूरा नहीं हो सका. आज भी मजार में मन्नत मूराद के लिए लोग आते हैं.

कौन थे सर सैयद अली इमाम

पटना जिले के नेउरा गांव में नवाब सैयद इमदाद इमाम के घर सैयद अली इमाम का जन्म 11.2.1869 में हुआ था. इन्होंने बैरिस्टरी की शिक्षा इंग्लैंड से प्राप्त की थी. 1890 में कोलकाता हाईकोर्ट में प्रैक्टिस भी की था. 1908 में बिहार राज्य के लिए प्रथम सम्मेलन की अध्यक्षता की थी.

अर्बनराइजर्स हैदराबाद ने सदर्न सुपरस्टार को हराया

13 रनों से जीती रैना की कप्तानी वाली अर्बनराइजर्स हैदराबाद

खेल संवाददाता। रांची

जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) के तीसरे मैच में रैना की कप्तानी वाली अर्बनराइजर्स हैदराबाद ने रॉस टेलर की कप्तानी वाली सदर्न सुपरस्टार को 13 रनों से मात दी. अर्बनराइजर्स हैदराबाद से 157 रन का लक्ष्य का पीछा करते हुए सदर्न सुपरस्टार 143 पर ढेर हो गई.

सदर्न सुपरस्टार के कप्तान रॉस टेलर ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला किया. मार्टिन गप्टिल के 28 गेंदों पर 46 रन और अंत में योगेश नागर के 29 गेंदों में 40 रन की बदौलत अर्बनराईजर्स हैदराबाद ने सभी विकेट खोकर 156 रन बनाए. सदर्न सुपरस्टार के हमीद हसन ने अपनी तेजगति गेंदबाजी से 4 विकेट चटकाए. वहीं अब्दुर रज्जाक और सुरंगा लकमल ने 2-2 विकेट लिए. अर्बनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान सुरेश रैना बल्ले से अपना प्रभाव नहीं छोड़ पाए और 10 रन बनाकर पवेलियन लौट गए.

लक्ष्य का पीछा करने उतरी सदर्न सुपरस्टार की शुरुआत अच्छी नहीं रही. दोनों सलामी बल्लेबाज उपुल थरंगा और जेस्सी रायडर 10 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट गए. मुनावीरा दिलशान ने 34 रन बनाकर पारी संभाली, लेकिन दूसरी छोर से निरंतर अंतराल पर विकेट गिरते रहे. सदर्न सुपरस्टार की पूरी टीम 143 रन बनकर ऑल आउट हो गई. अर्बनराईजर्स हैदराबाद के पवन सुयल (23/3), क्रिस्टोफर म्पोफू (23/2) ने किफायती गेंदबाजी की. वहीं पीटर टेरेगो को 2 विकेट मिले.

ब्रीफ खबरें

2024 में अबुआ राज स्थापित करना है: देवेन्द्र नाथ महतो

रांची । सिल्ली के पतराहातु स्थित कार्यालय में जेबीकेएसएस की बैठक हुई. बैठक संगठन विस्तार सह जन जागरण अभियान को लेकर हुई. अध्यक्षता जेबीकेएसएस के जयराम पातर मुंडा ने की. बैठक में दवाडू, लोवादाग, बड़ा चांगडू, पतराहातु, बंता दक्षिणी, बंता उत्तरी पंचायत के अलावा अन्य पंचायतों के सदस्यों ने भाग लिया. मौके पर देवेंद्र नाथ महतो ने बताया कि 2024 में जयराम की सरकार बनाकर अबुआ राज बनाने में झारखंडी भूल नहीं करेंगे.

एमएसीपी का मिले लाभ: संघर्ष मोर्चा

रांची। जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय के सामने एमएसीपी संघर्ष मोर्चा ने बिहार के पूर्व शिक्षकों की तर्ज पर पूर्व शिक्षकों को भी एमएसीपी का लाभ दिए जाने की मांग की. इसके लिए कार्ययोजना बनाने की मांग भी की. इसमें प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक प्रतिनिधियां शामिल थे. इस बीच इन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और अन्य लोगों से मिलेंगे और अपनी मांगों को रखेंगे. इस दौरान 21 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया.

24 से वार्डों में 'आपकी योजना आपकी सरकार'

संवाददाता। रांची

हेमंत सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के मौके पर आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन होना है. कार्यक्रम 24 नवंबर से 26 दिसंबर तक चलेगा. इसके तहत नगर निगम द्वारा रोज 2 वार्डों में शिविर लगा कर आमजनों से उनकी शिकायतों का आवेदन लिया जाएगा.

शिकायतों का निबटारा ऑन-स्पॉट किया जाएगा. इसका उद्देश्य योजना का लाभ स्थल पर ही लाभार्थी को देना है. शिविर में आम लोगों को निगम द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी जाएगी. इनका लाभ किस प्रकार से शहरवासी उठा सकेंगे, बताया जाएगा. इसका लक्ष्य लोगों को कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना है.

शिविर में इन चीजों के लिए दे सकते हैं आवेदन

1. जन्म के 30 दिनों के अन्दर आने वाले बच्चों का जन्म निबंधन.
2. मृत्यु की घटना होने के 30 दिनों के अंदर मृत्यु प्रमाण-पत्र के लिए निबंधन.
3. अपने परिसर में वर्षा जल संयोजन के अधिष्ठापन की सूचना निगम रिकॉर्ड में अपडेट कराना.
4. नये जल संयोजन या नियमितीकरण कराना.
5. जल कर का भुगतान.
6. म्युनिसिपल ट्रेड लाइसेंस के लिए आवेदन.
7. म्युनिसिपल ट्रेड लाइसेंस का नवीकरण के लिए आवेदन.
8. लॉज, छात्रावास एवं बैंक्वेट हॉल का पंजीकरण के लिए आवेदन.
9. प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के लिए आवेदन.
10. मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत् श्रमिक कार्ड के लिए आवेदन.
11. पीएम स्वनिधि के अंतर्गत आवेदन.
12. विक्रेता अनुज्ञप्ति पत्र के लिए आवेदन.
13. स्वयं सहायता समूह के लिए आवेदन.
14. छोटे दुकानदारों को मुद्रा लोन के तहत आवेदन.
15. निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर.

जहां से हटाया गया अतिक्रमण, वहीं पर निर्माण

रांची । पथलकुदवा मोड़ के पास एक निर्माण कार्य हो रहा है. ये निर्माण कार्य सड़क के पास बनी नाली की दीवार पर किया जा रहा. इसकी जानकारी नगर निगम को नहीं है. जबकि निगम ने यहीं से अतिक्रमण हटाया था.

जानकारी के अनुसार जमीन सेन परिवार की थी, लेकिन 5 साल पहले जमीन बेच दी गयी. 20 साल पहले इस जमीन पर एक दुकान हुआ करती थी. जिसे अतिक्रमण में तोड़ा गया था. तब से जमीन खाली थी. बड़ी बात यह है कि अवैध निर्माण तो हो ही रहा है, वहीं नाली को नहीं छोड़ा गया. इसकी जानकारी निगम के अफसरों को है ही नहीं. निर्माण कार्य लगभग आधा हो चुका है. अब तक किसी की नजर नहीं पड़ी है. न्यू बढ़य टोली के लोगों ने बताया कि लगभग 40 से 45 साल पहले यहां एक कुआं था, जिससे मोहल्ले के लोग पानी लिया करते थे. बताया कि आज कल यहां एक गाड़ी वाला फास्ट फूड की दुकान लगाता है. दुकान के लगने से सड़क पर जाम की स्थिति बनने लगती है. इस कारण यहां झगड़ा झंझट भी हो जाता है. इस बारे में जब नगर निगम के सिटी मिशन मेनेजर नेहा श्री से पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि इसकी जानकारी मुझे नहीं है. पता कर के बताऊंगी.

मौसमी बीमारी सदर अस्पताल के पांचों काउंटर में पर्ची कटवाने के लिए लंबी कतार

बदलते मौसम में हर दिन में पहुंच रहे 1000 मरीज

संवाददाता। रांची

राजधानी में एक बार फिर से बदलते मौसम की वजह से बड़ी तादात में मरीज अस्पतालों में इलाज के लिए पहुंच रहे हैं. रांची सदर अस्पताल में मंगलवार को करीब एक हजार की संख्या में मरीजों ने अपने इलाज के लिए पर्ची कटवाया. सुबह से शाम तक काउंटर में लोगों की लंबी कतार लगी हुई थी. अस्पताल में पर्ची काटने के पांच काउंटर हैं. सभी में मरीजों की लाइन लगी हुई थी.

हड्डी, आंख, नाक, कान, गला, डायलिसिस, गाईनी, रेबीज, चर्म और मौसमी बीमारी के रोगी : काउंटर कर्मी ने बताया कि मरीजों में हड्डी, आंख, नाक, कान, गला, गाईनी, रेबीज, डायलिसिस के मरीज, संबंधित ऑपरेशन के मरीज समेत चर्म रोग एवं सर्दी-खांसी व बुखार से संबंधित मौसमी मरीज भी बड़ी संख्या में इलाज के लिए पहुंच रहे हैं. कर्मी ने बताया कि मौसमी मरीज रोजाना 500 से 600 की संख्या में पहुंचते हैं. मंगलवार को आये कुल 1 हजार मरीजों में 500 मरीज मौसमी मरीज थे.

गर्म कपड़े पहनें, बासी भोजन से करें परहेज : डॉ सतेंद्र

मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ सतेंद्र कुमार ने कहा कि मौसम ने करवट लिया है. ऐसे में गर्म कपड़े सुबह की जागिंग में निकले तो जरूर पहनें, गलेबंद का इस्तेमाल करें, पानी गर्म पीयें. भोजन गर्म खायें. बासी व बाहर के भोजन से परहेज करें. आइस्क्रीम व कोल्ड ड्रिंक से दूर रहें. सर्दी खांसी हो तो तुलसी, अदरक, गोलकी को उबाल कर लें. इससे भी ठीक नहीं हों तो पास के चिकित्सक से तुरंत संपर्क करें.

नारियल तेल का करें इस्तेमाल : डॉ सुकेश : ठंड का मौसम है. ड्राई स्किन की समस्या होती है. जिससे खुजली का प्रभाव तेजी से होता है. इससे बचाव के लिए नारियल का तेल जरूर लगाएं.

ठंड के बचाव के साथ निकलें : डॉ जायसवाल : ठंड से सर्दी-खासी की परेशानी बढ़ती है. इस लिए घर से निकलें तो गर्म कपड़े पहनें, सिर में टोपी लगायें, जूते, मोजे पहन कर बाहर निकलें.

देश से टीबी को समाप्त करने में मदद नहीं कर रहे निजी चिकित्सालय, धनबाद में 3 तीन हजार मरीज

टीबी मरीजों की पहचान छिपाने वाले चिकित्सकों पर कार्रवाई की तैयारी

संवाददाता। धनबाद

टीबी उन्मूलन अभियान का लक्ष्य वर्ष 2024 तक निर्धारित है. मतलब 2024 तक देश से टीबी को समाप्त करने का लक्ष्य है, लेकिन धनबाद की स्थिति कुछ अलग ही कहानी बयां कर रही है. निजी अस्पताल और क्लिनिक टीबी उन्मूलन अभियान में जिला स्वास्थ्य विभाग की पूर्ण मदद नहीं कर रहे हैं.

अब ऐसे में त्योहार समाप्त होते ही स्वास्थ्य विभाग उन निजी अस्पतालों पर कार्यवाही करने का मन बना रहा है. टीबी मरीजों का इलाज भी कर रहे हैं और सूचना तक नहीं दे रहे हैं. नियमतः टीबी मरीज मिलने पर इसकी तत्काल सूचना स्वास्थ्य विभाग को देनी है, जिससे मरीज की निगरानी विभाग अपने स्तर से कर सके.

लाइसेंस तक हो सकता है रद्द : जिला टीबी पदाधिकारी डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि सूचना नहीं देने वाले चिकित्सक और अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई का प्रावधान है. चिकित्सक और अस्पताल का लाइसेंस तक रद्द हो सकता है. कुछ निजी अस्पताल जानकारी साझा नहीं कर रहे हैं, उनकी सूची तैयार की जा रही है. वैसे निजी चिकित्सक जो इसकी जानकारी साझा नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. जबकि नई घोषणा के अनुसार निजी अस्पताल में भर्ती टीबी मरीजों को भी स्वास्थ्य विभाग की ओर से दवा उपलब्ध कराना है. दूसरी ओर, सरकारी अस्पताल में आने वाले मरीजों की संख्या और उससे संबंधित तमाम जानकारी विभाग को मिल जा रही है.

बीते दिनों बैठक में भी लिया गया था निर्णय : बीते दिनों सिविल सर्जन कार्यालय में यक्ष्मा विभाग के राज्य स्तरीय पदाधिकारियों की एक बैठक भी हुई थी. बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि टीबी के मरीजों की पहचान छुपाने वाले निजी अस्पताल, नर्सिंग होम समेत चिकित्सकों पर कार्रवाई की जायेगी. राज्य स्तरीय टीम में एपीओ एचटीसी स्टेट टीबी सेल के सुमित कुमार, डब्ल्यूएचपी राजीव सिंह, डब्ल्यूएचओ के डॉ. प्रीतम घोष, डॉ संजीव झा शामिल थे. स्टेट टीबी सेल के सुमित कुमार ने स्पष्ट कहा था कि टीबी मरीजों की पहचान छुपाने वाले अस्पताल, निजी नर्सिंग होम को चिह्नित करते हुए पहले उन्हें नोटिस भेजें. इसके बाद भी उनके द्वारा टीबी के मरीज की पहचान छिपायी जाती है तो उनपर सिविल सर्जन के माध्यम से विधि सम्मत कार्रवाई करें.

मरीज के स्वस्थ होने पर डॉक्टर को मिलनी है प्रोत्साहन राशि

टीबी के एक मरीज के ठीक होने पर निजी अस्पताल के चिकित्सक को सरकार की ओर से एक हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाती है. इसके बावजूद निजी अस्पताल जानकारी साझा नहीं कर रहे हैं. विभागीय अधिकारियों की मानें तो टीबी की दवा काफी महंगी होती है, इसका फायदा उठाकर निजी चिकित्सक बाहर से दवा लिख देते हैं. दवा पर चिकित्सक को काफी कमीशन मिलता है, इसी कमीशनखोरी के कारण चिकित्सक सहयोग नहीं कर रहे हैं.

खास बातें

- वर्ष 2024 तक टीबी को खत्म करने का है लक्ष्य
- मरीजों का इलाज कर रहे हैं और नहीं दे रहे हैं सूचना

आओ जानें

देश के राज्यों में वनों का आवरण

राज्य	वन (वर्ग किमी में)	राज्य	वन (वर्ग किमी में)
आंध्र प्रदेश	28,147	मिजोरम	18,186
अरुणाचल प्रदेश	66,964	नगालैंड	12,489
असम	28,105	ओडिशा	51,345
बिहार	7,299	पंजाब	1,837
छत्तीसगढ़	55,547	राजस्थान	16,572
दिल्ली	192	सिक्किम	3,344
गोवा	2,229	तमिलनाडु	26,281
गुजरात	14,757	तेलंगाना	20,419
हरियाणा	1,588	त्रिपुरा	7,726
हिमाचल प्रदेश	15,100	उत्तर प्रदेश	14,679
जम्मू - कश्मीर	23,241	उत्तराखंड	24,295
झारखंड	23,553	पश्चिम बंगाल	16,847
कर्नाटक	37,550	अंडमान-निकोबार	6,742
केरल	20,321	चंडीगढ़	22
मध्य प्रदेश	77,414	दादर व नगर हवेली	207
महाराष्ट्र	50,682	दमन और दीव	20
मणिपुर	17,346	लक्षद्वीप	27
मेघालय	17,146	पुडुचेरी	54

ब्रीफ खबरें

विशेषज्ञों ने किसानों को दी खेती की ट्रेनिंग

धनबाद। आधुनिक खेती व पशुपालन की तकनीक की जानकारी के लिए मंगलवार को आईआईटी-आईएसएम में कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला में जामताड़ा जिले के नाला ब्लॉक के नलहट्टी गांव के 20 ग्रामीणों ने भाग लिया. टीम का नेतृत्व मुखिया अजीत मुर्मू ने किया. इस अवसर पर प्रबंधन अध्ययन और औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग की एससोसिएट प्रोफेसर रश्मि सिंह के नेतृत्व में आईआईटी के विशेषज्ञों ने किसानों को कम वर्षा और सिंचाई की सुविधा नहीं होने पर भी बेहतर खेती व पशुपालन के गुर सिखाए. प्रो रश्मि ने बताया कि आईआईटी के विशेषज्ञों ने पहले ही गांव का भौगोलिक अध्ययन किया है. जिसमें मिट्टी की गुणवत्ता आदि पर रिसर्च भी की है.

झामुमो ने सुशोभन को किया पार्टी से बाहर

धनबाद। झामुमो जिला कमेटी ने प्राप्त दिशा-निर्देश के बाद सुशोभन चकवर्ती को अनुशासनहीनता एवं पार्टी विरोधी कार्य में संलिप्त होने के कारण, पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छः वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया है. जिलाध्यक्ष लखी सोरेन ने सुशोभन को पार्टी से निष्कासित करने के बाद कहा कि आज के बाद उपरोक्त व्यक्ति अगर पार्टी का झंडा और बैनर का प्रयोग करते हुए पाए जाते हैं तो उनके विरूद्ध उचित एवं विधिसम्मत कार्यवाही की जाएगी. बता दें कि झामुमो जिला संगठन में चल रहे विवाद में सुशोभन की अहम भूमिका मानी जाती है. वह पूर्व जिलाध्यक्ष रमेश टुडू के काफी करीबी माने जाते रहे हैं.

पीडीएस डीलर ने लड़की को जड़ा थप्पड़

निरसा। निरसा प्रखंड अंतर्गत श्यामपुर पंचायत के मालती देवी सरस्वती एसएचजी जन वितरण दुकान की संचालिका मालती देवी ने तबस्सुम आरा खातून को थप्पड़ जड़ दिया. चावल लेने गई लड़की ने बताया कि चावल लेने गयी थी. जनवितरण संचालिका मालती देवी मुझे कम चावल दे रही थी. मैंने इसका विरोध करते हुए पूरा चावल लेने की बात कही तो उन्होंने कहा लेना है तो लो अन्यथा यहां से निकलो. इतना कहकर वह अन्य लोगों को चावल देने लगी. इसपर मैंने कहा कि पूरा चावल नहीं देंगे तो मैं वीडियो बनाऊंगी और सबको बताऊंगी कि आप किस तरह चावल वितरण में हेराफेरी करती हैं. जब मैं वीडियो बनाने लगी तो उसने थप्पड़ मार दिया और कहा जिसको बुलाना है बुलाकर आओ .

मत्स्य दिवस पर मछुआरों को किया गया सम्मानित

जमशेदपुर। रेलवे इंजीनियरिंग कॉलोनी के पास मंगलवार को झारखंड राज्य नोनिया समाज और आदित्यपुर स्थित रोशन स्टूडियो की ओर से विश्व मत्स्य दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सरयू को शामिल होना था, लेकिन वे किसी कारणवश शामिल नहीं हो सके. मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व जिला परिषद सदस्य किशोर यादव, नोनिया समाज के संरक्षक सुरेश महतो समेत अन्य उपस्थित थे. कार्यक्रम में आसपास के काफी संख्या में मछुआरे शामिल हुए, जिन्हें अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया. साथ ही अतिथियों का स्वागत मछली भेंट कर किया गया. इसके बाद सभी ने मिलकर केक काटा. आयोजन समिति के राजेश चौहान ने बताया कि मछली विक्रेताओं को समाज में सम्मान दिलाने के लिए यह एक छोटा सा प्रयास है.

बादामपहाड़ में राष्ट्रपति ने तीन नई ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

जो सपना देखा था, पूरा हो रहा : मुर्मू

संवाददाता। जमशेदपुर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को चक्रधरपुर रेल मंडल के बादामपहाड़ स्टेशन से तीन नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. साथ ही बादामपहाड़ रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखी. इन ट्रेनों में शालीमार-बादामपहाड़ साप्ताहिक एक्सप्रेस, बादामपहाड़-राउरकेला साप्ताहिक एक्सप्रेस और तीसरी ट्रेन टाटानगर-बादामपहाड़ मेमू शामिल है.

इस खास मौके पर ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास, केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, रेल, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव, जनजातीय कार्य एवं जनशक्ति राज्य मंत्री विश्वेश्वर टूडू, ओडिशा सरकार में मंत्री सुदामा मरांडी सहित रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा, चक्रधरपुर मंडल के डीआरएम अरुण जे राठौड़ सहित कई वरीय अधिकारी उपस्थित थे. आपको बता दें कि राष्ट्रपति के गृह क्षेत्र ओडिशा के बादामपहाड़-रायरंगपुर स्टेशन को अमृत भारत योजना के तहत विकसित किया जा रहा है. इसी क्रम में तीन नई ट्रेन का परिचालन की शुरुआत की गई है.

झारखंड और पश्चिम बंगाल से सीधे जुड़ेगा मयूरभंज : राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि मैं ओडिशा की माटी में ही पली-बढ़ी हूं. आज भले ही ऊंचे पद पर हूं, लेकिन मैं इस माटी को कभी नहीं भूल सकती. उन्होंने केंद्र सरकार के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार के नेतृत्व में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, रेल सहित हर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हो रहा है. यह तभी संभव है, जब सबका साथ व सबका विश्वास हो. मयूरभंज अंचल को लेकर मैंने जो सपना देखा था, वह आज पूरा हो रहा है. नई ट्रेनों के परिचालन होने से न सिर्फ मयूरभंज अंचल झारखंड और पश्चिम बंगाल से सीधे जुड़ेगा, बल्कि व्यापार के नए रास्ते भी खुलेंगे. इसके साथ ही यात्री सुविधाओं में भी बढ़ोतरी होगी. केंद्र सरकार आदिवासी भाई-बहनों के विकास के लिए काफी काम कर रही है. शिक्षा के क्षेत्र में की जा रही पहल इसका उदाहरण है. मयूरभंज अंचल को तीन नई ट्रेन देने के लिए उन्होंने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव सहित केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया. कहा कि ओडिशा के एक छोटे से गांव से उनका दिल्ली तक सफर से आदिवासी महिला को सम्मान मिला है.

ट्रेनों को हरी झंडी दिखातीं राष्ट्रपति व मौजूद रेल मंत्री.

खास बातें

- रेल कनेक्टिविटी होगी मजबूत, यात्रियों को मिलेगा लाभ
- पहली बार किसी राष्ट्रपति ने सामान्य एसी कोच में किया सफर

निरंतर विकास की ओर बढ़ रहा ओडिशा

अपने संबोधन मे रेल मंत्री ने कहा कि भारतीय रेल भारत को एक कोने से दूसरे कोने को जोड़ने का काम कर रही है. अमृत भारत योजना के तहत छोटे से छोटे स्टेशन का विकास किया जा रहा है. राष्ट्रपति के गृह क्षेत्र स्थित बादामपहाड़, रायरंगपुर स्टेशन का विकास होगा. ओडिशा में पर्यटन शिक्षा और मेडिकल के लिए रेल मार्ग सुगम साधन है, जिसके लिए काम किया जा रहा है. वहीं, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि ओडिशा के विकास में प्रधानमंत्री की नजर है. यह राज्य निरंतर विकास की ओर बढ़ रहा है और केंद्र सरकार इस राज्य के विकास के लिए पूरा सहयोग दे रही है. राज्यपाल रघुवर दास ने कहा कि देश की जनता को विश्व स्तरीय अत्याधुनिक रेलवे स्टेशन देने का संकल्प प्रधानमंत्री ने लिया है.

सामान्य ट्रेन में राष्ट्रपति ने यात्रा कर रचा इतिहास

बादामपहाड़ स्टेशन से दो ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद राष्ट्रपति ने बादामपहाड़ से शालीमार साप्ताहिक ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर, उसी ट्रेन के एसी कोच में रायरंगपुर तक 32 किलोमीटर का सफर भी किया. भारतीय रेल के इतिहास में यह पहला मौका था जब देश का राष्ट्रपति अपनी स्पेशल प्रेसिडेंशियल ट्रेन के बजाए सामान्य एसी कोच में सफर किया हो. इसके साथ ही राष्ट्रपति ने अमृत भारत योजना के अंतर्गत बदामपहाड़ स्टेशन के 12 करोड़ की लागत से पुनर्विकास योजना का शिलान्यास, रायरंगपुर डाक विभाग के नए कार्यालय का उदघाटन व डाक विभाग के स्मारक विशेष आवरण का विमोचन भी किया.

झारखंड को अगले माह में मिलेंगे 11 आइएएस अफसर

संवाददाता। रांची

झारखंड में आइएएस अफसरों की कमी दूर होगी. दिसंबर तक राज्य प्रशासनिक सेवा से 11 अफसरों को आइएएस संवर्ग में प्रोन्नति दी जाएगी. इसके लिए यूपीएससी (संघ लोक सेवा आयोग) को 33 नाम भेजे गए थे. नियमतः एक पद के विरुद्ध तीन नाम भेजने का प्रावधान है. इसे लेकर यूपीएससी की बैठक 20 नवंबर को हुई, जिसमें चीफ सेक्रेटरी सुखदेव सिंह ने भी हिस्सा लिया.

पिछले साल 40 अफसरों को मिली थी प्रोन्नति : पिछले साल राज्य प्रशासनिक सेवा के 40 अफसरों को आइएएस संवर्ग में प्रोन्नति प्रदान की गई थी. यह प्रोन्नति वर्ष 2010. 2020 और 2021 की रिक्ति के विरुद्ध दी गई थी.

ये अफसर बन सकते हैं आइएएस

जानकारी के अनुसार, विजय कुमार गुप्ता, राजीव रंजन, रंजीत लाल, विधानचंद्र चौधरी, सुनील कुमार, कृष्ण कुमार, सुनील कुमार सिंह और शैलेंद्र कुमार,के नाम प्रमुख रूप से शामिल हैं.

वर्तमान में 184 अफसर हैं कार्यरत

झारखंड कैडर में वर्तमान में 184 आइएएस ही कार्यरत है. जबकि स्वीकृत पदों की संख्या 224 है. इस हिसाब से 40 अफसरों की कमी है. 11 अफसरों को आइएएस संवर्ग में प्रोन्नति मिलने से आइएएस अफसरों की संख्या 195 हो जाएगी.

न्यू पेंशन स्कीम रेल कर्मचारियों के हित में नहीं : पीके सिन्हा

संवाददाता। गोमो

रेलवे में पेंशन विकृतियों को लेकर ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के आह्वान पर ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के आदेश पर रेलवे में हड़ताल करने के लिए 21, व 22 नवंबर को गुप्त मतदान किया जा रहा है. मंगलवार को गोमो रेलवे के क्रुलॉबी, कैरिज इन वेगन कोचिंग यार्ड, टीआरएस शेड एवं इंजीनियरिंग विभाग के कार्यालय में रेलवे कर्मचारियो से गुप्त मतदान कराया गया. यूनियन से जुड़े नेताओं द्वारा दिपू कार्यालय में मतदान बक्से को ले जाया गया, जहां रेल कर्मचारियों ने बेलेट पेपर पर मुहर लगा कर मतदान किया. मतदान में रेल कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया. ऑल इंडिया रेलवे मेन्स फेडरेशन पदाधिकारी पीके सिन्हा ने बताया कि इस गुप्त मतदान के आधार पर ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन हड़ताल पर जाने का निर्णय लेगी. उन्होंने कहा की वर्ष 2004 में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के शासनकाल में पुरानी पेंशन योजना को बंद कर दिया गया.

उपायुक्त कार्यालय समेत आधे दर्जन विभाग में नहीं है अपना स्टाफ

एक घंटे के काम में लग जाता है महीना

संवाददाता। गोड्डा

गोड्डा को जिला बने हुए तीस साल से अधिक बीत गए मगर सरकारी कार्यालयों में अभी तक स्टाफ का पद सृजित नहीं हो पाया है. अनुमंडलीय स्तर पर स्वीकृत पद के भरोसे ही जिले का कार्य हो रहा है. जिले के तमाम सरकारी कार्यालयों में स्टाफ की जबरदस्त कमी के कारण आमजनों से जुड़े कार्य बुरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं.

जिला स्तरीय कार्यालय जिला अभिलेखागार, जिला नजारत, जिला स्थापना, जिला पारगमन शाखा, जिला नीलाम शाखा, जिला भू-अर्जन कार्यालय उपायुक्त का गोपनीय शाखा, जिला सामान्य शाखा, जिला विधि शाखा जैसे दर्जनों महत्वपूर्ण ऐसे विभाग हैं जिनका अपना कोई कोई स्टाफ ही नहीं है. इन सभी विभागों में दूसरे विभागों से उधार पर स्टाफ प्रतिनियुक्त करवा कर काम चलाया जा रहा है. जिला भू-अर्जन कार्यालय में एक स्टाफ का पद है जिस पर चार अतिरिक्त को प्रतिनियुक्त किया गया है.

जबकि कार्यालय में दस से अधिक स्टाफ की जरूरत है. वर्तमान समय में फोरलेन के लिए जमीन अधिग्रहण का मामला, अडाणी प्लांट के लिए जमीन अधिग्रहण, सड़क चौड़ीकरण के लिए जमीन अधिग्रहण, ये सारे फाइल लंबे समय से लंबित चले आ रहेन हैं. स्टाफ की कमी का असर कार्यों के निष्पादन पर पड़ रहा है. जिला अराजपत्रित कर्मचारी संघ के महामंत्री मोजाहिदुल इस्लाम मुजाहिद बताते हैं कि 1983 में गोड्डा जिला बना, उसके बाद से पद सृजन का काम हुआ ही नहीं है. 1958 में जो अनुमंडल स्तरीय पद था, उसी के अनुरूप काम हो रहा है. पद सृजन के लिए संघ लगातार आवाज उठा रहा है.

खास बातें

- उधार के कर्मियों के भरोसे है सरकारी कार्यालय
- आउटसोर्स कर्मी चला रहे हैं ऑफिस

सीआरपीएफ डी 197 बटालियन ने सारंडा में चिकित्सा शिविर लगाया

किरीबुरू। सारंडा में नक्सलियों के खिलाफ लोहा ले रही सीआरपीएफ की डी-197 बटालियन ने कमांडेंट के निर्देशानुसार तथा सहायक कमांडेंट सह महिला कंपनी कमांडेंट नुपुर चक्रवर्ती की देखरेख में छोटानागरा में चिकित्सा शिविर लगाकर ग्रामीण मरीजों का निःशुल्क इलाज किया. इस दौरान मरीजों को जरुरी दवाइयां भी वितरण की गई. दर्जनों ग्रामीणों का शिविर में निःशुल्क इलाज किया गया. नुपुर चक्रवर्ती ने ग्रामीणों से कहा कि सीआरपीएफ व पुलिस आपकी हर सुख-दुख के साथ सदैव खडी.है. आपके सहयोग के बिना सारंडा में शांति संभव नहीं है. आप गलत तत्वों व देश तथा समाज का दुश्मनों का किसी भी परिस्थिति में सहयोग न करें. क्षेत्र में सक्रिय नक्सलियों के बाबत गुप्त सूचना दें. इस दौरान इन्स्पेक्टर विजय पाल, थाना प्रभारी उमा शंकर वर्मा आदि मौजूद थे.

अवैध कोयला लोडिंग की दी सूचना तो अधिकारी बोले -

'दिन में फोन करें, रात में नहीं'

संवाददाता। निरसा

ईसीएल मुगमा क्षेत्र पूरी तरह अवैध धंधेबाजों के शिकंजे में आ गया है. जबकि क्षेत्र की सभी कोलियरियों व ओसीपी में कोयला, लोहा केबल चोरी रोकने के लिये ईसीएल प्रबंधन प्रतिमाह लाखों रुपये खर्च करता है. अपराधियों पर नकेल के लिए सीआईएसएफ कैंप की स्थापना की गई है. मुगमा क्षेत्र में कोयला, लोहा व केबल की चोरी पर अंकुश लगना तो दूर, उल्टे चोरों की साठगांठ से कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है.

इसका ताजा उदाहरण है पिछले सप्ताह शुक्रवार की शाम खुदिया कोलियरी के कालीमाटी में हुई घटना. अवैध कोयला लोड की सूचना देने पर बैजना सीआईएसएफ कैंप अधिकारी ने फोन करने वाले को कहा कि रात में फोन न करें, दिन में करें. दरअसल, शुक्रवार की शाम अवैध उत्खनित और ओसीपी से चुराये गये कोयला को लोड करने के लिये छह पिकप वैन पहुंचे. वैन पर कोयला लोड होने लगा, इसी बीच किसी ने सीआईएसएफ के बंगाल के शीतलपुर इंचार्ज को सूचना दे दी. बंगाल सीआईएसएफ के पहुंचने की सूचना लीक हो गई. जबतक सीआईएसएफ पहुंचती तस्कर कोयला लोड वाहन लेकर उड़न छू हो गए.

छापामारी की सूचना कैसे लीक हो गई ?

बैजना कैंप सीआईएसएफ के अधिकारी से घटना की जानकारी के लिये संपर्क किया गया तो उनका जबाब था कि रात में फोन न करें दिन में करें. अब प्रश्न उठता है कि छापामारी की सूचना कैसे लीक हो गई , किसने लीक की? विश्वस्त सूत्र के अनुसार, प्रतिदिन रात के अंधेरे में अवैध कोयले को पिकप भेन, मिनी हाइवा से गोबिंदपुर के भट्ठों में खपाया जाता है.

अभियान 15 दिसंबर तक स्कूलों में किसी एक सप्ताह मनेगा फिट इंडिया वीक

सरकारी स्कूलों के बच्चों में लगेगी स्वस्थ रहने की आदत

प्रमुख संवाददाता। रांची

सरकारी स्कूलों के बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और फिटनेस की आदत डालने के लिए देशभर में फिट इंडिया वीक का आयोजन शुरू हो गया है. 15 नवंबर से शुरू हुए फिटनेस इंडिया वीक के पांचवें संस्करण के तहत झारखंड के भी सभी सरकारी स्कूलों को 15 दिसंबर तक किसी एक सप्ताह फिटनेस वीक मनाने का निर्देश दिया गया है. इसके तहत स्कूलों में एक हफ्ते तक फ्रीडम रन, क्विज, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, योग और ध्यान लगाने समेत कई अन्य कार्यक्रम आयोजित होंगे. छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के बीच स्वास्थ्य और फिटनेस के महत्व को बताने और सभी को खेल के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है. स्कूल अपनी सहूलियात के हिसाब से 15 दिसंबर तक किसी भी सप्ताह का चयन कर सकते हैं.

2019 में हुई थी फिट इंडिया वीक की शुरुआत : केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की ओर से 2019 में फिट इंडिया स्कूल सप्ताह मनाने की शुरुआत हुी थी. इसके तहत सभी स्कूलों को यह सुनिश्चित करना है कि सभी छात्र, अभिभावक, कर्मचारी और प्रबंधन फिट इंडिया स्कूल वीक 2021 कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेंगे. स्कूल अपनी वेबसाइट पर फिट इंडिया स्कूल वीक शीर्षक से एक नया पेज बना सकते हैं और फिटनेस वीक के दौरान की गतिविधियों (फोटो-वीडियो) को इसमें अपलोड कर सकते हैं.

फिटनेस वीक में क्या-क्या गतिविधियां होंगी

फिट इंडिया वीक के तहत स्कूलों को फिटनेस के महत्व, वाद-विवाद, संगोष्ठी और व्याख्यान का आयोजन करना है. पोषण और स्वास्थ्य विषय पर क्विज प्रतियोगिता और खेल का आयोजन करना है. छात्रों को भारत के पारंपरिक खेलों के साथ-साथ यहां के स्वदेशी खेलों के आयोजन और संतुलित आहार को लेकर जानकारी देनी है. योग और ध्यान दिवस का आयोजन करना है. ब्रेन गेम्स और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर भी जानकारी देनी है. कार्यक्रम के समापन से पहले फिटनेस की शपथ भी लेनी है.

खास बातें

- फिटनेस इंडिया वीक के 5वें संस्करण के तहत मिले निर्देश
- वाद-विवाद, संगोष्ठी और व्याख्यान का होगा आयोजन

दो हाइवा खदान में गिरे ड्राइवर-खलासी की तलाश

महगामा/ गोड्डा

राजमहल परियोजना अंतर्गत ललमटिया कोलियरी में मिट्टी धंसने से दो हाइवा खदान में गिर गए. घटना पुराने तलझारी एरिया की है. कोयला ढुलाई के कार्य में लगी हाइवा गाड़ी कोयला गिराकर लौट रही थी कि अचानक मिट्टी धंसने की वजह से दोनों हाईवा गाड़ी मुख्य रास्ते से फिसल कर बीस फीट नीचे खदान में गिर पड़ी. घटना के बाद गाड़ी के ड्राइवर और खलासी का कुछ पता नहीं चल पा रहा है, हालांकि इन दोनों वाहनों के चालक और उपचालक की खोज के लिए लगातार मिट्टी हटाकर खोज की जा रही है मगर कोई सुराग नहीं मिल पा रहा है. आशंका व्यक्त की जा रही है कि वे लोग निकलकर खदान के दूसरे छोर से चले गए होंगे. बावजूद इसके प्रबंधन द्वारा तलाश की जा रही है. ज्ञात हो, ललमटिया कोलियरी में लूट खसोट ज्यादा है, भ्रष्टाचार चरम पर है.

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने टाटानगर स्टेशन को विश्वस्तरीय बनाने के लिए लोगों से मांगा सुझाव

नई पटरियों को बिछाने पर है सरकार का पूरा फोकस : वैष्णव

संवाददाता। जमशेदपुर

टाटानगर स्टेशन को वर्ल्ड क्लास स्तर का स्टेशन बनाया जाएगा. आने वाले 50 वर्षों को ध्यान में रखते हुए टाटानगर स्टेशन में क्या-क्या जरूरतें होनी चाहिए इसे लेकर शहरवासी अपने-अपने सुझाव सांसद के माध्यम से रेलवे को भेज सकते हैं. यह बातें केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने टाटानगर स्टेशन पहुंचने पर कही.

उन्होंने कहा कि शहर की जितने भी सामाजिक संस्थाएं, युवा वर्ग व अन्य संगठन हैं वे टाटानगर स्टेशन को वर्ल्ड क्लास बनाने की दिशा में अपनी पहल कर सकते हैं. उन्होंने मेरठ, गुजरात के आनंद-खेड़ा, बिजनौर और सहारनपुर स्टेशन के डिजाइन का उदाहरण देते हुए कहा कि इन स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए लोग इनके साथ जुड़े अपना-अपना विचार दिया और अपना पक्ष रखा.

हर प्रोजेक्ट पर चल रहा तेजी से काम : रेल मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशभर में कई सारे नए रेलवे ट्रैक बनाए जा रहे हैं. पिछले साढ़े नौ वर्षों में करीब 21 हजार किलोमीटर नए ट्रैक बनाए गए हैं. पिछले एक वर्ष में 5260 किलोमीटर नए ट्रैक का निर्माण हुआ

है. लोगों की मांग रहती है गाड़ियों के फेरे बढ़ाने और नई ट्रेनों को शुरू करने की लेकिन उससे पहले जरूरत है रेलवे ट्रैक की, इसलिए नई पटरियों को बिछाने पर सरकार का पूरा फोकस है. उन्होंने कहा कि रेलवे में हर प्रोजेक्ट पर तेजी से काम चल रहा है, जो एक यज्ञ के समान है. बादामपहाड़-राउरकेला और कोलकाता को जोड़ने वाली नई तीन ट्रेनों का शुभारंभ आज राष्ट्रपति के द्वारा किया गया है.

सुरक्षा के क्षेत्र में लगातार हो रहा निवेश

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पुश-पुल ट्रेन के बारे में बताया कि यह एक नई तकनीक है जिसपर तेजी से काम हो रहा है. इस तकनीक से चलने वाली ट्रेन आम ट्रेनों के मुकाबले कहीं ज्यादा बेहतर है. इसलिए नई तकनीक वाली ट्रेन और ज्यादा पटरियां, यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है. सुरक्षा पर रेल मंत्री ने कहा कि इस पर काफी ज्यादा काम हुआ है. एक लाख आठ हजार करोड़ का निवेश सुरक्षा के मामले में किया गया है और इसका परिणाम भी आया है. वर्ष 2014 से पहले एक साल में अमूमन 170 के आसपास दुर्घटनाएं होती थी लेकिन अब वह संख्या घट कर 47 के आसपास आ गई है. सुरक्षा और भी बेहतर किए जाने की आवश्यकता है. पिछले साढ़े नौ वर्षों में पांच लाख नौकरियां युवाओं को दी गई है, अभी फिर से डेढ़ लाख नौकरियों के लिए प्रक्रिया पूरी हुई है. भविष्य में और भी बहाली निकाली जाएगी. लगातार इस दिशा में कार्य हो रहा है.

आओ जानें

पुलिसिंग के मामले में बड़े राज्य में तेलंगाना पहले स्थान पर, जानें बाकी राज्यों की स्थिति

तेलंगाना	: 01	राजस्थान	: 14
कर्नाटक	: 02	उत्तरप्रदेश	: 15
आंध्रप्रदेश	: 03	बिहार	:16
ओडिशा	: 04	केरला	: 17
उत्तराखंड	: 05	पश्चिम बंगाल	: 18
तमिलनाडु	: 06		
मध्यप्रदेश	: 07		
गुजरात	: 08		
छत्तीसगढ़	: 09		
महाराष्ट्र	: 10		
झारखंड	: 11		
हरियाणा	: 12		
पंजाब	: 13		

ब्रीफ खबरें

मतदाताओं का नाम सूची में दर्ज करें : बीडीओ

मैथन। एग्यारकुंड प्रखंड क्षेत्र में मंगलवार को मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत विशेष अभियान चलाया गया. इस दौरान एग्यारकुंड बीडीओ विनोद कुमार कर्मकार ने मतदान केंद्रों का दौरा कर विशेष अभियान का निरीक्षण किया. बीडीओ कर्मकार ने एग्यारकुंड और कुमारधुबी क्षेत्रों में स्थित विभिन्न मतदान केंद्रों पर का जायजा लिया और बीएलओ व पर्यवेक्षकों द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान का जायजा लिया.

जीटी रोड चौड़ीकरण का काम हुआ शुरू

गोविंदपुर। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने मंगलवार से गोविंदपुर बाजार क्षेत्र में जीटी रोड चौड़ीकरण का काम शुरू कर दिया. अभी कोलकाता लेन में कार्य प्रारंभ किया गया है. इसके लिए अतिक्रमण को पूरी तरह हटाया जाएगा. जीटी रोड रंगडीह मोड़ से टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज तक सड़क के दोनों और नाली का निर्माण किया जाएगा. अभी कोलकाता लेने में नाला निर्माण का काम आधा पूरा हो गया है. दिल्ली लेन में भी रंगडीह मोड़ से टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज तक नाला निर्माण किया जाएगा.

डीसी ने की कार्यक्रम को लेकर बैठक

देवघर। राज्य सरकार के निर्देश के बाद 'आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम' के सफल संचालन के लिये देवघर डीसी विशाल सागर की अध्यक्षता में एक बैठक की गई. देवघर समाहरणालय के सभागार मे आयोजित इस बैठक में जिले के सभी दस प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी ,अंचल अधिकारी समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद थे. बैठक के दौरान देवघर डीसी ने 24 नंबर से शुरु होने वाले कार्यक्रम के लिये आवश्यक निर्देश पदाधिकारियों को दिए.

ट्रेड लाइसेंस की जांच कार्रवाई की चेतावनी

लातेहार। नगर पंचायत के प्रशासक राजीव कुमार के निर्देश पर नगर प्रबंधक राज कुमार वर्मा ने शहर के कई दुकानों में ट्रेड लाइसेंस की जांच की. जांच के क्रम में बाइपास चौक के आदित्य मोबाइल में ट्रेड लाइसेंस की अवधि खत्म हो गई थी. उसका ऑन द स्पॉट नवीनीकरण किया गया. इसके बाद मां वैष्णवी डिजिटल नामक प्रतिष्ठान में ट्रेड लाइसेंस की जांच की गयी. दुकान का ट्रेड लाइसेंस सही पाया गया. वहीं धीरज टेलीकॉम, श्याम सैलून और राहुल मेंस सैलून की भी जांच हुई. इस दौरान नगर पंचायत ने पांच हजार रुपये का राजस्व संग्रहण किया.

ऊपरबांधा पोटास जंगल के बीच सोमवार की देर रात हुआ हादसा

33 हजार वोल्ट तार की चपेट में आने से 5 हाथियों की मौत

संवाददाता । घाटशिला

मुसाबनी वन क्षेत्र के ऊपरबांधा पोटास जंगल के बीच वन विभाग द्वारा खोदा गया गड्ढा पार करने के दौरान 33 हजार वोल्ट की तार के चपेट में आने से 5 हाथियों की मौत हो गई. हादसा सोमवार की देर रात को हुआ. हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड कंपनी (एचसीएल) माइंस के लिए हाईटेंशन तार उस जगह से गुजरा था, जिसकी चपेट में आने से यह बड़ी घटना हुई है. ग्रामीणों ने बताया कि सोमवार की रात से ही करीब 12 हाथियों का झुंड जंगल में घूम रहा था. वन विभाग की टीम द्वारा सोमवार की रात सर्च अभियान भी चलाया गया. इसके बावजूद पांच हाथियों की करंट लगने से मौत होना, वन विभाग तथा डीवीसी की लापरवाही को दर्शाता है.

मरने वाले हाथियों में बच्चे तथा वयस्क हाथी शामिल हैं. हाथियों की मौत की सूचना मिलने पर ग्रामीणों ने इसकी जानकारी मुसाबनी वन विभाग को दी. सूचना पर बीडीओ विजय कुमार महतो, पूर्व विधायक लक्ष्मण टुडू, घाटशिला जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू, रेंजर दिग्विजय सिंह, एचसीएल आईसीसी के अधिकारी दिपक श्रीवास्तव सहित काफी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जुटी थी.

घटना को विद्युत विभाग ने कई घंटे दबाए रखा : पांच हाथी की मौत की सूचना वन विभाग और विद्युत

हाथियों के विचरण से ग्रामीणों में दहशत

मंगलवार की शाम तीन हाथियों के विचरण से कई गांव के ग्रामीण दहशत में हैम. ग्रामीणों का कहना है कि मृत हाथी को लेकर झुंड के शेष हाथी काफी गुस्सा हैं. उनके द्वारा तांडव मचाने की पूरी संभावना है, ऐसा देखा गया है कि हाथी के मौत के बाद लगातार 10 दिनों तक शेष हाथियों का झुंड उसी जगह पर पानी डालकर शोक मनाता है. इसलिए वन विभाग तथा प्रशासनिक पदाधिकारी ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर गंभीर रहें.

बाल-बाल बचीं जिला परिषद सदस्य

शाम ढलने से पूर्व लगभग 4 बजे हाथियों की मौत की सूचना मिलने पर घाटशिला जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू घटनास्थल की ओर जा रही थी. उसी दौरान उनके वाहन से कुछ दूरी पर दो वयस्क और एक छोटा हाथी सड़क के गुजरा. उन्होंने बताया कि यह बताना संभव नहीं है कि भय के साय में खुदको कैसे संभाला. ऊपर वाले का शुक्र था कि हम बाल-बाल बच गए. ठीक उसी समय एसडीओ का वाहन भी चपेट में आने से बचा.

विभाग ने कई घंटे तक दबाए रखा, परंतु मंगलवार को लगभग 12 बजे ग्रामीणों ने हाथियों के झुंड को भगाने के दौरान हाथियों के शव को जंगल में पड़ा हुआ देखा. इसके बाद घटना का लोगों को पता चल गया. इसके बाद

हाथियों की रक्षा करना प्राथमिकता : डीएफओ

डीएफओ ममता प्रियदर्शी ने कहा कि यह घटना अत्यंत ही दु:खद है. यहां वन क्षेत्र में खंभे वगैरह लगाने के लिए बिजली विभाग ने संभवत: क्लीयरेंस लिया ही होगा, लेकिन फिलहाल स्पष्ट तौर पर नहीं कहा जा सकता है कि क्लियरेंस लिया गया है या नहीं. फिलहाल बचे हुए चार हाथियों की रक्षा और मृत हाथियों का अंतिम संस्कार विभाग की प्राथमिकता है. उसके बाद इसपर गंभीरता से जांच की जायेगी.

एचसीएल कंपनी, प्रशासनिक अधिकारी, वन विभाग, तथा विद्युत विभाग में हड़कंप मच गया.

सुबह 7 बजे तक बिजली बंद थी : सोमवार की रात 8 बजे से मंगलवार सुबह 7 बजे तक हाथियों के झुंड के विचरण करने की सूचना पर सुरदा फीडर और अमाई नगर फीडर का लाईन काटा गया था. मुसाबनी प्रखंड के राखा फॉरेस्ट रेंज में फॉरेस्ट ब्लॉक पंचायत के जंगल में विगत 10 दिनों से लगभग 10 की संख्या में हाथियों का झुंड बंगाल की सीमा से इस क्षेत्र में घुसा हुआ है. ज्ञात हो कि इसी महीने के पहले सप्ताह में चाकुलिया में भी करंट लगने से लगातार दो दिन में दो हाथियों की मौत हो गई थी.

जलजमाव से ईचागढ़ के ग्रामीण परेशान, गुहार लगाकर थक गए थे

ग्रामीणों ने श्रमदान कर बनाई सड़क

संवाददाता। चांडिल

चांडिल डैम के डूब क्षेत्र में स्थित ईचागढ़ गांव का मुख्य सड़क के जलमग्न होने के बाद ग्रामीणों को आवागमन करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था. परेशानी से बचने के लिए ग्रामीणों ने श्रमदान कर सड़क पर मुरुम डाल कर सड़क ऊंची कर दी. ग्रामीणों ने बताया कि ईचागढ़ गांव के विस्थापित सभी मंचों पर गुहार लगाकर थक गए थे. विस्थापितों को होने वाली परेशानी को किसी ने भी गंभीरता से नहीं लिया.

दो गांव के ग्रामीणों ने किया श्रमदान : आखिरकर ग्रामीणों के आपसी सहयोग से घासीराम साहू के

घर से शंभु साहू के घर तक सड़क को जलजमाव से मुक्त करने के लिए मिट्टी डालकर श्रमदान कर सड़क की ऊंचाई बढ़ा दी. सभी ने मिलकर नदी किनारे गार्डवाल बनाया. श्रमदान करने वालों में पातकुम पंचयात के मुखिया राखोहरी सिह मुंडा, उप मुखिया दिनेश चंद्र मंडल, पंचायत समिति कालीपद लायेक, अभिषेक आदित्यदेव, ननका साहू, भूटका मंडल, सहदेव कंसारी, घासीराम साहू, छोटू मंडल, पंकज प्रमाणिक, सुमित गुप्ता, प्रशांत रजवाड़, ऋतिक सहदेव, रमन माझी, मनसा उरांव, मिथुन मोदक, तेजू बागती, चुकु साव, शंभु साव एवं इचागढ़ व लेपाटांड ग्रामीण शामिल थे.

सीएम का आगमन 29 को, बीडीओ ने की बैठक

सिमडेगा। 'आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 29 नवंबर को कोलेबिरा पहुंच रहे हैं. प्रखंड विकास पदाधिकारी बीरेंद्र किडो ने तैयारी को लेकर प्रखंड सभागार में बैठक की. मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष रोज प्रतिमा सोरेंग, कोलेबिरा थाना प्रभारी, सभी पंचायतों के मुखिया, सभी विभाग के पदाधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे. बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा लगाये जाने वाले स्टॉलों के बारे में जानकारी दी गई. बीडीओ ने सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लेने की लोगों से अपील की. प्रचार-प्रसार के साथ-साथ अधिक से अधिक लोगों को इसमें शामिल करने का निर्देश दिया.

खेल विभाग का ऑफिस हो रहा शिफ्ट, युद्धस्तर पर चल रहा काम

शुभम किशोर । रांची

झारखंड के खेल विभाग का कार्यालय रांची के मोरहाबादी स्थित फुटबॉल स्टेडियम में मौजूद है. वर्तमान में खेल निदेशक और सभी अधिकारियों का दफ्तर ग्राउंड फ्लोर पर मौजूद है लेकिन अब इसे पहले तल्ले पर ले जाने की तैयारी की जा रही है. रेनोवेशन का काम अब आखिरी चरण में है. खेल निदेशक सुशांत गौरव से बात करने पर उन्होंने बताया कि कार्यालय को शिफ्ट किया जा रहा है. इससे पदाधिकारियों और अधिकारियों के बीच समन्वय बनाकर काम करने में आसानी होगी. वहीं, पुराने ऑफिस को दिव्यांगों और बुजुर्गों से मिलने के

लिए रखा जाएगा. दूसरी ओर जहां अधिकारियों का चैंबर था, वहां छात्रावास का निर्माण कराया जा सकता है.

खेल मंत्री का कार्यालय भी हो सकता है चेंज : फुटबॉल स्टेडियम में मौजूद खेल मंत्री का कार्यालय भी शिफ्ट किया जा सकता है. वर्तमान में खेल मंत्री का कार्यालय पहले तल्ले पर है लेकिन अब वहां विभाग का कार्यालय बनाया जा रहा है. एक कॉफ्रेंस हॉल भी बनाया जा रहा है.

समस्याओं को लेकर अनुमंडल मुख्यालय पर प्रदर्शन आज

संवाददाता । चांडिल

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं को लेकर एसयूसीआई कम्युनिस्ट मंगलवार को अनुमंडल मुख्यालय पर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन करेगी. एसयूसीआई कम्यूनिस्ट के अनंत महतो ने बताया कि चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में चारों ओर समस्याओं का अंबार है. गरीब, मजदूर, किसान, महिलाएं, बेरोजगार, विद्यार्थी त्राहिमाम कर रहे हैं. किसान खेतों को सिंचित करने को लेकर चिंतित हैं, विद्यार्थी स्कूल-कॉलेजों में शिक्षकों की कमी से परेशान हैं, आम लोग स्वास्थ्य, राशन, पेंशन समेत कई मूलभूत समस्याओं से जूझ रहे हैं.

अनुमंडलीय अस्पताल को शुरू करे सरकार : अनंत महतो ने कहा कि धरना-प्रदर्शन के दौरान अनुमंडलीय अस्पताल को चालू

खास बातें

- अनुमंडल क्षेत्र में चारों ओर समस्याओं का अंबार : अनंत
- महिलाएं, बेरोजगार व विद्यार्थी त्राहिमाम कर रहे हैं : महतो

करने, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में बेड, दवा आदि की समुचित व्यवस्था करने, डैम के पानी से सिंचाई की समुचित व्यवस्था करने, चांडिल क्षेत्र को प्रदूषण मुक्त करने, सिंहभूम कॉलेज चांडिल में सभी विषयों में पीजी की पढ़ाई चालू करने, रिक्त पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति करने आदि की मांग की जाएगी. उन्होंने कहा कि क्षेत्र में दिन पर दिन बढ़ता प्रदूषण अब विकराल रूप धारण कर चुका है. कुंआ व तालाब का पानी मनुष्यों के साथ पशु-पक्षियों के पीने के लायक नहीं रहा.

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर गुप्त मतदान, हो सकता है हड़ताल

चंदवा । भारतीय रेलकर्मी और केंद्रीय कर्मचारी पुरानी पेंशन बहाली का मांग कर रहे हैं. केंद्र सरकार पर कर्मचारियों ने उदासीनता का आरोप लगाया है. मुंबई में 8 नवंबर को आयोजित ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के 99वें वार्षिक सम्मेलन में रेल हड़ताल का समर्थन किया गया था. तय हुआ था कि 21 -22 नवंबर को इस बाबत गुप्त मतदान कराया जायेगा. इसी आदेश के तहत ईसीआरकेयू पूरे जोन में गुप्त मतदान करा रहा है. चंदवा में भी रेल कर्मचारियों ने गुप्त मतदान किया. मतदान में रेल कर्मचारियों ने उत्साह के साथ भाग लिया. 22 नवंबर को भी मतदान प्रक्रिया जारी रहेगा. मतपत्रों की काउंटिंग होगी और इसके परिणाम को केंद्रीय कार्यालय को भेजा जाएगा. पूरे भारतवर्ष से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर रेल हड़ताल पर जाने की घोषणा की जाएगी, जो संभवत: जनवरी-फरवरी - 2024 में होगी.

पत्रकारों का प्रतिनिधिमंडल एसडीपीओ वशिष्ट नारायण सिंह से मिला

पत्रकार से मारपीट किये जाने का विरोध

संवाददाता। तेनुघाट

पत्रकारों का एक प्रतिनिधिमंडल बेरमो के एसडीपीओ वशिष्ट नारायण सिंह से मिला. पत्रकारों ने पेटरवार के पत्रकार राकेश कुमार शर्मा के साथ कुछ लोगों द्वारा मारपीट किये जाने के विरोध में एक स्मार पत्र सौंपा. एआईएसएमजेडबलूए के अध्यक्ष प्रशांत कुमार सिन्हा, जेयूजे के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित गोमिया पत्रकार संघ के पदाधिकारी ने एसडीपीओ से आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की.

पत्रकार प्रशांत कुमार ने ज्ञापन में कहा है कि 16 नवंबर को न्यूज चैनल के पत्रकार राकेश कुमार शर्मा के द्वारा एक सामाचार प्रसारित गया था. जिसके बाद कुछ लोगों के द्वारा शर्मा के साथ मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी दी. इस मामले में पेटरवार थाना में मामला दर्ज कराया गया है. एसडीपीओ ने

खास बातें

- सभी आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की
- पत्रकार राकेश कुमार शर्मा के साथ मारपीट का है मामला

पत्रकारों को आश्वासन दिया कि आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी. पत्रकार निर्भीक होकर अपना काम करें. पत्रकार समाज का एक महवपूर्ण हिस्सा है. समाज में जुड़ी हुई घटना को समाज में लाना उनका कर्त्तव्य है. पुलिस प्रशासन हमेशा पत्रकार की सुरक्षा के लिए खड़ा है.

मौके पर अनंत कुमार, नागेश्वर महतो, सुभाष कटरियार, मृत्युंजय मिश्रा, ललित मिश्रा, बैद्यनाथ शर्मा, मिथलेश कुमार, विजय साव, राजकुमार सोनी, संजय कुमार, चुमन कुमार, अनील चौधरी, नरेश कुमार, शिव शंकर नोनिया, मुकेश कुमार सहित कई अन्य पत्रकार शामिल थे.

बीडीओ ने बूथ पर बीएलओ के कार्यों का किया निरीक्षण

महोदा। मतदाता पुर्नक्षण एसएसआर कार्यक्रम को लेकर मेगा कैंप के तहत बूथों का निरीक्षण मंगलवार को प्रखंड विकास पदाधिकरी सुषमा आनंद और प्रशिक्षु उप समाहर्ता मुरारी नायक ने किया. निरीक्षण टीम मतदान केंद्र मध्य विद्यालय तारगा, मध्य विद्यालय राधानगर, प्राथमिक विद्यालय भुरूंगीया, मध्य विद्यालय काण्ड्रा, उच्च विद्यालय कुंजी मे बीएलओ के कार्य की जानकारी ली. साथ ही मतदाताओं द्वारा भरे गए फॉर्म 6,7, और 8 का अवलोकन किया किया. निरीक्षण के दौरान बीएलओ पर्यवेक्षक भागीरथ सिंह, मुमताज अंसारी, पदुगोड़ा पंचायत के मुखिया महेश कुमार पटवारी, बीएलओ उर्मिला देवी, भारती पाण्डेय, ज्योशना देवी, राधा देवी, सुनिता देवी, आशा देवी, कलावती देवी, निर्मला देवी, चिन्तामनी देवी, रिंकु सिन्हा, गीता देवी, रजिया खातुन, मीना विश्वकर्मा, प्रधानाध्यपक, शिक्षक आदि उपस्थित थे.

शिविर नगर निगम प्रशासन जुटा तैयारी में, 16 नवंबर से लगेगा शिविर, 31 दिसंबर तक चलेगा कार्यक्रम

नगर निगम में आज से चलेगा 'सरकार आपके द्वार कार्यक्रम'

संवाददाता । आदित्यपुर

आदित्यपुर नगर निगम के सभी वार्डों में बुधवार 24 नवंबर से 31 दिसंबर तक 'सरकार आपके द्वार कार्यक्रम' के तहत शिविर का आयोजन किया जाएगा. इसकी तैयारी में नगर निगम प्रशासन जुटा हुआ है. पूर्व में 16 नवंबर से नगर निगम के वार्डों में शिविर लगना था, लेकिन छठ की वजह से शिविर को एक सप्ताह के लिए टाल दिया गया था.

अब 24 नवंबर से वार्डवार शिविर लगेगा. कार्यक्रम का नोडल अधिकारी नगर प्रबंधक लेमांशु कुमार को बनाया गया है. वे शिविर में आने वाले सभी तरह के आवेदनों को विभागवार सूचीबद्ध कर उसे

नगर निगम कार्यालय.

संबंधित विभाग के अधिकारियों को अग्रेतर कार्रवाई के लिए भेजेंगे.

नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि शिविर की शुरुआत निवर्तमान मेयर विनोद कुमार श्रीवास्तव के वार्ड नंबर 28 और 29

खास बातें

- छठ की वजह से टला था अब लगेगा वार्डवार शिविर
- नगर प्रबंधक लेमांशु को बनाया गया है नोडल अधिकारी

से हो रही है. इसमें सभी प्रकार के पेंशन, राशन कार्ड, सड़क नाली निर्माण, शौचालय की समस्याओं, मुख्यमंत्री श्रमिक योजना, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु, आम रास्तों की समस्या, जमीनों को दाखिल खारिज करने, भवन का नक्शा आदि जैसी समस्याओं का समाधान हेतु आवेदन लिए जाएंगे.

कार्यक्रम पर आम लोगों की राय

आमजनों को होगा लाभ : दिवाकर

दिवाकर झा कहते हैं कि 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम से आमजनों को निश्चित रूप से फायदा होगा. इससे बहुत से लोग जो प्रखंड और अनुमंडल कार्यालय का चक्कर लगाकर परेशान हैं, उनकी समस्या का समाधान अपने टोले मुहल्ले में ही होगा. वृद्ध अवस्था के पेंशन, विधवा पेंशन के योग्य लोगों को इससे लाभ होगा. इसके अलावा सड़क, नाली, सामुदायिक भवन, पानी के लिए बोरिंग, बिजली पोल, पीडीएस डीलर से समय पर नहीं मिल रहे सामग्रियों जैसे मूलभूत समस्याओं को सरकार उनके द्वार पर जाकर करेगी. पिछले बार भी इस कार्यक्रम से लाखों लोगों को फायदा हुआ है. जमीन संबंधी विवादों का भी समाधान सरकार हमारे द्वार पर आकर करेगी.

वंचित लोगों को मिलेगा लाभ : रामजी

सेवानिवृत्त टाटा स्टील कर्मी रामजी शर्मा कहते हैं कि 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम का प्रचलन बहुत ही अच्छा है. इस कार्यक्रम के माध्यम से सरकार का यह उद्देश्य है कि सरकार उन्हें जागरूक कर उनकी समस्याओं का समाधान करे. जनता से सीधी बातचीत कर उनकी समस्याओं का समाधान होगा. चूंकि बहुत सारे लोग आज भी वैसे हैं जो सरकारी कार्यालयों तक नहीं जा पाते हैं, उनकी समस्या धरी रह जाती है. बहुत सारे लोगों का आधार कार्ड, राशन कार्ड नहीं बना है. जिससे वे सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाते हैं, वैसे लोगों को इसका फायदा होगा. कई मुहल्लों में सड़क, नाली की विकराल समस्याएं हैं जिनका निदान सरकार इस माध्यम से करेगी ऐसा मेरा मानना है.

विवेकानंद केंद्र होगा आलीशान भवन, 23 को होगा भूमि पूजन

साफ-सफाई करवाते अनाथ मिश्रा व अन्य.

संवाददाता । चांडिल

चांडिल के मठिया रोड स्थित बासुदेव बागान में विवेकानंद केंद्र का आलीशान भवन बनेगा. भवन निर्माण के लिए 23 नवंबर को भूमि पूजन किया जाएगा. विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी के चांडिल शाखा के मठिया रोड स्थित बासुदेव बागान में 1.37 एकड़ जमीन है. इसमें करीब पांच हजार वर्गफीट में भवन का निर्माण कराया जाएगा. आधुनिक सुविधाओं से युक्त भवन बहुद्देशीय होगा. इसमें बैठक, योग आदि के लिए हॉल व कई कमरा शामिल हैं. केंद्र भवन निर्माण को लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही है. विवेकानंद केंद्र के अनाथ मिश्रा ने बताया कि पूरे परिसर की साफ-सफाई कराई जा रही है.

ब्रीफ खबरें

दूधवाले की साइकिल समेत दूध ले उड़े चोर

जमशेदपुर। जमशेदपुर के मानगो बाजार में दूध का कारोबार करने वाले ललन यादव की साइकिल दूध समेत चोरी हो गई. ललन दूध की सप्लाई करने मानगो गुरुद्वारा रोड से बाजार गए थे. मानगो बाजार के अंदर बनी दो मंजिले मकान में प्रतिदिन की तरह नीचे केन सहित साइकिल खड़ी कर दूध देने चले गए. थोड़ी देर बाद जब ललन यादव दूध देकर नीचे उतरे तो उनकी साइकिल केन सहित गायब थी. ललन यादव ने मामले की जानकारी भाजपा नेता विकास को दी.

एडीजी अभियान 24 को करेंगे समीक्षा बैठक

रांची। सड़क सुरक्षा को लेकर एडीजी अभियान 24 नवंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक करेंगे. इस बैठक में सभी जिलों के एसएसपी और एसपी भी मौजद रहेंगे. इस दौरान जिलावार चिन्हित कर उपलब्ध कराये ब्लैक स्पॉट, एमवी एक्ट के तहत की गयी कार्रवाई, थाना में कितने फर्स्ट ऐड किट उपलब्ध कराये गये, प्रशिक्षित किये गये कर्मियों की संख्या, जीपीएस मैप कैमरा लाइट इंस्टॉल, क्यूआर कोड की जिलावार स्थिति और दुर्घटना की स्थिति पर चर्चा की जाएगी.

नितेश लाहा नाम के अपराधी की हत्या

रांची। लालपुर थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात नितेश लाहा नाम के अपराधी की हत्या कर दी गयी है. अज्ञात अपराधियों ने पहले नितेश का गला दबाया, इसके बाद गला काट कर उसकी हत्या कर दी. मंगलवार को घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की जांच में जुट गयी. जानकारी के मुताबिक, नितेश ने तीन जुलाई 2021 में दहेज को लेकर अपनी पत्नी की हत्या कर दी थी.

जमीन विवाद को लेकर मारपीट, एक घायल

जमशेदपुर। जमशेदपुर के सिदगोड़ा थाना अंतर्गत भुइंयाडीह ग्वाला बस्ती में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई. इस घटना में एक पक्ष के बैजू यादव घायल हो गए. घटना सोमवार रात की है. मंगलवार सुबह बैजू अपने ही घर के पास बेहोशी की हालत में मिले. इसके बाद उन्हें इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घायल की पत्नी रिंकी देवी ने बताया कि एक साल से श्यामलाल के साथ जमीन विवाद चला आ रहा है.

चोरी के प्रयास में दो आरोपितों को जेल

रांची। राजधानी की मुरी थाना पुलिस ने हिंडाल्को क्वार्टर कॉलोनी में घुसकर चोरी का प्रयास करने के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपितों में इम्तियाज उर्फ इम्तियाज आलम और साहिल खान शामिल है. ग्रामीण एसपी मनीष टोप्पो ने मंगलवार को बताया कि दोनों को चोरी करने के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है. पुलिस ने आरोपी से जेल भेजने से पहले पूछताछ की है.

महिला ने छेड़खानी का लगाया आरोप, केस

बालूमाथ (लातेहार)। रांची से चतरा के बीच चलने वाली मोना बस में महिला यात्री के साथ छेड़खानी का मामला प्रकाश में आया है. इस संबंध में पीड़िता ने बालूमाथ थाना में पिंडारकोम निवासी हाजी मकसूद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है. पीड़िता ने प्राथमिक में बताया है कि अपनी बीमार मां का इलाज कराकर रांची से चतरा वापस लौट रही थी तो बालूमाथ पहुंचने से पहले बस में हाजी मकसूद ने छेड़खानी की. इस संबंध में बालूमाथ थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है.

करंट लगने से मजदूर की मौत, सड़क जाम

गोड्डा। गोड्डा नगर थाना क्षेत्र के बढ़ौना गली नंबर 3 में घर निर्माण में लगे मजदूर की करंट लगने से मौत हो गई. गुस्साए ग्रामीणों व परिजनों ने रौतारा चौक के पास गोड्डा-पथरगामा मुख्य मार्ग पर शव रखकर सड़क जाम कर दी. घटना सोमवार की है. बताया जाता है कि चंदन कुमार झा के घर में निर्माण कार्य चल रहा है. डुमरिया गांव निवासी गोपाल दास मजदूरी का काम कर रहा था. शाम के समय वह मोटर का स्विच दबाने गया, तभी करंट की चपेट में आ गया.

पलामू में बस व बाइक में जोरदार टक्कर, दो की मौत

- युवकों की पहचान सतबरवा थाना क्षेत्र के तुम्बागड़ा के 22 वर्षीय मनीष कुमार और 20 वर्षीय परदेसी कुमार के रूप में हुई है

संवाददाता । पलामू

रांची-डालटनगंज मुख्य मार्ग पर सतबरवा थाना क्षेत्र के कंचना ढाबा के सामने मंगलवार को पलामू किला मेला देखने आ रहे बाइक सवार दो युवकों की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई. बस से बाइक की आमने-सामने की भिड़ंत हो जाने के कारण यह घटना हुई. हालांकि, हादसे के बाद दोनों युवकों को नवजीवन अस्पताल तुम्बागड़ा ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया. डालटनगंज से हजारीबाग जा रही दीप ज्योति बस और रांची की ओर से डालटनगंज की ओर आ रही एक बाइक में टक्कर हुई. सीधी टक्कर लगने के बाद बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से जख्मी होकर कंचन ढाबा के पास सड़क पर गिर गए. उनकी बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. सूचना के बाद एएसआई बसंत कुमार दुबे ग्रामीणों के सहयोग से बाइक सवार घायल युवकों को इलाज के लिए नवजीवन अस्पताल तुम्बागड़ा ले गए, जहां पर जांच के बाद डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

घटना के बाद बस और बाइक को सतबरवा पुलिस ने जब्त कर लिया तथा दोनों शव को डालटनगंज के एमएमसीएच में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. पुलिस के अनुसार दोनों युवकों की पहचान सतबरवा थाना क्षेत्र के तुम्बागड़ा के 22 वर्षीय मनीष कुमार और 20 वर्षीय परदेसी कुमार के रूप में हुई है. थाना प्रभारी अमित कुमार सोनी ने बाइक और बस में भिड़ंत होने की पृष्टि की. कई घंटे के बाद शव की पहचान होने की बात कही.

एटीएम में छेड़छाड़ करनेवाला पकड़ाया

तोपचांची। तोपचांची बाजार स्थित एचडीएफसी एटीएम मशीन में ब्लैक टैप लगाकर रुपए उड़ाने वाले एक शख्स तोपचांची पुलिस के हत्थे चढ़ गया. जिसे पुलिस पकड़ कर तोपचांची थाना ले गई. राजा खान के मार्केट में स्थित एटीएम में तीन लड़के अंदर जा कर पैसे निकासी की जगह में ब्लैक टैप चिपका कर बाहर इंतजार कर रहा था तभी एक दुकानदार उसकी हरकत देख उससे पूछताछ करने लगा. इसी बीच भीड़ को देख उसके दो साथी भाग निकले, मगर एक युवक मोहम्मद बेलाल लोगों के हत्थे चढ़ गया.

आओ जानें

राज्यों में कितने कैदी हैं जेल में बंद

राज्य	क्षमता	बंदी	राज्य	क्षमता	बंदी
आंध्रप्रदेश	8761	7950	केरला	7920	7111
अरुणाचल प्रदेश	333	251	मध्यप्रदेश	29571	48513
असम	8938	10079	महाराष्ट्र	24772	36853
बिहार	47750	66879	मणिपुर	1272	611
छत्तीसगढ़	13500	20061	मेघालय	680	1089
गोवा	624	551	मिजोरम	1420	1116
गुजरात	13999	16597	नगालैंड	1450	500
हरियाणा	19999	24158	ओडिशा	20987	20804
हिमाचल प्रदेश	2417	2876	पंजाब	26556	26146
झारखंड	17501	21257	राजस्थान	22897	22938
छत्तीसगढ़	13500	20061	सिक्किम	260	434
कर्नाटक	15385	15473	तमिलनाडु	23592	18015
			तेलंगाना	7997	7316

पुलिस ने बेंगाबाद, गांडेय व मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में की छापेमारी

9 शातिर साइबर अपराधी गिरफ्तार, 17 मोबाइल जब्त

संवाददाता । गिरिडीह

प्रेसवार्ता में जानकारी देते गिरिडीह एसपी दीपक कुमार शर्मा, पीछे खड़े हैं पकड़े गए साइबर अपराधी

गिरिडीह जिले की पुलिस साइबर अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 9 शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. उनके पास से 17 मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं. पुलिस ने जिले के बेंगाबाद, गांडेय और मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में एक साथ छापेमारी कर यह सफलता हासिल की है. यह जानकारी गिरिडीह एसपी दीपक कुमार शर्मा ने मंगलवार को पपरवाटांड़ स्थित पुलिस मुख्यालय में प्रेसवार्ता में दी. एसपी ने बताया कि साइबर अपराधी अलग-अलग तरीके से लोगों को अपने जाल में फंसाकर ठगी करते थे. लोगों को फर्जी एयरटेल पेमेंट बैंक का लिंक भेजकर, डॉक्टर के पास नंबर लगाने के नाम पर, मित्रा समेत अन्य अलग-अलग एप के जरिए लोगों को झांसे में लेकर उनके बैंक खाते से राशि उड़ा लेते थे.

गिरफ्तार साइबर अपराधियों में गांडेय के जोकटियाबाद निवासी मुकेश कुमार तिवारी, बेंगाबाद के देवातांड़ निवासी टार्जन अंसारी, महबूब अंसारी, मो. साबिर, गांडेय के मंडरडीह निवासी ताज हुसैन, खुर्शीद अंसारी, अनीस अंसारी और मुफ्फसिल थाना क्षेत्र ने केलाटांड बिरनी निवासी विशाल मंडल और गोविंद कुमार मंडल शामिल है. एसपी ने बताया कि साइबर अपराधियों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा. प्रेसवार्ता में साइबर डीएसपी संदीप सुमन समदर्शी, एसडीपीओ अनिल कुमार सिंह, अजय कुमार, गौरव कुमार, साकेत प्रताप देव, प्रदीप कुमार महतो, संतोष कुमार मंडल, कुंदन सिंह, अर्जुन महतो आदि मौजूद थे.

चोरी की नौ बाइक के साथ दो गिरफ्तार

जमशेदपुर। जमशेदपुर की साकची पुलिस ने चोरी की नौ बाइक के साथ दो चोरों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों में परसुडीह लोको कॉलोनी निवासी विजय मुखी और कदमा भाटिया बस्ती निवासी सोनू करुआ शामिल हैं. पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर नौ बाइक बरामद किया है.

एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि 16 नवंबर को साकची थाना में एक बाइक चोरी की शिकायत की गई थी. प्राथमिकी दर्ज कर एक जांच टीम का गठन किया गया. अनुसंधान के क्रम में पहले विजय को गिरफ्तार किया गया. पूछताछ में सोनू का भी नाम सामने आया. इसके बाद पुलिस ने सोनू को गिरफ्तार किया.

शहर के पार्किंग में रखते थे चोरी की बाइक : एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि सभी बाइक शहर के मुख्य पार्किंग से बरामद की गई है. एक बाइक साकची टीओपी के पास से बरामद की गई है. सभी बाइक को ठिकाने लगाने को तैयारी कर रहे थे, लेकिन इससे पहले ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया. इसमें अन्य लोगों के भी शामिल होने की आशंका है. आरोपियों को रिमांड पर लेकर पुलिस पूछताछ करेगी.

बंधक रखते थे बाइक

एसएसपी ने बताया कि पूछताछ में यह जानकारी मिली है कि आरोपियों को चोरी की बाइक बेचने में काफी परेशानी होती थी. वहीं चोरी की बाइक बेचने में पैसे भी कम मिलते थे. इसलिए इन्होंने बाइक को बंधक रखने की योजना बनाई. बाइक चोरी करने के बाद दोनों ऐसे व्यक्ति की तलाश में लग जाते थे जिसके पास सेम मॉडल की बाइक होती थी. साठ–गांठ कर बाइक के कागजात का इस्तेमाल कर बाइक को बंधक रखते थे. इसके पूर्व भी दोनों ने लगभग आधा दर्जन बाइक को बंधक रखा है. एसएसपी ने बताया कि विजय पूर्व में भी जेल जा चुका है. फिलहाल सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है.

बड़े वाहन के धक्के से स्कूटी सवार महिला की मौत, पति घायल, भर्ती

संवाददाता । आदित्यपुर

खास बातें

- घायल को इलाज के लिए टीएमएच में भर्ती किया गया
- धक्का मारने वाली गाड़ी फौजी की है

आदित्यपुर टाटा-कांड्रा मुख्य मार्ग पर केंदु गाछ के समीप दोपहर करीब 12 बजे एक सड़क दुर्घटना में सनराइज एनक्लेव निवासी स्कूटी सवार तिर्की दंपती गंभीर रूप से घायल हो गए. इसमें महिला की मौत हो गई है. उनके पति शरण तिर्की गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. उन्हें इलाज के लिए टीएमएच ले जाया गया है. जानकारी के अनुसार वाहन ने स्कूटी सवार दंपती को धक्का मारकर घायल कर दिया. धक्का मारने वाली गाड़ी किसी फौजी की है. सूचना मिलते ही आदित्यपुर थाना प्रभारी राजन कुमार और गम्हरिया थाना प्रभारी आलोक कुमार दुबे के साथ ट्रैफिक इंस्पेक्टर राजेश सिंह मौके पर पहुंचे और घायलों को रेस्क्यू कर टीएमएच भिजवाया. वहीं, मृत महिला के शव को भी मौके से हटा लिया गया है. घटना की सूचना पाकर भाजपा नेता रमेश हांसदा ने ट्रैफिक पुलिस और जिला प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जिले में हो रहे आए दिन सड़क दुर्घटनाओं से जिला प्रशासन की पोल खुल गई है. उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग और ट्रैफिक पुलिस सड़क हादसों को लेकर गंभीर नहीं है, जिस वजह से आए दिन सरायकेला जिले की सड़कों पर हादसे हो रहे हैं. वहीं घटना के बाद लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है.

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत

तिसरी (गिरिडीह)। तिसरी थाना क्षेत्र अंतर्गत तिसरी खिजुरी मुख्य मार्ग पर थंभाचक्क में सोमवार देर रात सड़क हादसा हो गया. इस हादसे में एक बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गयी. मृतक की पहचान गांवा थाना क्षेत्र के अमझर निवासी नरेश हेमब्रम (26 वर्षीय) के रूप में हुई है. मौके पर पटलावती सेवा सदन के डायरेक्टर प्रमोद कुमार सहित कई स्थानीय लोग घटनास्थल पर जुट गये और तिसरी पुलिस को घटना की जानकारी दी. सूचना पाकर पुलिस इंस्पेक्टर बिरेंद्र टोप्पो, थाना प्रभारी प्रदीप कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर शव और बाइक को थाना ले आयी. मंगलवार की सुबह शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गिरिडीह भेज दिया. नरेश हेमब्रम के परिजन भी जानकारी के बाद घटना स्थल पर पहुंचे. परिजनों ने बताया कि नरेश हेमब्रम गांवा के अमझर में रहता था.

गला दबा कर युवक की हत्या प्रेस-प्रसंग में हत्या की आशंका

संवाददाता। लातेहार

सोमवार की रात्रि जिले के बरवाडीह थाना क्षेत्र में आदिम जनजाति समुदाय के एक युवक की हत्या गला दबा कर दी गयी. घटना थाना क्षेत्र के मंगरा पंचायत के अमडीहा ग्राम के ढेकीखूंटी टोली की है. घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में ले कर सदर अस्पताल लातेहार में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. जानकारी के अनुसार गुजर परहिया का 18 वर्षीय युवक अजीत परहिया अपने एक बहन के घर से खाना खा कर अपने घर में अकेला सोया हुआ था. मंगलवार की सुबह जब वह देर तक नहीं उठा तो लोगों ने उसके घर में जा कर देखा. घर का दरवाजा खुला था और वहां अजीत का शव पड़ा हुआ है. अज्ञात लोगों ने उसके घर में घुस कर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी थी. शव के आंख एवं सिर में चोट का निशान पाया गया है. इसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना मुखिया विपिन बिहारी सिंह को दी.

मारपीट में सेवानिवृत्त रेल कर्मी समेत तीन घायल

गोमो (धनबाद)। गोमो के हरिहरपुर थाना क्षेत्र के सिकलाइन मोहल्ले में मंगलवार की सुबह पुराने विवाद में दो परिवारों के बीच जमकर मारपीट हुई. घटना में तीन लोग घायल हो गए हैं. सेवानिवृत्त रेलकर्मी प्रताप तामंग गंभीर रूप से घायल हैं. वहीं, दूसरे पक्ष के भुवनेश्वर मंडल का पुत्र सुनील मंडल को भी चोट लगी है. पुलिस ने सभी घायलों को तोपचांची सीएचसी में प्राथमिक उपचार कराने के बाद बेहतर इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच, धनबाद भेज दिया. मिली जानकारी अनुसार, गोमो के सिकलाइन मोहल्ला निवासी सेवानिवृत्त रेलकर्मी प्रताप तमांग सुबह करीब दस बजे गली से गुजर रहे थे. इसी बीच उनकी भुवनेश्वर मंडल के साथ तू-तू, मैं-मैं के बाद मारपीट होने लगी.

प्रेम-प्रसंग से नाराज पिता ने बेटी को मारी गोली, मौत

संवाददाता। गढ़वा

रंका थाना क्षेत्र के दुधवल पंचायत के नगारी गांव में प्रेम प्रसंग से नाराज संजय कुमार सिंह ने अपनी बेटी पुष्पा कुमारी सिंह (15 वर्ष) को गोली मार दी. बेटी की मौके पर ही मौत हो गई. घटना के संबंध में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि संजय सिंह की लड़की का बगल के अन्य संप्रदाय के लड़का से प्रेम प्रसंग चल रहा था. माता-पिता को यह नागवार गुजरा. गुस्से में पिता संजय कुमार सिंह ने देसी बंदूक से बेटी की गोली मारकर हत्या कर दी. यह खबर इलाके में आग की तरह फैल गई. सूचना मिलते ही रंका पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा सदर अस्पताल भेज दिया.

हत्यारा पिता गिरफ्तार : इस बाबत रंका अनुमंडल पुलिस संतोष कुमार ने बताया कि रंका के दुधवल पंचायत अंतर्गत नगारी गांव की यह घटना है. सोमवार सुबह संजय सिंह ने अपनी लड़की को देसी बंदूक से गोली मार दी थी. लड़की की मौके पर ही मौत हो गई. रंका थाना पुलिस ने आरोपी के घर से देसी बंदूक बरामद किया है. वहीं पिता संजय कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है. इस बाबत रंका अनुमंडल पुलिस संतोष कुमार ने बताया कि रंका के दुधवल पंचायत अंतर्गत नगारी गांव की यह घटना है. सोमवार की सुबह संजय सिंह ने लड़की को बंदूक से गोली मार दी थी.

जगन्नाथ मंदिर में चोरी जांच में जुटी पुलिस

रांची। धुर्वा थाना क्षेत्र स्थित झारखंड के प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है. मंदिर परिसर में स्थित पुजारी के कमरे को अज्ञात चोरों को निशाना बनाया है. जगन्नाथपुर मंदिर परिसर के भीतर ही पुजारी का कमरा बना हुआ है. सोमवार की देर रात मंदिर परिसर स्थित पुजारी के कमरे से 20 हजार रुपए नगद, कई पेन ड्राइव, मंदिर के सजावट के समान और साउंड सिस्टम को गायब कर दिया. मंदिर में चोरी की वारदात के बाद मामले की जानकारी धुर्वा पुलिस को दी गई. पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान कर रही है. अज्ञात चोरों ने पुजारी के कमरे में प्रवेश करने के लिए खिड़की को रास्ता बनाया था. पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है.

धनबाद : कोयले की अवैध माइनिंग का भंडाफोड़

अवैध कोयला लदे 4 ट्रैक्टर जब्त

संवाददाता। सिंदरी

प्रशासन ने गोशाला ओपी क्षेत्र में सेल टासरा प्रोजेक्ट से सटी टासरा बस्ती के समीप दो जगहों पर कोयले की अवैध माइनिंग का भंडाफोड़ किया है. यह जमीन सेल चासनाला की है. धनबाद के डीसी वरूण रंजन के निर्देश पर झरिया अंचलाधिकारी ने छापेमारी कर माइनिंग के पास से अवैध कोयला लदे चार ट्रैक्टर जब्त कर पुलिस को सौंप दिया. इस धंधे में कई सफेदपोश भी लिप्त हैं. पावरमैक और पीसी पटेल ग्रुप का संयुक्त उपक्रम कल्याणेश्वरी टासरा माइनिंग कंपनी द्वारा पिछले गुरुवार को सेल टासरा प्रोजेक्ट में भूमि पूजन के कुछ दिनों बाद अवैध कोयला माइनिंग की जानकारी सेल प्रबंधन को प्राप्त हुई थी. स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रबंधन और स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत से इस कार्य को अंजाम दिया जा रहा था. इधर, सेल टासरा प्रोजेक्ट के सहायक महाप्रबंधक राजेंद्र प्रसाद का कहना है कि सेल टासरा की जमीन पर अवैध कोयला उत्खनन की शिकायत धनबाद डीसी से की गई थी, जिस पर संज्ञान लेते हुए झरिया अंचलाधिकारी ने निरीक्षण किया भी किया था. लेकिन उन्होंने अपने आवेदन में किसी कोयला तस्कर का जिक्र नहीं किया है. झरिया सीओ राम सुमन प्रसाद ने बताया कि टासरा में छापेमारी कर चार ट्रैक्टर अवैध कोयला जब्त किया गया है.

पावरमैक और पीसी पटेल ग्रुप का संयुक्त उपक्रम कल्याणेश्वरी टासरा माइनिंग कंपनी द्वारा पिछले गुरुवार को सेल टासरा प्रोजेक्ट में भूमि पूजन के कुछ दिनों बाद अवैध कोयला माइनिंग की जानकारी सेल प्रबंधन को प्राप्त हुई थी. स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रबंधन की मिलीभगत से इस कार्य को अंजाम दिया जा रहा था.

दु:साहस पीड़ित पशुपालन विभाग में पशुधन सहायक के पद पर कार्यरत हैं

घर से डेढ़ लाख कैश और लाखों के गहने ले उड़े चोर

संवाददाता। जमशेदपुर

गोविंदपुर थाना अंतर्गत छोटा गोविंदपुर साई मंदिर के पास 92/2/2 में रहने वाली और पशुपालन विभाग में पशुधन सहायक के पद पर कार्यरत रामा सिन्हा के घर से चोरों ने नकद डेढ़ लाख रुपए और लाखों के आभूषणों की चोरी कर ली. चोर छत का ग्रिल काट कर भीतर घुसे और आसानी से घटना को अंजाम देकर फरार हो गए. मंगलवार की सुबह नींद खुलने पर इसकी सूचना परिवार के सदस्यों ने पुलिस को दी. इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन कर आगे की कार्रवाई कर रही है. जानकारी मिलने पर जिप सदस्य परितोष सिंह भी मौके पर पहुंचे और परिवार वालों से बात की.

बेहोशी की स्प्रे का हुआ इस्तेमाल

रामा सिन्हा ने बताया कि उनके तीन बेटे है. दो बेटा अभिषेक कुमार, अमन आकाश उनके साथ रहते हैं, जबकि एक पुत्र अमित कुमार एग्रिको में रहता है. सोमवार रात एक बजे तक सभी जागे हुए थे, इसके बाद सभी सो गए. अगले दिन मंगलवार सुबह 6 से 6.30 के बजे के बीच सभी की नींद खुली तो घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी टूटी हुई थी. अमूमन परिवार के सभी सदस्य रोजाना सुबह 4 से 5 बजे के बीच उठ जाते हैं, लेकिन मंगलवार को सभी की नींद काफी देर से खुली. सभी सदस्यों के सिर में दर्द था, इसलिए अंदाजा लगाया जा रहा है कि चोरों ने चोरी करने से पहले बेहोशी के स्प्रे इस्तेमाल किया है. उन्होंने बताया कि उनकी शादी के समय के गहने जिनकी कीमत 10 से 15 लाख के आसपास है और गांव में जमीन बेच कर रखे एक से डेढ़ लाख रुपए नकद की चोरी हुई है.

कुर्सी लगाकर किया निगरानी

चोर घर की छत का ग्रिल काटकर घर में घुसे. ग्रिल को तोड़ने में किसी लोहे के रॉड का इस्तेमाल हुआ है. चोरों ने सबसे पहले छत में बने कमरे का ताला तोड़ कर उसमें रखे कंटेनर की तलाशी ली. उसमें कुछ नहीं मिलने पर नीचे के कमरे में पहुंचे और कमरे में रखे दो अलमीरा का ताला तोड़ कर गहने और नकद की चोरी कर ली. जाते–जाते चोरों ने घर के मेन गेट की कुंडी भी बाहर से लगा दी थी. आसपास कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं होने का फायदा भी चोरों को मिला. छत पर एक कुर्सी लगाकर चोर निगरानी कर रहे थे. शहर में लगातार चोरी की घटना होने से लोगों में आक्रोश है.

कमल भूषण हत्याकांड

सीआईडी ने छोटू समेत दो को दूसरे जेल शिफ्ट करने को कहा

सौरभ सिंह। रांची

कमल भूषण हत्याकांड के आरोपी छोटू कुजुर समेत दो अपराधियों को सीआईडी ने रांची जेल से दूसरे जेल में शिफ्ट करने को कहा है. इसको लेकर सीआईडी ने जेल आईजी को पत्र लिखा है. गौरतलब है कि कमल भूषण के बेटे पवन कुमार आर्या ने सीआईडी को आवेदन देकर छोटू कुजूर और सुशीला कुजूर को रांची जेल से दूसरे जेल में शिफ्ट करने का अनुरोध किया था. उसने सीआईडी को कहा था कि दोनों जेल में रहकर उनकी हत्या की साजिश रच रहे हैं.

सीआईडी ने जेल आईजी को लिखा पत्र : कमल के बेटे का आवेदन मिलने के बाद सीआईडी की टीम ने आवेदक के मधुकम स्थित आवास में जाकर एवं आस-पास के लोगों से पूछताछ व छानबीन की. आवेदक के घर पर वर्तमान में निजी सुरक्षा गार्ड और सरकारी सुरक्षा गार्ड हैं. आवेदक को बाहर कहीं जाना होता है तो सुखदेवनगर थाना को सूचित कर जाते हैं. आवेदक ने जांचकर्ता को बताया कि स्थानीय थाना और वरीय पुलिस पदाधिकारियों से इन्हें सुरक्षा के दृष्टिकोण से सहयोग प्राप्त हो रहा है. छोटू कुजूर और सुशीला कुजूर के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार में बंद रहने से कमल भूषण के बेटे काफी डरे सहमे हुए हैं. जिसके बाद सीआईडी ने जेल आईजी को पत्र लिखकर दोनों अपराधियों को दूसरे जेल में शिफ्ट करने को कहा है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष चंद्रमा राहु बारहवें भाव में है. किसी नए कार्य पर खर्च अधिक होगा. और कार्य क्षेत्र में किये गए प्रयासों में सफलता प्राप्त होगी. अपनी योग्यता में वृद्धि करें, कार्य के प्रति उत्साह बना रहेगा. किये गये कार्य का लाभ मिलेगा.

वृषभ शेयर बाज़ार से लाभ का योग है. आय होगी. आपको मेहनत का फल अवश्य मिलेगा, दिन सामान्य रहेगा. अपने जीवन को सुखमय बनाने का प्रयास करेंगे. यात्रा के दौरान कोई नई वस्तु की प्राप्ति होगी. अन्न और जल का दान करें.

मिथुन पिता और सत्कर्म के सहयोग से कर्म का लाभ मिलेगा, पर शरीर में आलस्य की प्रधानता बनी रहेगी. शिक्षा के क्षेत्र में पूर्णतः मन नहीं लग पाएगा. स्वास्थ्य में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं.

कर्क किसी धार्मिक यात्रा का प्रबल योग है. भाग्य और धर्म से आय बढ़ेगी. परिवार में आपका या किसी और का स्वास्थ्य खराब होने की संभावना है. क्रोध पर नियंत्रण रखे. किसी से बिना वजह के तकरार से बचना चाहिए. जल का दान करें.

सिंह कोई बड़ा नुकसान होगा. परिवार का सुख भी उत्तम स्तर का प्राप्त होगा. स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें. गलत संगति की ओर मन आकर्षित हो सकता है. किसी से बिना वजह लड़ाई हो सकती है. मीठा वस्तु का दान करें.

कन्या जीवनसाथी का सुख मिलेगा. पढ़ाई-लिखाई में मन लगेगा.वाहन का प्रयोग करते समय सावधानी बरतें. आज मिथ्या आरोप लग सकते हैं. धन से संबंधित दिक्कतें आ सकती हैं. मंदिर में जल और अन्न का दान करें.

तुला मौसमी बीमारियों से बचें. कोई पुराना रोग परेशान कर सकता है. खान-पान पर ध्यान दें. शत्रु से बचें. अपनी इच्छा अनुसार कार्य करेंगे. घर में किसी बात को लेकर तनाव बना रहेगा. गुस्से पर काबू नहीं रहेगा. अकारण क्रोध से बचें.

वृश्चिक शिक्षा में कोई नयी जिमेवारी मिल सकती है. माता की सहायता से लाभदायक फलों की प्राप्ति होगी. पढ़ाई-लिखाई में पूरी तरह से मन नहीं लग पाएगा. स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है. पक्षी को जल और अन्न दे.

धनु किसी से बिना वजह की लड़ाई हो सकती है. जबान पर नियंत्रण आवश्यक है. मेहनत और समझदारी से जीवन सुखमय बनेगा. बड़ों का आदर करने में आगे रहेंगे. परिवार का सुख मिलेगा. गृहस्थ सुख में मधुरता बनी रहेगी.

मकर भाई बहन का सहयोग मिलेगा. पराक्रम में वृद्धि होगा. कोई बड़ा कार्य होने से मन खुश होगा. पारिवारिक सुख मिलेगा. मन में नया उत्साह और जोश देखने को मिलेगा. कामकाज ठीक-ठाक रहेगा. मिठाई का दान बच्चों को करें.

कुंभ कल मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है. वाणी का प्रभाव दूसरों पर अच्छा बना रहेगा. मन में एक नया उत्साह और जोश दिखाई देगा. धन का संचय होगा. कोई बड़ा कार्य करने का मन होगा. शनि को दीपक दान करें.

मीन समय बहुत ही उत्तम है. मानसिक और शारारिक सुख मिलेगा. परीक्षा-प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करेंगे. परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है. धन खर्च होगा. यात्रा करते समय सावधानी बरतें. मिठाई का दान करें.

श्रद्धालुओं ने की आंवला वृक्ष की पूजा-अर्चना

रांची। कार्तिक शुक्ल पक्ष नवमी मंगलवार को श्रद्धालुओं ने आंवला नवमी पूजन कर अक्षय फल कि कामना की. गोशाला परिसर, हरमू रोड में तो इसका खास आयोजन किया ही गया. शहर के विभिन्न स्थानों और घरों पर भी भक्तों ने आंवला वृक्ष की पूजा-अर्चना कर भगवान श्रीविष्णु और माता लक्ष्मी के श्रीचरणों में आस्था के फूल चढ़ाये. माना जाता है कि आंवला वृक्ष में श्रीविष्णु का वास होता है. इस दिन नेम-निष्ठा से वृक्ष की पूजा-अर्चना करने वाले का पाप मिट जाता है. जीवन में धन-धान्य और सुख-समृद्धि बनी रहती है. स्वास्थ्य उत्तम रहता है. इसी भाव से हर साल बड़ी संख्या में श्रद्धालु आंवला नवमी पूजन करते हैं.

टाटा टी लीफ ने उत्सव पैक किया लांच

रांची। बिहार और झारखंड की जीवंत संस्कृति के प्रति श्रद्धा प्रकट करते हुए, प्रमुख चाय ब्रांडों में से एक, टाटा टी अग्नि लीफ ने विशेष उत्सव पैक और उत्सव का जश्न मनाने वाला एक विशेष संगीत वीडियो लांच किया है. यह कलेक्शन प्रत्येक दिन के विशिष्ट अनुष्ठानों और भावनाओं को दर्शाता है. त्योहार के प्रत्येक दिन को बिहार की प्रतिष्ठित मधुबनी कला के विभिन्न शैलियों में दर्शाया गया है. इस शैली से त्योहार के पहले दिन 'नहाय खाय' को दर्शाया गया है. दूसरा पैक 'खरना' को चित्रित करता है, जिसे मधुबनी की कचनी स्टाइल में बनाया गया है. तीसरा पैक, 'संध्या अर्घ्य' को समर्पित है, जो मधुबनी की कोहबर स्टाइल में दर्शाता है संध्या के समय तटों पर एकत्रित होकर सूर्य अर्घ्य देने वाले व्रतियों को चौथा पैक, जिसे मधुबनी की भरनी शैली में तैयार किया गया है, त्योहार के अंतिम दिन 'उषा अर्घ्य' को चित्रित करता है, जहां भक्त अपने व्रत का समापन करते हैं.

प्रकाश पर्व : राजधानी में कई स्थानों से श्रद्धापूर्वक निकाली गयी प्रभातफेरी

शबद गायन से संगत ने किया निहाल

संवाददाता। रांची

श्रीगुरुनानक देव जी के 554वें प्रकाश पर्व पर मंगलवार को भी शहर के विभिन्न गुरुद्वारा साहिब से प्रभातफेरी निकाली गयी. इसमें बड़ी संख्या में सिख धर्मावलंबियों ने हिस्सा लिया. ढोल-मंजीरे के साथ कीर्तन गायन कर सदगुरु के श्रीचरणों में श्रद्धा का पुष्प चढ़ाया. प्रभात बेला धन गुरु नानक धन गुरु नानक ... जैसे सुमधुर स्वरलहरियों से गुंजायमान रहा.

गुरुद्वारा श्रीगुरु नानक सत्संग सभा की प्रभातफेरी का मंगलवार को भी जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया. फेरी जिधर से गुजरती श्रद्धालु पुष्प बरसा कर सभी का स्वागत करते. सुबह सवा पांच बजे फेरी गुरुद्वारा साहिब, कृष्णा नगर कॉलोनी रातू रोड से निकली. इसमें शामिल श्रद्धालु श्रद्धालु देवकी नंदन दुआ, रमेश पपनेजा, भगवान सिंह बेदी, सरदार त्रिलोचन सिंह, शालु, दीपक, सरदार हरभजन सिंह की गलियों से होते हुए सुख संध्या अपार्टमेंट में मनीष मल्होत्रा, महेंद्र अरोड़ा के फ्लैट पहुंचे. जहां कीर्तन गायन किया गया. यहां के बाद यात्रा में शामिल संगत अशोक मिढ्ढा,मनोहर मुंजाल,जीतू काठपाल की गली होते हुए वापस हजूरी गुरुद्वारा साहिब पहुंचे. जहां प्रभातफेरी के समापन की घोषणा की गयी. यात्रा के दौरान सरदार छोटू सिंह ने निशान साहिब उठा कर फेरी की अगुवाई की और मनीष मिढ्ढा ने श्रद्धालुओं के घरों के सामने अरदास कर दुआ मांगी.

स्त्री सत्संग सभा ने बहायी भक्ति धारा : प्रभातफेरी के दौरान स्त्री सत्संग सभा की ओर से घंटों भक्ति की धारा बहायी गयी. गीता कटारिया, बबली दुआ, शीतल मुंजाल, मंजीत कौर, रेशमा गिरधर,नीता मिढ़ा, इंदु पपनेजा, बबिता पपनेजा और पाली मुंजाल ने एक से बढ़ कर एक शबद प्रस्तुत किये. जिसके सिर ऊपर तू स्वामी सो दुःख कैसा पावै ... और गुर नानक की वडिआई ... जैसे कीर्तन पर श्रद्धालु झूमते रहे.

फेरी में थे शामिल : अर्जुन दास मिढ्ढा,अशोक गेरा,हरगोबिंद सिंह,मोहन काठपाल,अनूप गिरधर,विनोद सुखीजा,जीवन मिढ्ढा,महेंद्र अरोड़ा,राकेश गिरधर,रमेश तेहरी,रमेश गिरधर,नवीन मिढ्ढा,मनीष गिरधर,कमल अरोड़ा,मनीष मल्होत्रा,राजेन्द्र मक्कड़,रमेश पपनेजा,हरीश तेहरी,भरत गाबा,अश्विनी सुखीजा,हरीश मिढ्ढा, जीतू काठपाल,हरविंदर सिंह, प्रकाश गिरधर, गौरव मिढ्ढा, अमन डावरा, पियूष मिढ्ढा, उमेश मुंजाल, कमल मुंजाल,मनीष गिरधर, अमन सचदेवा, ज्ञान मादन पोत्रा, प्रवीण मुंजाल, ज्ञान दुआ, चंदन गिरधर, मोहित मुंजाल, बंसी मल्होत्रा, बिमला मिढ्ढा, मीना गिरधर, ममता थरेजा, श्वेता मुंजाल, अमर मुंजाल, कमलेश मुंजाल, गोविंद कौर, भजना देवी डावरा, देवकी मुंजाल, दुर्गी मिढ्ढा,हरपाल कौर मिढ्ढा, उषा झंडई, नेहा मुंजाल,अंजना गिरधर, पलक अरोड़ा, पलक थरेजा, अमन कौर, कंचन मिढ़ा, हरदेवी गिरधर, उर्मिला खत्री, बलबीर मिढ्ढा, हर्षा मिढ्ढा, प्रेमी काठपाल, शीतल अरोड़ा,हरनाम थरेजा, ममता थरेजा, सुषमा गिरधर, नीतू किंगर, स्वीटी सिडाना, जूली गाबा, इशिका काठपाल, रजनी तेहरी, ममता सरदाना, गुड़िया मिढ्ढा, गूंज काठपाल, पुष्पा पपनेजा, रजनी मक्कड़, अंजू काठपाल आदि फेरी में मुख्य रूप से शामिल थे.

पिस्का मोड गुरुद्वारा तक आज जाएगी प्रभातफेरी

गुरुद्वारा साहिब कृष्णा नगर कॉलोनी, रातू राड़ की प्रभातफेरी बुधवार की सुबह गुरुद्वारा श्रीगुरु सिंह सभा,पिस्का मोड़ जाएगी. मंगलवार को कॉलोनी में फेरी का अंतिम दिन था. मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि 23 नवंबर को मेन रोड स्थित गुरुद्वारा श्रीगुरु सिंह सभा जाएगी और उसी दिन शहर की तमाम प्रभातफेरियों का समापन हो जाएगा.

स्टेशन रोड की प्रभातफेरी

स्टेशन रोड की प्रभातफेरी बंसल प्लाजा स्थित हरमीत सिंह खुराना के घर से शुरू हुई. संगत कीर्तन गायन करते हुए सिरसा ग्राउंड बलबीर कौर के घर से हो कर चुटिया पहुंची. रास्ते भर धर्मावलंबी कीर्तन गायन कर सतदगुरु की अमृतवाणी की धारा बहाते रहे.

पीपी कंपाउंड की प्रभातफेरी

पीपी कंपाउंड की प्रभातफेरी नाला रोड जसकरण सिंह देओल के घर से शुरू होकर मंजीत स्टोर पीपी कंपाउंड पहुंची. इसके बाद फेरी में शामिल सिख धर्मावलंबी बसों से चुटिया पहुंचे. यहां राजेन्द्र सिंह के आवास पर कीर्तन गायन किया गया. फिर सभी बहुबाजार निवासी मोहित चोपड़ा, वर्फ फैकरी, सुखपाल सिंह अहलूवालिया, उपकार क्लब, गुरजीत सिंह भटिआ, अजीत सिंह जग्गी और अवतार सिंह भोगल के घरों से होकर गुरुद्वारा स्टेशन रोड पहुंचे. यहां अरदास के साथ फेरी का समापन हुआ.

एक से बढ़कर एक शबद गायन

मेन रोड गुरुद्वारा साहिब से मंगलवार सुबह साढ़े चार बजे ढोल-बाजे और निशान साहिब के साथ प्रभातफेरी निकली गयी. इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया. शबद गायन करते हुए धर्मावलंबी पहले लालपुर निवासी स्व. चराजीव चड्ढा, मुरजीत सिंह परख के घर पहुंचे. यहां कीर्तन गायन करने के बाद सभी थड़पखना के बलबीर सिंह होड़ा, मंजीत कौर छाबड़ा, गुर्रजंट सिंह के घरों से होकर वापस हजूरी गुरुद्वारा साहिब लौटे. यहां अरदास के साथ फेरी का समापन हुआ. यात्रा के दौरान संगत ने एक से बढ़ कर एक शबद गायन कर सब को निहाल किया.

प्रकाश पर्व पर निकाली जा रही प्रभातफेरियों का कल होगा समापन

श्रीगुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व पर शहर के विभिन्न गुरुद्वारा साहिब से निकल रही प्रभातफेरियों का समापन गुरुवार को होगा. अंतिम दिन सुबह पांच बजे सभी गुरुद्वारा साहिब से प्रभातफेरी निकाली जाएगी. जिसमें बड़ी संख्या में सिख धर्मावलंबी हिस्सा लेंगे. कीर्तन गायन करते हुए मेन रोड गुरुद्वारा साहिब पहुंचेंगे. रास्ते में जगह-जगह फेरी में शामिल संगत का स्वागत किया जाएगा.

रामकृष्ण मिशन में हुई जगद्धात्री पूजा

संवाददाता।रांची

रामकृष्ण मिशन टीबी सेनेटोरियम, तुपुदाना में मंगलवार को मां जगद्धात्री कि पूजा-अर्चना श्रद्धाभाव से की गयी. रामकृष्ण मिशन विद्यापीठ देवघर के पुजारी स्वामी प्राणकृष्णानंद महाराज और पश्चिम बंगाल,बेलूर मठ से आये वीतकामानंद जी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच तीन चरणों में पूजन संपन्न कराया. प्रथम कल्प की पूजा सुबह 6:10 बजे चंडी पाठ से शुरू हुई. 9:40 बजे मां को पुष्पांजलि अर्पित की गयी. इसके बाद दूसरे कल्प की पूजा 10:30 बजे पुनः चंडी पाठ से शुरू हुई. पुष्पांजलि 1:00 बजे हुई. फिर प्रसाद वितरण किया गया. तृतीय कल्प की पूजा की शुरुआत दिन के 1:22 बजे चंडी पाठ से हुई. अपराह्न 3:50 बजे पुष्पांजलि अर्पित कर संन्यासी और श्रद्धालुओं ने मंगल कामनाएं की. शाम चार बजे हवन आदि अनुष्ठान हुए. शाम सात बजे संध्या आरती के बाद भजनों का कार्यक्रम शुरू हुआ, जो देर शाम तक चला. पूजा के दौरान तुपुदाना,सतरंजी और मुरुंगटोली के स्थानीय कलाकारों ने मां की आराधना में पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ नृत्य प्रस्तुत कर सब का मन मोहा. सेनेटोरियम के सचिव स्वामी सत्संगानंद जी महाराज, सभी महाराज,स्टाफ के साथ तुपुदानाऔर डूंगरी गांव के लोगों की इसमें मुख्य भागीदारी रही.

बड़ी संख्या में भक्तों ने पाया प्रसाद : मां जगद्धात्री पूजन के मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद पाया. दूसरे कल्प की पूजा और पुष्पांजलि के बाद सभी के बीच खिचड़ी भोग बांटा गया. प्रसाद पाने को लंबी कतार लग गयी. शाम पांच बजे तक प्रसाद का वितरण किया गया. लगभग 25 हजार से ज्यादा लोगों को मां का प्रसाद दिया गया.

मां की प्रतिमा का विसर्जन आज : रामकृष्ण मिशन टीबी सेनेटोरियम, टुपुदाना में विराजमान मां जगद्धात्री की प्रतिमा का विसर्जन बुधवार को किया जाएगा. सुबह 5:40 बजे मां की मंगल आरती उतारी जाएगी. इसके बाद साढ़े छह बजे से पूजा शुरू होगी. सवा आठ बजे मां का दर्पण विसर्जन किया जाएगा. इसके बाद सुबह 8:40 बजे भजन का कार्यक्रम चलेगा.

माही ने प्रतियोगिता के विजेता को किया पुरस्कृत

रांची। मौलाना आजाद ह्यूमेन इनिशिएटिव माही की ओर से मौलाना आजाद की जयंती के मौके पर शैक्षिक और सांस्कृतिक मेला का आयोजन गत दिनों हज हाउस में किया गया था. जिसमें 30 स्कूलों के 550 प्रतिभागी शामिल हुए. जिसमें पेंटिंग, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कला प्रदर्शनी, विज्ञान प्रदर्शनी, फैंसी ड्रेस आदि प्रतियोगिता हुई थी. माही की ओर से मंगलवार को चयनित स्कूल व बच्चों को पुरस्कृत किया गया. जिसमें ड्रीमलैंड पब्लिक स्कूल, हिंदपीढ़ी के स्कूल प्रबंधन स्कूल की निदेशक नाजिया तबस्सुम को स्कूल पार्टिसिपेशन अवार्ड व मेले से संबंधित मेमोरी फोटो प्रदान किये गये. बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी प्रमाण पत्र व मेडल से पुरस्कृत हुए.

आओ जानें

केदली कलां का गुरुद्वारा

परिचय	गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा केदली कलां पूर्वी भारत के सबसे पुराने गुरुद्वारों में से एक है.
स्थान	हंटरगंज प्रखंड के केदली कलां गांव में अवस्थित है यह ऐतिहासिक गुरुद्वारा.
स्थापना	18वीं सदी.
वास्तु शैली	सिख वास्तुकला
विशेषता	इस गुरुद्वारे में 200 साल पुराना हस्तलिखित गुरुग्रंथ साहिब है.
इतिहास	जब गुरु नानक देव अपनी पहली उदासी पर थे तो उन्होंने भारत के पूर्व की ओर यात्रा की और बिहार से होकर गुजरे. वह केदली चट्टी (कलां) के तट पर आकर रुके और उन्होंने स्थानीय आबादी को सिख धर्म के बारे में पढ़ाया, जिससे बहुत सारे स्थानीय लोग आकर्षित हुए. गुरु तेग बहादुर ने भी वाराणसी से गया और पटना की यात्रा के दौरान इस स्थान का दौरा किया था. यहां कुछ नानकपंथी हिंदू रहते थे, लेकिन बाद में, पूर्वी उत्तर प्रदेश से कुछ परिवर्तित अग्रहरि सिख लकड़ी के व्यवसाय के लिए यहां आते थे और अंततः गुरुजी के उदासी दौरे से संबंधित स्थान जानने के बाद यहीं बस गए. उन्होंने हंटरगंज के डुमरी इलाके में एक गुरुद्वारा भी बनवाया.

1100 श्रद्धालुओं ने लिया अन्नपूर्णा भंडारे का प्रसाद

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के तत्वावधान में मंगलवार को 120 वें अन्नपूर्णा भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें 1100 से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया. यह आयोजन छठ महापर्व, गोपाष्टमी एवं आंवला नवमी के उपलक्ष्य में पुंदाग स्थित निर्माणाधीन श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर के प्रांगण में हुआ. संस्था के संस्थापक स्वामी सदानंद महाराज के समाज सेवा के स्वर्णिम 51 वर्ष पूरे होने के अवसर पर इस प्रकार के कई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं. संस्था के उपाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, नन्द किशोर चौधरी तथा ज्ञान प्रकाश शर्मा भंडारे का उद्घाटन कर वितरण कार्य शुरू किया. इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, ओमप्रकाश सरावगी, विशाल जालान, पूर्णमल सर्राफ, बिष्णु सोनी, सुरेश अग्रवाल, नन्द किशोर चौधरी, ज्ञान प्रकाश शर्मा आदि उपस्थित थे.

दिल्ली में झारखंड के खादी क्राफ्ट की धूम

रांची। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में लगे इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में झारखंड के खादी कपड़ों और क्राफ्ट्स की धूम मची हुई है. झारखंड पवेलियन में राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की तरफ से लगाए गए स्टॉल पर लोगों की काफी भीड़ उमड़ रही है. बोर्ड के सीईओ राखाल चंद्र बेसरा ने पवेलियन के हॉल का मुआयना किया. बताया कि इस बार पवेलियन में खादी सिल्क, खादी कॉटन, ऊनी जैकेट, सिल्क जैकेट, सिल्क शॉल, सूती डिज़ाइनर शर्ट्स, ज्यूलरी डोगरा क्राफ्ट, हर्बल उत्पाद, हर्बल शैम्पू आदि उत्पाद पेश किये गए हैं. कहा कि हमारे उत्पादों की कीमत 150 रुपए से लेकर 2000 रुपए तक रखी गई है. इस से यहां आने वाले तमाम दर्शक आसानी से इन उत्पादों को खरीद रहे हैं. युवाओं और बड़ों को खादी जैकेट्स काफी पसंद आ रही हैं. बोर्ड ने विशेष रूप से खादी वस्त्रों पर 20 प्रतिशत और खादी रेडीमेड गारमेंट पर 25 प्रतिशत की छूट रखी है.

धूमधाम से मना श्रीराणी सती दादी का जन्मोत्सव

रांची। आंवला नवमी पर भक्तों ने मंगलवार की शाम धूमधाम से श्रीराणी सती दादी का जन्मोत्सव मनाया. शाम साढ़े सात बजे कार्यक्रम की शुरुआत पूजा-अर्चना से हुई. इसके बाद भक्ति गीतों का कार्यक्रम शुरू हुआ, जो देर रात तक चला. मंदिर कमेटी की ओर से नवमी कीर्तन मंडल के भजन गायकों ने ओ पालन हारी ओ मइया प्यारी .. और बाई नारायणी ने लिओ अवतार बधाई सारा भक्ता न जैसे सुमधुर भजनों जैसे भजनों की लड़ियां लगा दी. उपिस्थत श्रद्धालु नाचते-झूमते बह रही भक्ति धारा में पूरे मनोयोग से गोता लगाते रहे. कमल खेतावत, दीपक गोयनका, सौरभ सरावगी, किशन मोदी, राजा माटोलिया, अंकुर डांगा आदि द्वारा प्रस्तुत भजनों को सब ने सराहा. कार्यकम संपन्न होने पर सभी के बीच प्रसाद बांटा गया.

मारवाड़ी कॉलेज के एनसीसी कैडेटों ने प्याऊ के पास चलाया सफाई अभियान

संवाददाता।रांची

मारवाड़ी कॉलेज के एनसीसी कैडेटों ने अगल-बगल के प्याऊ के पास जमी गंदगी की सफाई की. वहीं बड़ा तालाब में छठ पूजा के बाद फैली गंदगी को निकालकर सफाई की. एनसीसी कैडेट्स ने यह काम झारखंड बटालियन के एनसीसी कमांडेंट के निर्देश पर किया. इस दौरान मारवाड़ी कॉलेज के एनसीसी के केयरटेकर ऑफिसर डॉ. अवध बिहारी महतो ने जल जमाव से होने वाली बीमारियों और हानि के बारे में बताया. कहा कि हमेशा अपने आसपास होने वाले जल जमाव को साफ करवाना जरूरी होता है. कार्यक्रम में एनसीपीएल प्रवीण हजाम,

कैडेट रवि कुमार, सुगंध कुमार, दिलीप उरांव, प्रभात कुमार, धीरज कुमार, अजीत कुमार, प्रियांशु कुमार, आदित्य कुमार, आकाश कुमार और अनमोल कच्छप शामिल रहे.

स्वर्णरेखा नदी के घाट पर होगी गंगा आरती

संवाददाता।रांची

स्वर्णरेखा नदी केतारी बगान इक्कीसो महादेव मंदिर के तट पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा का आयोजन किया जाएगा. मंगलवार को स्वर्णरेखा जीर्णोद्धार समिति के अध्यक्ष नीतेश पाठक उर्फ माखन की अध्यक्षता में बैठक हुई. बैठक में संबोधित करते हुए नीतेश पाठक ने कहा कि इस साल इक्कीसो महादेव मंदिर के तट पर गंगा आरती का आयोजन किया जाएगा. गंगा आरती की भव्यता देखने लायक होगी. नदी के तट पर इसके लिए मंच तैयार किया जा रहा है. इसके अलावा इस

साल छोटे-छोटे बच्चों के मनोरंजन के लिए मेले में झूले लगाए जाएंगे.

कार्तिक पूर्णिमा के लिए दूर-दराज से हजारों की संख्या में श्रद्धालु स्वर्णरेखा नदी इक्कीसो महादेव नदी के तट पर पहुंचते हैं. इस दिन श्रद्धालु सत्यनारायण कथा सुनते हैं. बैठक में स्वर्णरेखा नदी को बचाने को सामूहिक रूप से प्रण लिया गया. समिति के अध्यक्ष नीतेश पाठक ने कहा कि हरमू नदी का गंदा पानी का बहाव स्वर्णरेखा नदी में मिलने से रोकना होगा. बैठक में जनक कुमार महतो, गिरधारी महतो, विकास जयसवाल, आनंद केसरी, सूरज महतो, शिवम सिंह, सैंगकी सिंह, रोहित कुमार, शुभम कुमार, मोनू सिंह, चंदन कुमार साहू, राजन साहू, आयुष कुमार, भावेश सिंह, ज्ञानी महतो, भुनू साहू, रवि राय, विष्णू वर्मा, अरविंद कुमार आदि उपस्थित थे.

ख्रीस्तयाग समारोह संत अन्ना मदर हाउस में विशेष कार्यक्रम, धर्मस्थान पर बैठीं धर्म बहनें

दो बहनों ने प्रभु की सेवा में किया आजीवन व्रतधारण

संवाददाता।रांची

कामिल बुल्के पथ स्थित संत अन्ना मदर हाउस में मंगलवार को आजीवन व्रतधारण ख्रीस्तयाग समारोह का आयोजन किया गया. समारोह के मुख्य अतिथि बिशप ओदोर मसकरेन्हस तथा फेलिक्स टोप्पो थे. इस अवसर पर अन्य धर्म बहनों के साथ आजीवन व्रतधारण कर रही बहनों के परिवारवाले एवं सभी परिजन मौजूद थे. समारोह में प्रवेश गीत ''आओ चलें प्रभु के पास'' के साथ संत अन्ना धर्म बहन अंजलिना सोरेंग और जोलजेन सोरेंग को पवित्र धर्म स्थान में बैठाया गया. संत अन्ना की छात्राओं ने येशु तेरी महिमा गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया. कार्यक्रम में संसार में रह रहे सभी

लोगों के लिए दया याचना प्रार्थना की गई. साथ ही महिमा गीत, बाइबल जुलूस, अंतर भजन, जयघोष समर्पण, मरिया भजन, स्तुति आराधना करने के पश्चात धर्म बहनों को येशु प्रभु के नाम की अंगूठी प्रोविंशियल सुपीरियर ऑफ रांची प्रोविंस मंजुला किंडो ने पहनायी. बिशप ओदोर मसकरेन्सह ने दोनों बहनों के लिए प्रभु से प्रार्थना की और प्रभु की महिमा में आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दी. पवित्रा मिस्सा में सभी लोग शामिल हुए और दोनों धर्म बहनों को नए जीवन की बधाई दी और इस दिन को यादगार बनाने के लिए फोटो खिचवाई. व्रतधारण समारोह में संत अन्ना धर्म बहनों में सुपीरियर मंजुला किंडो, लिली, ललिता एवं अन्य सदस्य शामिल हुए.

आज दो बहनों ने प्रभु को जीवन दिया : बिशप

बिशप ओदोर मसकरन्हस ने कहां कि यह खुशी की बात हैं कि आज दो बहनों ने प्रभु को जीवन दिया और समाज में गरीब लोगों की मदद के लिए प्रतिज्ञा की. साथ ही उन्होंने कहा कि अंजलिना सोरेंग और जोलजेन सोरेंग अब से प्रभु हो गई हैं. दोनों धर्म बहनों के माता पिता से कहां कि आपने अपने बच्चों को प्रभु में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया एवं सिस्टर बनने की आज्ञा दी.

ईमानदारी से समाज के लोगों की सेवा करें : किंडो

प्रोविंशियल सुपीरियर ऑफ रांची प्रोविंस मंजुला किंडो ने कहा कि अंजलिना और जोलजेन दोनों बहनों ने संत अन्ना धर्म समाज को पूर्ण स्वीकारा और धर्म संग जीवन के साथ समाज की सेवा करने का निश्चय किया. उन्होंने प्रार्थना शुभकामनाएं दीं और कहा कि ईमानदारी से समाज के लोगों की सेवा कर आगे बढ़ें. अंजलिना सोरेंग और जोलजेन सोरेंग ने उपस्थित सभी धर्म बहनों एवं परिवार के सभी सदस्य का उनके नई जीवन दिन शामिल होनेवाले सभी लोगों का धन्यवाद किया.

रांची विवि में एमएड का सेशन चल रहा लेट

रांची। रांची विश्वविद्यालय के अंदर आने वाले एमएड कॉलेजों का सेशन लेट चल रहा है. जिन विद्यार्थियों ने 2022-24 सेशन के लिए नामांकन करवाया है, उनकी अब तक केवल सेमेस्टर वन का ही परीक्षा ही हुई है. लेकिन इसका रिजल्ट जारी नहीं किया गया है. सेमेस्टर वन की परीक्षा सितंमर महीने में ली गयी थी. वहीं एमए, एम कॉम और एमएससी सत्र 2022-24 के छात्रों के सेमेस्टर दो की परीक्षा हो गयी है. नियम के अनुसार इन कोर्सों को जुलाई 2024 में पूरा हो जाना था. लेकिन बचे सात महीने में बाकी के तीन सेमेस्टर की परीक्षा पूरा कैसे करवा पाएगी. रांची विश्वविद्यालय के अंदर तीन एमएड कॉलेज आते हैं. जिसमें लगभग 70 विद्यार्थी हैं. सेशन 2021-23 एमएड का परीक्षा भी लेट चल रही है. झारखंड के निजी विश्वविद्यालय में एमएड की पढ़ाई समय पर हो रही है.

सरला बिरला स्कूल की छात्राओं ने स्पीक आउट में फिर मारी बाजी

संवाददाता।रांची

सरला बिरला पब्लिक स्कूल के स्टूडेंट्स ने अमृतसर में आयोजित ऑनलाइन एनुअल इंटर स्कूल लिटरेरी इवेंट 'स्पीक आउट-2023' में एक बार फिर बाजी मारी. इस अंतरराष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में 46 से अधिक स्कूलों ने भाग लिया. कक्षा 10वीं की निश्का राज को रचनात्मक लेखन श्रेणी के लिए सर्वश्रेष्ठ लेखक के पुरस्कार से सम्मानित किया गया. हमारे विद्यालय को स्लैम पोएट्री श्रेणी के लिए ओवरऑल बेस्ट डेलिगेशन अवार्ड से भी सम्मानित किया गया जिसमें कक्षा 11वीं के अतिशय सिंह एवं कक्षा 10वीं की प्रज्ञाश्री होता ने भाग लिया. विद्यालय के कार्मिक व प्रशासनिक

प्रमुख डॉ प्रदीप वर्मा ने विजेताओं, शिक्षकों और अभिभावकों को उनके समर्पित प्रयासों के लिए बधाई दी.

इस मौके पर प्राचार्या परमजीत कौर ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन की सराहना की. उन्होंने सभी को ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया. जिससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलती है. उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने से उनका मनोबल बढ़ता है और वे भविष्य के लिए तैयार होते हैं.

धनबाद

नगर निगम पूरी तरह अनुबंध कर्मी एवं आउटसोर्सिंग के भरोसे संचालित हो रहा है. निगम में सिटी मैनेजर, कनीय अभियंता समेत टैक्स कलेक्टर, फूड इंस्पेक्टर आदि पदों पर कार्यरत कर्मचारी अनुबंध पर बहाल किये गए हैं. जिन्हें नियत समय पर अवधि विस्तार मिलता रहता है. प्रत्येक वार्ड में कार्य करने वाले सुपरवाइजर एवं स्वच्छता पर्यवेक्षक दैनिक भत्ता के आधार पर रखे गए हैं. वर्षों से निगम में स्थायी कर्मचारियों की बहाली नहीं हुई है. जिससे अनुबंध कर्मी की मनमानी का खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ता है. नाम न लिखने की शर्त पर तृतीय वर्गीय एक कर्मचारी ने बताया कि अनुबंध पर बहाल कर्मी ज्यादातर लापरवाह हैं. ऐसे कर्मी अपने काम से ज्यादा पैसा उगाही पर ध्यान देते हैं. समय से कार्यालय तो आते हैं पर अपना काम ईमानदारी से नहीं करते हैं. वहीं समाहरणालय में भी पिछले 16 वर्षों से कोई बहाली नहीं हुई है. धनबाद जिला में समाहरणालय संवर्ग के तृतीय एवं चतुर्थ कर्मियों के कुल 596 पद स्वीकृत हैं. इसमें 299 पद रिक्त हैं. जिसमें समाहरणालय, अनुमंडल, बीडीओ, सीओ कार्यालय शामिल है. सूत्रों के अनुसार धनबाद में तृतीय एवं चतुर्थ वर्गीय पद पर अंतिम स्वीकृति वर्ष 1972 में मिली थी. यहां पर अंतिम बहाली भी 16 वर्ष पहले हुई थी. बीच-बीच में अनुकंपा समिति की अनुशंसा पर कुछ बहाली अनुकंपा के आधार पर होती रहती है. आउटसोर्स पर बहाल कर्मियों व संविदा पर काम कर रहे कंप्यूटर ऑपरेटर ही ज्यादातर काम कर रहे हैं. प्रखंड एवं अंचलों में तो एक-दो स्थायी कर्मी हैं. बाकी सारा काम संविदा कर्मी ही संभालते हैं. इसके चलते विकास एवं कल्याण की योजनाएं फंस जाती है. इससे कार्यों के निष्पादन में समस्या आ रही है.

आउटसोर्स पर बंद हो बहाली : संजूत सहाय

स्वास्थ्य विभाग में लिपिक पद पर कार्यरत सह स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के महामंत्री संजूत सहाय बताते हैं कि सिविल सर्जन कार्यालय की बात करें तो एक दर्जन पदों पर स्थाई नियुक्ति नहीं की गई है. मलेरिया इंस्पेक्टर, मास मीडिया पदाधिकारी, एक्सटेंशन एजुकेशन और संगनक की बहाली वर्षों से नहीं हुई है. पहले विभागीय कॉन्ट्रैक्ट बहाली भी होती थी तो 10 साल बाद वे स्थाई होने के हकदार होते थे. अब इस प्रथा को भी लगभग समाप्त कर दिया गया है. आउटसोर्स पर 7 से 8 हजार रुपये पर काम करने के लिए कर्मी विवश हैं. नतीजा काम में पारदर्शिता नहीं है. इसका असर काम पर पड़ता है. इसलिए स्थायी बहाली की आवश्यकता है.

न्यूनतम मजदूरी भी नहीं मिल रही : अशोक

स्वास्थ्य विभाग के कर्मी अशोक सिंह का कहना है कि आउटसोर्सिंग में बहाली हो रही है. इससे काम पर पूरा असर पड़ता है. आउटसोर्स पर बहाल कर्मचारी काम कर भी खुश नहीं हैं. वे अपनी लड़ाई को कोर्ट तक भी नहीं ले जा सकते. 10 हजार से भी कम मानदेय पर कर्मचारियों से काम लिया जा रहा है. ऐसे में वे अपना दायित्व कैसे पूरा करेंगे. उचित मानदेय नहीं मिलेगी तो इसका असर काम पर दिखेगा ही. यही यहां पर हो रहा है. इससे लोगों का काम नहीं हो पा रहा है. वे भी परेशानी में हैं.

कई पद खाली पड़े हुए हैं : अशोक सिंह

स्वास्थ्य कर्मी अशोक सिंह नयन का कहना है की स्थाई बहाली नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है. इसका नतीजा है कि कई कामों के लिए लोगों को कार्यालय के चक्कर काटने पड़ते हैं. कई अधिकारीय पद खाली हैं. एसीएमओ समेत कई पद अतिरिक्त प्रभार में चल रहे हैं. उस पद का निर्वाहन दूसरे पदाधिकारी करते हैं. कई सृजित पदों पर बहाली नहीं होने से कार्य पर खासा असर पड़ रहा है. सरकार को चाहिए की आउटसोर्स पर बहाली बंद कर स्थाई नियुक्ति करें, जिससे सीधा लाभ किसी एजेंसी को नहीं मिलकर कर्मचारियों को मिले. इससे कर्मचारियों का भी मनोबल बढेगा और कार्य भी सुदृढ़ तरीके से होगा.

आउटसोर्स कर्मचारी बंधुआ मजदूर बन गए हैं : रविश

सिविल सर्जन कार्यालय में कार्यरत रविश सिन्हा बताते हैं की वर्तमान में आउटसोर्स कर्मचारी बंधुआ मजदूर बन गए हैं. पूरा लाभ एजेंसी को मिलता है. स्थाई बहाली होती तो विभागीय कार्य कराने में लोगों को परेशानी नहीं होती. स्थिति यह है की जिला स्वास्थ्य विभाग में ड्रग इंस्पेक्टर का पद अतिरिक्त प्रभार में चल रहा है. बोकारो की महिला पदाधिकारी सप्ताह के अलग अलग दिनों में धनबाद में सेवा देती हैं. चूंकि उनकी स्थाई बहाली बोकारो में है. ऐसे में ड्रग से संबंधित कार्य कराने में लोगों को परेशानी आती है. यही स्थिति अमूमन हर विभाग की बनी हुई है.

लातेहार

10 माह से डीडीसी और दो माह से खाली है सदर बीडीओ की कुर्सी, कैसे होगा तब काम

बीते 10 महीनों से लातेहार जिला उप विकास आयुक्त का पद रिक्त है. 31 जनवरी 2023 को तत्कालीन उप विकास आयुक्त सुरेंद्र कुमार वर्मा सेवानिवृति हो गये. उसके बाद से जिला में डीडीसी का पद खाली है. एक फरवरी से अपर समाहर्ता आलोक शिकारी कच्छप डीडीसी के अतिरिक्त प्रभार में हैं. इसी प्रकार जिला ग्रामीण विकास अभिकरण (डीआरडीए) के निदेशक का पद 27.10.2021 से ही रिक्त है. इसे भी प्रभार में चलाया जा रहा है. हालांकि बताया जाता है कि जिला ग्रामीण विकास अधिकरण को जिला परिषद में विलय किया जायेगा, इस कारण डीआरडीए के निदेशक पद पर किसी की पोस्टिंग नहीं की जा रही है. बता दें कि लातेहार जिला एक मेसो क्षेत्र है, यहां आदिवासियों की बहुलता अधिक है. आदिवासियों की विकास की योजनाएं समेकित जनजाति विकास अभिकरण (आईटीडीए) व कल्याण विभाग के द्वारा संचालित की जाती है. लेकिन बीते 31 जुलाई 23 को आईटीडीए के निदेशक विदेश्वरी तत्मा सेवानिवृत हो गये. उसके बाद यहां किसी परियोजना निदेशक की पोस्टिंग नहीं की गयी. 31 जुलाई के बाद से ही यह पद रिक्त है और अपर समाहर्ता आलोक शिकारी कच्छप इसके अतिरिक्त प्रभार में हैं. जिला कल्याण पदाधिकारी के रूप में विष्णु प्रसाद पंडित पदस्थापित थे. उनके रिटायरमेंट के बाद यहां जिला कल्याण पदाधिकारी की पोस्टिंग नहीं की गयी है. अपर समाहर्ता आलोक शिकारी कच्छप ही जिला कल्याण पदाधिकारी के चार्ज में हैं. ऐसे में कहना गलत नहीं होगा कि जिले में वरीय अधिकारियों की पोस्टिंग नहीं होने से विकास कार्य प्रभावित हो रहा है. इसी प्रकार सदर प्रखंड विकास पदाधिकारी का पद यहां विगत दो महीने से रिक्त है. मेघनाथ उरांव का यहां से तबादले के बाद अंचलाधिकारी अरविंद देवाशीष टोप्पो बीडीओ के भी चार्ज में हैं. वर्क लोड अधिक होने के कारण प्रखंड में विकास कार्य प्रभावित हो रहा है. अभी निर्वाचन का कार्य जोरों पर है. ऐसे में प्रखंड विकास पदाधिकारी की यहां पदस्थापना नहीं होने से निर्वाचन का कार्य भी प्रभावित हो रहा है.

कार्यबल की कमी से काम प्रभावित

कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 42% से बढ़ाकर 46% कर दिया गया है

झारखंड सरकार प्रदेश को विकास के रास्ते पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है. इसके लिए कई तरह की योजनाएं बनाई जा रही हैं. उसे लागू भी किया जा रहा है. लेकिन योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के लिए जो कार्यबल चाहिए, वह कम है. इससे काम प्रभावित हो रहा है. दरअसल झारखंड सरकार के सचिवालय और अन्य सरकारी कार्यालयों में मात्र 37 प्रतिशत कर्मचारी हैं. इससे बाकी कर्मचारियों पर काम का भारी दबाव होता है. इसका सीधा असर कार्य पर होता है. इस वजह से लोगों का काम समय पर नहीं हो पाता है. अधिकांश काम पेंडिंग पड़े रहते हैं. दूसरी ओर सरकार ने सभी विभागों में ठेका प्रथा पर काम करने के लिए कर्मचारियों को रखा है, लेकिन वे उतना काम नहीं कर पाते हैं. उनकी जिम्मेदारी भी नहीं रहती है. उन्हें वेतन भी कम मिलता है. वहीं कर्मचारियों की कमी से 7500 फाइलें ढंप हो गई हैं. यह बढ़ती ही जा रही है. हाल ही में राज्य सरकार ने निर्णय लेते हुए कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 42 प्रतिशत से बढ़ाकर 46 प्रतिशत कर दिया है, जो एक जुलाई 2023 से लागू होगी. यह एक अच्छा निर्णय है, लेकिन बहाली तेजी से नहीं हो पा रही है. इससे बेरोजगारी भी बढ़ रही है. इसका असर पड़ रहा है. सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों की कमी से हो रही परेशानी को जानने शुभम संदेश की टीम आमलोगों के बीच पहुंची और तैयार की रिपोर्ट...

योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के लिए जो कार्यबल चाहिए, वह काफी कम है

झारखंड सरकार के सचिवालय व अन्य सरकारी कार्यालयों में मात्र 37% कर्मचारी कार्यरत हैं

जमशेदपुर

स्ट्रीट लाइटें खराब हो गई हैं, विभाग को सूचित करने पर भी नहीं हुआ काम : सैसब

मानगो निवासी सैसब सरकार ने बताया कि उनकी गली में लगी कई स्ट्रीट लाइटें खराब हो गई हैं. दुर्गा पूजा से पूर्व ही बिजली विभाग और मानगो नगर निगम में शिकायत की थी पर कोई परिणाम नहीं निकला. दुर्गा पूजा से लेकर छठ पूजा के बीच लगभग 20 बार दोनों विभागों के चक्कर लगा चुके हैं पर किसी ने खराब लाइट बदलने की सुध ना ली. अब भी रात होते ही सड़कों पर अंधेरा पसरा रहता है. छठ पूजा के दौरान अंधेरे में ही लोग घाटों की तरफ गए थे. यह तो स्थिति है. सूचित करने के बाद भी काम नहीं होता है. या तो कर्मचारियों की कमी है या कर्मचारियों में काम करने की गंभीरता नहीं है.

विभाग के कई चक्कर लगाए, अब थक हार कर जाना ही छोड़ दिया : संतोष कुमार

परसुडीह के रहने वाले संतोष कुमार कहते हैं कि उनके बेटे की शादी हुई थी. बहू के आने के बाद राशन कार्ड में उसका नाम जोड़ने के लिए कई बार आवेदन दिया. पर अब तक नाम नही जुड़ा है. नाम नहीं जुड़ने से राशन नहीं मिल रहा है. संतोष कहते हैं कि वे छोटा मोटा काम कर जीवनयापन करते हैं. काम छोड़कर कई बार राशनिंग विभाग के कई चक्कर लगाए. अंत में थक हार कर विभाग में जाना ही छोड़ दिया. अब किसी तरह घर चल रहा है. यही तो स्थिति है. सरकारी कहती है कि सबकुछ ठीक से चल रहा है, लेकिन यहां पर न कर्मचारी और न ही अधिकारी आमलोगों की सुनते हैं. ऐसे में लोग परेशान रहते हैं.

छात्रवृति के लिए आवेदन दिया था, लेकिन आवेदन का अप्रूवल नहीं मिला: करन महतो

पोटका निवासी करन महतो एलबीएसएम कॉलेज के इंटर के छात्र हैं. उन्होंने इस साल छात्रवृति के लिए आवेदन दिया था. ई-कल्याण की तारीख पार हो गई थी. पर उनके खाते में छात्रवृति के लिए रुपये नहीं आए. ऑनलाइन जांच की तो पता चला कि उनके आवेदन का अप्रूवल ही नहीं मिला है. इसके लिए उन्हें अपने घर से 35 किमी दूर जिला मुख्यालय जाना पड़ता था. कई बार घर से आना-जाना भी किया पर उनका काम नहीं हुआ. इस दौरान काफी खर्च भी हो गया. अंत में उम्मीद ही छोड़ दी. जब काम नहीं होगा तो लोग आखिर क्या करेंगे. उन्हें तो काम करना है. किसी तरह काम करते हैं.

बिजली विभाग में नए कनेक्शन के लिए हमने आवेदन दिया था, अब तक नहीं लगा: आकाश

बालीगुमा निवासी आकाश सिंह कहते हैं कि बिजली विभाग में नए कनेक्शन के लिए आवेदन दिया था. दो माह बाद भी कनेक्शन नहीं मिला. कार्यालय जाने पर यह कहा गया कि स्टाफ की कमी है. जिस कारण लाईन जोड़ने में देरी हो रही है. मामले की शिकायत अधिकारियों से भी की, पर कोई हल नहीं निकला. हर बार यही कहा जाता है कि जल्द ही बिजली का कनेक्शन आ जाएगा. अब तो जाना ही छोड़ दिया. जबकि विभाग को इसे लेकर गंभीर होना चाहिए था. अगर कर्मचारी कम हैं तो उसे बढ़ाना चाहिए था, लेकिन कुछ भी नहीं हो रहा है. कोई इसे लेकर गंभीर नहीं है.

बेरमो

तब काम का बोझ बढ़ जाता है: महादेव महतो

गोमिया बीडीओ महादेव महतो ने कहा कि यूनिट के अनुसार कर्मचारी पदस्थापित होने से कार्य निरंतर जारी रहता है. लेकिन जब कर्मचारियों का अभाव रहता है तो काम पेंडिंग रहने लगता है. तब काम का बोझ बढ़ जाता है. अन्य कार्यालयों की तरह गोमिया प्रखंड कार्यालय में भी कर्मचारियों की कमी है. कुछ आउटसोर्स से कर्मचारी हैं. जिससे काम चल रहा है. उम्मीद है कि जल्द ही इसमें और सुधार होगा. तब काम और तेजी आएगी.

दस की जगह पांच सुपरवाइजर हैं: अलका रानी

गोमिया प्रखंड के सीडीपीओ अलका रानी ने बताया कि स्वीकृत पद के अनुरूप सुपरवाइजर पदस्थापना नहीं है. गोमिया में दस सुपरवाइजर की जगह पर पांच सुपरवाइजर काम कर रहे हैं. यदि स्वीकृत पद के अनुसार सुपरवाइजर पदस्थापित होते तो काम ज्यादा होता. इससे काम पर असर पड़ता है. हालांकि जल्द ही इसमें सुधार हो जाएगा. जब और लोग आएंगे तो काम में कोई परेशानी नहीं होगी.

गोड्डा

उधार के कर्मियों के भरोसे चल रहा है सरकारी कार्यालय, आउटसोर्स कर्मी चला रहे हैं ऑफिस

गोड्डा को जिला बने हुए तीस साल से अधिक बीत गए हैं, लेकिन सरकारी कार्यालयों में अभी तक स्टाफ का पद सृजित नहीं हो पाया है. अनुमंडलीय स्तर पर स्वीकृत पद के भरोसे ही जिला का कार्य हो रहा है. जिला के तमाम सरकारी कार्यालयों में स्टाफ की जबरदस्त कमी के कारण आमजनों से जुड़े कार्य बुरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं. जिला स्तरीय कार्यालय, जिला अभिलेखागार, जिला नजारत, जिला स्थापना, जिला पारगमन शाखा, जिला नीलाम शाखा, जिला भू अर्जन कार्यालय उपायुक्त का गोपनीय शाखा, जिला सामान्य शाखा, जिला विधि शाखा जैसे दर्जनों महत्वपूर्ण ऐसे विभाग हैं, जिसका अपना कोई कोई स्टाफ ही नहीं है. इन सभी विभागों में दूसरे विभागों से उधार पर स्टाफ प्रतिनियुक्त करवा कर काम चलाया जा रहा है. जिला भू अर्जन कार्यालय, जिसमें एक स्टाफ का पद है, जिस पर चार अतिरिक्त को प्रतिनियुक्ति किया गया है, जबकि कार्यालय में दस से अधिक स्टाफ की जरूरत है. वर्तमान समय में फोरलेन के लिए जमीन अधिग्रहण का मामला अडाणी प्लांट के लिए जमीन अधिग्रहण, सड़क चौड़ीकरण के लिए जमीन अधिग्रहण ये सारा फाइल लंबे समय से लंबित चला आ रहा है. स्टाफ की कमी का असर कार्यों के निष्पादन पर पड़ रहा है. जिला अराजपत्रित कर्मचारी संघ के महामंत्री मोजाहिदुल इस्लाम मुजाहिद बताते हैं कि 1983 में गोड्डा जिला बना. उसके बाद से पद सृजन का काम हुआ ही नहीं है. 1958 में जो अनुमंडल स्तरीय पद था, उसी का अनुरूप काम हो रहा है. पद सृजन के लिए संघ लगातार आवाज उठा रही है. इधर हाल में राज्य सरकार द्वारा पद सृजन कर जिला प्रशासन से प्रस्ताव मांगा गया है. जो अभी तक लंबित है. पद की स्वीकृति के बाद ही नियुक्ति होगी. कर्मचारी संघ के नेता ने बताया कि हमलोग इसके लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं. उम्मीद है कि अब जल्द ही इस मामले में कुछ फैसला हो जायेगा.

रांची कलेक्ट्रेट में मैन पावर की है कमी, कामकाज हो रहा प्रभावित

डीसी ऑफिस मैन पावर की कमी से जूझ रहा है. कर्मियों के अनुसार, यहां काम का बोझ बढ़ता जा रहा है, बावजूद कर्मचारियों की संख्या में बढ़ोतरी नहीं हो रही है. सरकारी ऑफिस में काम संभालने की जिम्मेवारी लिपिकों के जिम्मे होती है, लेकिन यहां लिपिकों की ही भारी कमी है. जानकारी के मुताबिक, लिपिक के स्वीकृत पदों की कुल संख्या 332 है. जिसमें अभी 256 ही कर्मी कार्यरत हैं. वर्तमान में 76 लिपिकों के पद खाली पड़े हैं. ये 256 लिपिक जिले के 22 अंचल, 18 प्रखंड और दो अनुमंडल में कामकाज को संभाल रहे हैं.

- **काम पर पड़ रहा असर**

कर्मचारियों की कमी होने की वजह से कामकाज पर असर पड़ता है. काम ज्यादा और कर्मचारियों की संख्या कम होने की वजह से लोगों के काम प्रभावित हो रहे हैं. कई बार तो ऐसा होता कि लोगों को बिना काम कराये वापस जाना पड़ता है. म्यूटेशन, लगान रसीद, अतिक्रमण और दखल संबंधित काम के लिए लोगों को आना पड़ता है. काम नहीं हो पाने या उसमें देर होने के पीछे मैन पावर की कमी का हवाला दिया जाता है.

- **समाहरणालय में हैं ये शाखाएं**

रांची समाहरणालय भवन में सामान्य शाखा, स्थापना शाखा, गोपनीय शाखा, विधि शाखा, सामाजिक सुरक्षा कोषांग, राजस्व शाखा सदर, प्रमाण पत्र और निर्वाचन शाखा. जिला शस्त्र शाखा, जनशिकायत कोषांग, जनसूचना कोषांग, सामाजिक सुरक्षा कोषांग, नक्सल शाखा, जिला गोपनीय शाखा. जिला स्थापना शाखा और पत्र प्राप्ति एवं प्रेषण शाखा. विकास शाखा और जिला नयाचार शाखा. राजस्व शाखा, एसएआर और विधि व्यवस्था, जिला अभिलेखागार, नजारत शाखा, विधि शाखा, जिला निर्वाचन शाखा, जिला पंचायत शाखा, जिला भू-हदबंदी शाखा, जिला भू-अर्जन शाखा, जिला योजना शाखा, जिला नीलाम पत्र शाखा, जिला उपभोक्ता फोरम, कोषागार, सामान्य शाखा, स्थापना शाखा, गोपनीय शाखा, विधि शाखा, सामाजिक सुरक्षा कोषांग, राजस्व शाखा सदर, प्रमाण पत्र, निर्वाचन शाखा के कार्यालय हैं.

चाईबासा

पदाधिकारियों की कमी का असर लोगों पर पड़ रहा है: रामहरि गोप

रामहरि गोप ने कहा कि सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों और पदाधिकारियों की कमी का सीधा असर आम जनों पर रहा है. पदाधिकारी व कर्मचारी कमी से लोगों का काम समय पर नहीं रहा है. सरकार को इस पर ध्यान देने की जरूरत है. लगातार सरकारी कर्मचारियों पर काम का बोझ हो रहा है. इसमें सुधार नहीं हो रहा है. प्रखंड से लेकर अंचल कार्यालय में समय पर आम जनता का काम निपटारा नहीं होने के कारण जनता में नाराजगी भी है. वे चाहते हैं कि सरकार इस दिशा में पहल करे. वैकेंसी निकालकर युवाओं को भर्ती करे ताकि बेरोजगारी दूर हो. साथ ही कार्यालयों में कमी ना हो.

अंचल कार्यालय के हर काम में विलंब हो रहा है: सुनील कुमार

चाईबासा के सुनील कुमार सामंड ने कहा कि सरकारी कार्यालय पदाधिकारी व कर्मचारी का कमी झेल रहे हैं. साथ ही जितने कर्मचारी व पदाधिकारी हैं वो समय पर नहीं आते हैं. इससे काम में दिक्कत आ रही है. जाति प्रमाण पत्र से लेकर अंचल कार्यालय के हर काम में विलंब हो रही है. जिसका मुख्य कारण कर्मचारी नहीं होना है. सरकारी कर्मचारी को बहाली समय पर नहीं होती है. जिसके कारण इस तरह की स्थिति बनी है. अनुबंध पर के कर्मचारी कामों को लेकर गंभीर नहीं होते हैं. जिसके कारण कई काम लंबित पड़े रहते हैं. सरकार से मांग है कि सरकारी कर्मचारी की नियुक्ति करे और रिक्त पदों को भरे.

चाईबासा कार्यालय में कर्मचारियों की कमी है: विनोद कुमार सार्वैया

चिटींमिटी के विनोद कुमार सार्वैया ने कहा कि सदर प्रखंड चाईबासा कार्यालय में कर्मचारियों की घोर कमी है. जिसका सीधा असर हम पर पड़ रहा है. सरकार को जल्द ही खाली पड़े पदों पर नियुक्ति शुरू करना चाहिए, ताकि कार्यालयों में कमी को दूर हो सके. इसको लेकर कई बार उच्च पदाधिकारी के पास शिकायत भी किया गया है. लेकिन इसका असर नहीं हो रहा है. स्थानीय जनप्रतिनिधि भी इस पर गंभीर नहीं होते हैं. जिसके कारण अंचल व प्रखंड कार्यालय में कर्मचारियों की भारी कमी है. ऐसे ही चलता रहेगा तो स्थिति और खराब होगी. लोगों का जब काम नहीं होगा तो वे परेशान होकर सड़कों पर उतरेंगे.

कर्मचारियों की कमी दूर करने के लिए नियुक्ति हो : महेन्द्र कालुंडिया

कोकचो के महेन्द्र कालुंडिया ने कहा कि झारखंड सरकार कार्यालयों में पदाधिकारी व कर्मचारियों की कमी दूर करने के लिए नियुक्ति शुरू करे. नियुक्ति नहीं होने का दंश झेल रहा है झारखंड. समय पर प्रतियोगिता परीक्षा भी आयोजित नहीं होती है, जिसकी वजह से इस तरह की स्थिति उत्पन्न हो रही है. सरकार को एक नियम बनाना चाहिए. 3 साल तक अनुबंध में काम करें और 3 साल बाद जब काम का अनुभव पूरा हो जाए तो उस व्यक्ति को स्थाई नौकरी प्रदान करें. ताकि झारखंड में रोजगार की व्यवस्था हो सके. नहीं तो जो स्थिति है उसमें काम करना मुश्किल होगा. जब तक पर्याप्त कार्यबल नहीं होगा तो ऐसी ही स्थिति रहेगी.

ब्रीफ खबरें

अंजुमन इस्लामिया चिलदाग के सदर बने हासिम अंसारी

अनगड़ा। हासिम अंसारी अंजुमन इस्लामिया चिलदाग के नए सदर होंगे . सोमवार को अंजुमन इस्लामिया चिलदाग की नयी कमिटी का गठन किया गया.अध्यक्षता डॉ गुलजार ने की. बैठक में हासिम अंसारी के नाम पर सहमति बनी.वहीं सदर के साथ- साथअन्य पदाधिकारियों का भी चयन किया गया है. नव निर्वाचित सदस्यों में नायब सदर इरफान अंसारी, सचिव तौफिक अंसारी उर्फ साहेब, नायव सेक्रेटरी महबूब अंसारी तथा खजांची एजाज अंसारी आदि को बनाया गया है .

वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत

सोनाहातू। थाना क्षेत्र के सिल्ली-टिकर-टाटा सड़क के जाड़ेया मोड़ पर सोमवार रात 10 बजे के आसपास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक 26 वर्षीय युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गयी है. घटना के संबंध में बताया गया की टाटा की ओर से तेज गति से आ रहा एक वाहन ने युवक को टक्कर मार दिया था. घटना की सूचना पर सोनाहातू थाना प्रभारी सतीश वर्णवाल शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई कर रहे है.

सीआईटी कर्मी के निधन पर शोकसभा

अनगड़ा। सीआईटी कर्मी मोतीलाल मुंडा की आसामयिक निधन पर मंगलवार को संस्थान में शोक सभा का आयोजन किया गया। शोकसभा के बाद कक्षाएं स्थगित कर दी गयी. स्व मुंडा संस्थान के वर्कशॉप में वेल्डर के पद पर कार्यरत थे. दीपावली की छुट्टी के दौरान वे अचानक बीमार पड़े थे. बीते बुधवार को इलाज के दौरान ईएसआई हॉस्पिटल नामकुम में उनकी मौत हो गयी. शोक सभा को प्राचार्य डॉ एल रंगनाथन, डीन डॉ नविन कुमार सिन्हा ने सम्बोधित किया.

विजेता बनी ब्लैक निंजा एफसी की टीम

ओरमांझी। जनकल्याण समर्पण संस्थान सिकिदिरी के तत्वावधान में आयोजित खेल महोत्सव में मंगलवार को अलग-अलग स्पर्धाओं का आयोजन किया गया.इस में फुटबाल के अंडर-14 बालक वर्ग में ब्लैक निंजा एफसी हेसातू की टीम ने जेकेएसएस एफसी सिकिदिरी की टीम को पराजित कर विजेता बनी. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रामकुमार पाहन व अतिथि प्रभुदयाल बड़ाईक और भाजपा नेता बनमाली महतो ने पदक विजेता खिलाड़ियों को पदक और प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया.

आठ एसआई और एक एएसआई का तबादला

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय ने आठ एसआई और एक एएसआई का तबादला किया है. इससे संबंधित अधिसूचना डीआईजी कार्मिक के द्वारा जारी कर दी गई है. एसआई सोनू पाठक का जेएपीटीसी पदमा, प्रियंका तिर्की, रूमिला एक्का और बेबी झा का आईटीएस होटवार, अरुण कुमार रवि और श्यामल कुंभकार का आईजी मुख्यालय रांची ऑफिस, अवधेश बाड़ा, गुलाब सोय मुरूम और एएसआई हेमंत भगत का प्रशिक्षण निदेशालय पुलिस मुख्यालय झारखंड रांची में तबादला किया गया है.

कुतुबुद्दीन जुबली हिल विस के पर्यवेक्षक बने

नोमुंडी। कामगार कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह संसद सदस्य डॉ उदित राज द्वारा यूथ इंटक जिला अध्यक्ष सह कामगार कर्मचारी कांग्रेस के उड़ीसा प्रदेश प्रभारी कुतुबुद्दीन खान को तेलंगाना के जुबली हिल विधान सभा क्षेत्र का पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है. जुबली हिल विधान सभा क्षेत्र से कांग्रेस नेता सह भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मो अजहरुद्दीन कांग्रेस के विधान सभा प्रत्याशी हैं. जुबली हिल विधान सभा में 30 नवम्बर को चुनाव होना है.

झारखंड के आंदोलनकारी के निधन पर क्षेत्र में शोक

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के गामारिया पंचायत अंतर्गत नेड़रा गांव के झारखंड आंदोलनकारी नेता वकील मंडी(62) का मंगलवार को देहांत हो गया. बताया गया कि वह पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे. सूचना पाकर विधायक समीर मोहंती, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष आसित मिश्रा, आदित्य प्रधान, भारत मुंडा समाज के जिला उपाध्यक्ष कृष्ण मुंडा, मांझी बाबा चंद्र मोहन बेसरा,आजसू पूर्व केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रो श्याम मुर्मू ने उनके घर पहुंच कर परिजनों से मिले तथा श्रद्धांजलि दी.

झारखंड पब्लिक स्कूल मोहन नगर डकरा में तीसरी वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिता का समापन

प्रतियोगिता में सफल खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

संवाददाता। डकरा

झारखंड पब्लिक स्कूल मोहन नगर डकरा में मंगलवार को मोहन नगर खेल मैदान में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जिसमें स्कूल के बच्चों ने स्वागत गीत व झारखंडी नृत्यकर के इस कार्यक्रम को उदघाटन किया गया. इसमें आठवीं कक्षा से लेकर12 वीं कक्षा के बच्चों ने मार्चपास्ट (परेड) भी किया गया. प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, फुटबॉल, क्रिकेट,खो-खो, कबड्डी एवं वालीबॉल खेल का आयोजन किया गया था. बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि ने मेडल पहानकर व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक समरीलाल व विशिष्ट अतिथि के रूप मे अनुसुचित जाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री कमलेश राम, भाजपा खलारी मंडल अध्यक्ष शलेन्द्र शर्मा, काकें सांसद प्रतिनिधि मनोज गुप्ता, रामबली चौहान, कृष्णा चौहान, भरत रजक, अरविंद सिंह, कार्तिक पाण्डेय, प्रीतम साहु,अनिल गंझू, रामसुरत यादव, अरविंद, सुदेशवर ठाकुर, शशी सिंह, प्रेम कुमार जी, रतनलाल, सुनिल कुमार सिंह, दीलिप पासवन, देवनारायण गंझू, सरिता देवी, कुलदीप लोहरा, रवि भुषन सिंह, दिनेश भर, बुटन चौहान, रमेश चौहान, मिथिलेश सर, मुनू शर्मा, राजू गुप्ता एवं अन्य सम्मानित गण उपस्थित हुए. इसके पूर्व मुख्य अतिथि का कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर विद्यालय के प्राचार्य अभिषेक चौहान ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया. इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे अहम योगदान देने वाले स्कूल के संस्थापक जागीन चौहान,संजय चौहान ,आशा पांडेय, जोति चौहान, स्कूल खेल शिक्षक गणेश कुमार महतो, रमेश कुमार, मनोज यादव, महेश सर, मुकेश सर, संदीप यादव, महेंद्र चौहान, किरण देवी, साजिया प्रवीण, किरण कुमारी, प्रिया कुमारी आदि का सराहनीय योगदान रहा.

खास बातें
- 8वीं से लेकर 12वीं तक के बच्चों ने किया मार्चपास्ट
- विविध खेल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

आओ जानें सामान्य ज्ञान

- भारतीय फिल्मों के पितामह किसे कहा जाता है – **धुंडीराज गोविंद फाल्के**
- भारत में तंबाकू का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य– **आंध्र प्रदेश**
- वह मुगल बादशाह जिसने 15 वर्ष निर्वासित होकर गुजारे – **हुमायूं**
- नेपोलियन का अर्थ क्या है – **घाटी का शेर**
- किस राज्य में है अष्टमुडी झील – **केरल**
- रेडक्रॉस का मुख्यालय कहां है – **जेनेवा**
- किस ग्रह पर ग्रेट रेड स्पॉट की खोज की गई है – **बृहस्पति**
- खारे पानी मे पैदा होने बाले पौधो को कहा जाता है – **लोफाइट्स**
- भारत का सबसे छोटे जिला का नाम – **माहे (पुडुचेरी)**
- सैयद वंश के संस्थापक कौन थे – **खिज्र खान**

झामुमो सिंदरी नगर अध्यक्ष के घर तोड़फोड़

संवाददाता। सिंदरी

झामुमो सिंदरी नगर अध्यक्ष रामगोविंद राम के आवास पर मंगलवार की शाम लगभग 7 बजे दर्जनों अज्ञात युवकों ने जम कर तोड़फोड़ की. इस घटना में अध्यक्ष के नाबालिग भांजे को भी चोटें आईं हैं. जानकारी के अनुसार जुआ खेलने के विवाद में तोड़फोड़ की गई. बलियापुर पुलिस को इसकी सूचना नगर अध्यक्ष ने दी. इसे लेकर झामुमो सिंदरी नगर अध्यक्ष ने बताया कि घर के पास ही उनके भांजे के साथ जुआ खेल रहे युवकों के बीच झगड़ा हुआ था. उसके बाद दर्जनों युवकों ने भांजे के साथ घर में घुस कर जम कर मारपीट की और घर में रखे खाने को भी फेंक दिया. इसी क्रम में उन्होंने घर के लोहे के दरवाजे, कुर्सियां और साइकिल सहित अन्य सामानों की जम कर तोड़फोड़ की. उन्होंने बताया कि मारपीट के समय वह घर पर नहीं थे और मारपीट के बाद से भगीना लापता है. उन्होंने बताया कि बलियापुर पुलिस को इसकी सूचना दी गई है. उन्होंने जिला प्रशासन से सुरक्षा सहित न्याय की मांग की है. उन्होंने बताया कि इसकी सूचना झामुमो केंद्रीय सदस्य सुखलाल मरांडी और जिलाध्यक्ष लखी सोरेन को भी घटना की जानकारी दी गई है.

दुर्घटना में एक की मौत

ओरमांझी। एन एच 33 मे मधुबन होटल के सामने मंगलवार की शाम दडदाग निवासी लाल साहू का 22 वर्षीय पुत्र निखिल कुमार साहू किसी काम से अपनी मोटरसाइकिल से जैविक उद्यान की तरफ जा रहा था. इसी दौरान निखिल कुमार साहू जब मधुबन होटल के पास पहुंच तो पीछे से रामगढ़ की ओर से आ रही टेलर नंबर आरजे 47 जीए/ 1186 ने निखिल कुमार को अपने चपेट में ले लिया. जिससे उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गयी.घटना के बाद टेलर का ड्राइवर और उपचालक फरार हो गए हैं. जिसके कारण निखिल का शव टेलर लगभग 2 घंटे तक फंसा रहा.

140 दिनों से धरने पर पंचायत सचिवालय के स्वयं सेवक संघ के कर्मी

सरकार नहीं सुन रही स्वयं सेवकों की कोई फरियाद

संवाददाता। रांची

पिछले 140 दिनों से राज्य स्तरीय पंचायत सचिवालय स्वयं सेवक राजभवन के समक्ष अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन कर रहे हैं. पंचायत सचिवालय स्वयं सेवक संघ के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रदीप का कहना है कि अपनी 5 सूत्री मांगों को लेकर स्वयंसेवक विगत 8 जुलाई से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन कर रहे हैं. परंतु सरकार के द्वारा अभी तक कोई भी ठोस पहल नहीं हुई है. झारखंड मुक्ति मोर्चा केंद्रीय कार्यालय का नंग धड़ंग प्रदर्शन के दौरान घेराव भी किया गया. सभी पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक 5 सूत्री मांगों को लेकर एक बार पहले भी 14 अक्टूबर को झारखंड मुक्ति मोर्चा केंद्रीय कार्यालय का घेराव कर चुके हैं. उस समय झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडे से संघ के प्रतिनिधिमंडल से वार्ता हुई थी. उस समय उन्होंने एक सप्ताह के अंदर मांगें पूरी करने का आश्वासन दिया था परंतु आज उनकी घोषणा के महीने हो गए.

धरना के 140वें दिन खूंटी जिले की रहने वाली पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ की महिलाओं ने बताया कि अपने 7 महीने के छोटे दुधमुंहे बच्चे को लेकर वह ठंड के मौसम में भी धरने पर हैं लेकिन सरकार नहीं सुन रही है. सरकार से मांग है कि हमारी मांगे पूरी कर दे, प्रोत्साहन राशि के बदले मानदेय दें. जो भी कार्य हमें दिए जाएंगे वह करेंगे.

खूंटी जिले के ही रहने वाले सुरेश महतो ने कहा कि हमने नंग-धड़ंग प्रदर्शन किया अब अगर हमारी मांगे पूरी नहीं हुई तो अब स्थापना दिवस पर भूख हड़ताल कर विरोध प्रदर्शन करेंगे.

गढ़वा की रहने वाली कर्मचारी कंचन कुमारी ने बताया कि सरकार स्थापना दिवस मना रही है और हमारे बच्चों की पढ़ाई तक के लिए पैसे नहीं है. हम सड़क पर भटक रहे हैं, सरकार को अपना कार्य दिख रहा है लेकिन गरीब लोगों को कोई पूछने वाला नहीं है. हम 7 सालों से कार्य कर रहे हैं, सरकार ने हमें वादा किया था चुनाव से पहले और 6 महीने के अंदर आपकी सारी मांगे पूरी होंगी. चुनाव का वक्त आ गया लेकिन किसी ने भी मांगे पूरी नहीं की.

खास बातें
- ठंड में भी सात माह के बच्चे को लेकर धरने पर बैठी मां
- बच्चों की पढ़ाई तक कराने के पैसे नहीं : कंचन कुमारी

परियोजना पदाधिकारी ने लिया पदभार

संवाददाता। डकरा

कई बार ऐसे गजब संयोग होते हैं, जो सुनने में हैरानी होती है. ऐसा ही एनके एरिया के केडीएच परियोजना में हुआ, इस परियोजना के सन 1990 से 94 चार साल तक परियोजना पदाधिकारी बीएन सिंह हुआ करते थे. अब वर्तमान में उसी पद पर 29 बाद उसी परियोजना में उनके दामाद अनिल कुमार सिंह पदस्थापित हैं. पीओ अनिल कुमार सिंह की धर्मपत्नी मधुमती सिंह इस संयोग से काफी खुश है. वे अपने दो बच्चियां अनुष्का और अमीषा के साथ मंगलवार को केडीएच परियोजना कार्यालय पहुची. मधुमिता कार्यालय में अपने पति को पिता के पदस्थापित कुर्सी पर बैठा भावुक हुई . इस दौरान उन्होंने कहा कि पापा जी राह पर चलकर मुझे पूरी उम्मीद है कि मेरे पति भी परियोजना के कोयला उत्पादन उत्पादकता में एक नई कृतिमान स्थापित करेंगें. वहीं दोनों बेटियां में इस क्षण को देख प्रफुल्लित थी. परियोजना के मुखिया के पत्नी के पहुंचने पर कार्यालय में कार्यरत महिला कर्मियों ने पुष्प गुच्छ एवं शोल ओढ़ाकर सम्मानित किया. इस अवसर पर ललिता, मुनिता, कविता, मनीषा, सावित्री,संजू, रश्मि,नीलू, सालों, प्रमिला के अलावे सूनील कुमार सिंह, राजीव रंजन, अशोक कुमार सिंह, प्रदीप कुमार मौजूद थे.

सोहराई जतरा हमारी पहचान : सन्नी टोप्पो

संवाददाता। इटकी

बारीडीह में सोहराई पाड़हा जतरा का मंगलवार को आयोजन किया गया. जहां पहान व पुजार ने विधिवत पूजा-अर्चना कराई. जतरा में गांव के खोड़हा दल के लोग ढोल-नगाड़े के साथ नाचते-गाते शामिल हुए. जतरा समिति के द्वारा सभी खोड़हा टीमों को सम्मानित किया गया. मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक शिल्पी नेहा तिर्की, डॉ. बेलामय हांसदा, डॉ.मंजू मिंज सुगिया मिंज, कुंदी मुखिया फ्रांसिस्का, जिला परिषद रीना देवी, पूर्व मुखिया बबलू जी,समाज सेवी डॉ. परमेश्वर भगत,एतवा खलखो,जन्मजय गोप,नीरज शाही,सुकुल केरकेट्टा व पहान, पुजार उपस्थित थे.जतरा में शामिल हुए भाजपा युवा नेता सन्नी टोप्पो व संरक्षक डॉ. दिवाकर मिंज. सन्नी टोप्पो ने कहा कि सोहराई जतरा झारखंड की सांस्कृतिक की विरासत है. इसे बचाए रखने की जरूरत है. हम सभी को अपनी रीति-रिवाज परंपरा को बचाने को ले जतरा को और बेहतर ढंग से आयोजित करने की जरूरत है.वहीं संरक्षक डॉ. दिवाकर मिंज ने कहा जतरा आदिवासी समाज की संस्कृति में शामिल है. उन्होंने कहा कि जतरा आदिवासियों की पहचान है. हमारे पूर्वजों द्वारा प्रारंभ किए गए जतरा का हमारे जीवन में एक विशेष महत्व रखती है.जतरा का मुख्य आकर्षण खोड़हा नाच रहा.

मानव सेवा ही धर्म के लक्ष्य पर हमेशा खरा उतर रहा है: आशीष

ओरमांझी। लोक आस्था का महापर्व छठ बड़े ही धूमधाम के साथ संपन्न हुआ.महापर्व में हर वर्ग के लोगों ने अपने-अपने माध्यम से सेवाएं प्रदान की.इसी बीच युवा दस्तक ओरमांझी के अध्यक्ष आशीष कुमार साहू ने छठ पूजा समिति को आर्थिक सहयोग एवं सदस्य राजा तिवारी द्वारा प्रखंड के निकट डोंबा नदी में छठ व्रतियों के लिए दूध का वितरण किया गया. इसके अलावा कई ग्रामीण इलाकों में युवा दस्तक ओरमांझी के द्वारा दूध की व्यवस्था की गई.सेवा के माध्यम से 500 से अधिक श्रद्धालुओं को दूध का वितरण किया गया. वहीं युवा दस्तक के अध्यक्ष सह भाजपा युवा नेता आशीष कुमार साहू ने कहा कि छठ मैया के असीम कृपा और आशीर्वाद से कार्यक्रम ऐतिहासिक रूप से संपन्न हुआ. माता के आशीर्वाद से आने वाले हर वर्षों में इसी तरह मानव सेवा के कार्यक्रम किए जाएंगे. इसीलिए युवा दस्तक के सभी सदस्य बधाई के पात्र हैं. मौके पर मुख्य रूप से अध्यक्ष आशीष कुमार साहू, राजा तिवारी, अमित कुशवाहा, सिद्धार्थ, राज साहू, विजय महतो, घांशु महतो, नवीन महतो, विक्रम कुमार,अभय कुमार, साहिल कुमार आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे.

सोहराय जतरा : ग्राम देवता और ईष्ट देवता की पूजा अर्चना की गयी

देर रात तक चला नृत्य-संगीत का दौर

विशेष संवाददाता। रांची

नगरा टोली सरना स्थल में सोहराय जतरा का आयोजन मंगलवार को किया गया. इस मौके पर पाहन पुजार हलधर चंदन पाहन ने विधिवत रूप से जतरा खूंटा की पूजा की. इसके साथ ही मानकी मुंडा रूढ़ी प्रथाओं के अनुसार ग्राम देवता और इष्ट देव सिंग बोंगा को रंगुवा और चरका मुर्गा की बलि देकर उन्हें अर्पित किया.

पाहन ने बताया कि आदिवासी समाज कृषि कार्यों के बाद अनाज फसल अन्न धन की प्राप्ति से प्रसन्न होकर अपने पशु धन और देवी देवताओं का आभार प्रकट करने को लेकर सोहराय पूजा करते हैं.यह परंपरा सदियों से चली आ रही है.

पूजा पाठ के बाद रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित, सांसद महुआ माजी हुई शामिल : पूजा-पाठ के बाद रंगारंग सांस्कृति कार्यक्रम आयोजित किए गए. देर रात लोग ढ़ोल-मांदर की थाप पर थिरके. कार्यक्रम में विधायक राजेश कच्छप, राज्यसभा सांसद महुआ मांझी , लालपुर थाना प्रभारी समेत कई सामाजिक संगठनों के लोगों ने हिस्सा लिया. पद्मश्री मुकुंद नायक और उनके साथी कलाकार अपने लोकगीत संगीत के साथ कार्यक्रम में समा बांधा.

पारंपरिक वेशभूषा में कई खोड़हा मंडली परंपरागत वेशभूषा और पारंपरिक वाद्य यंत्र ढोल नगाड़ा और नागपुरी संगीत के साथ हजारों की भारी संख्या में लोग खूब थिरके. आयोजन में समिति की अध्यक्ष सोनी लकड़ा, गीता लकड़ा, निरंजना हेरेंज टोप्पो,मुन्ना टोप्पो, डेंगो लकड़ा, राजू लकड़ा, राहुल लकड़ा, उर्मिला भगत, श्रीकांत बड़ा आदि की अहम भूमिका रही.

खास बातें
- पाहनों ने विधिवत रूप से जतरा खूंटा की पूजा की
- देर रात लोग ढ़ोल-मांदर की थाप पर थिरके लोग
- देवी देवताओं का आभार प्रकट है सोहराय पूजा

जर्जर सड़क का विशेष मरम्मतीकरण कार्य होगा : विधायक

लापुंग। लापुंग प्रखंड के प्रसिद्ध घघारी बाबा धाम में दो किलोमीटर जर्जर सड़क का विशेष मरम्मतीकरण होगा. मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने दो सड़क मरम्मतीकरण, एक पीसीसी सड़क का निर्माण तथा उप स्वास्थ्य केंद्र का शिलान्यास किया. इस मौके पर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि लापुंग के ग्रामीणों के समस्याओं का निराकरण करना उनकी प्राथमिकता है. उन्होंने कहा कि लापुंग प्रखंड के विकास के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं. उन्होंने अलग अलग आयोजित कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों से कहा कि आजकल ग्रामीणों को बहकाने भड़काने और गांव को तोड़ने की साजिशें की जा रही है.गांव के पारंपरिक जतरा के मंच को बोली लगाकर खरीदी जा रही है. जो सबसे अधिक चंदा देगा उसे मंच पर स्थान दिया जा रहा है.पहले इस तरह बोली नहीं लगायी जाती थी लेकिन अब गंदी राजनीति की जा रही है. उधर, लतरातु और सरसा देवगांव तथा घघारी सहित कंडरकेल, ककरिया डुरु एवं खटंगा, डिंबा सहित मनहा टोंगरी तक लोगों में उम्मीद की किरणें चमक उठी हैं.

समारोह हज हाउस में लाइब्रेरी कम कामन रूम का किया उद्घाटन

हज यात्रियों को देंगे बेहतर सुविधा : मंत्री

संवाददाता। रांची

कडरू स्थित हज हाउस में लाइब्रेरी कम कामन रूम का उद्घाटन मंगलवार को ग्रामीन विकास मंत्री आलमगीर आलम एवं झारखंड राज्य हज कमेटी के अध्यक्ष सह विधायक इरफान अंसारी ने संयुक्त रूप से किया. मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि हज यात्रा में आजमीन ए हज को अच्छी से अच्छी सुविधा मिले, इसकी पहल की जाएगी. यहां से हज यात्रियों को सारी सुविधाएं मुहैया कराई जाएं ऐसी व्यवस्था कराई जाएगी. हज यात्रियों के पास्पोर्ट बनने में काफी विलंब होता है, इस पर बेहतर व्यवस्था कराई जाए ताकि जाने वाले हज यात्रियों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो.

हज हाउस में हज यात्रा के बाद गरीब बच्चों की शिक्षा, कंपीटीशन की तैयारी की व्यवस्था करे सरकार : विधायक

विधायक इरफान अंसारी ने मंत्री को अवगत कराते हुए कहा कि हज यात्रा आरंभ होने से तीन माह तक सरफ ए हज का कार्य होता है, उसके बाद हज हाउस में सन्नाटा हो जाता है. उन्होंने कहा कि बीच शहर में इतना बड़ा धरोहर है. इस अवधि में हम लोग यदि दूसरे राज्यों की भांति तेज हरार व टैलेंटेड बच्चे जो गरीबी व लाचारी के कारण अपनी शिक्षा एवं अन्य कंपीटीशन की तैयारी करने में असमर्थ हैं, वैसे बच्चों को यहां शिक्षा पर बेहतर प्रशिक्षण दिया जाए. साथ ही कंपीटीशन की तैयारी भी कराई जाए. ताकि हमारे झारखंड के गरीब अल्पसंख्यक बच्चे भी कल आईएएस, आईपीएस, चिकित्सक, इंजीनियर, शिक्षिक, प्रोफेसर आदि बन सके. इन बच्चों की शिक्षा पर होने वाले खर्च की व्यवस्था सरकारी पहल पर की जाये.

इस विषय पर करेंगे बात : मंत्री

मंत्री आलमगीर आलम ने आश्वासन देते हुए कहा कि इस विषय पर सरकारी स्तर पर वार्ता करेंगे . उन्होंने कहा कि 29 नवंबर को राज्य हज कमेटी का तीन वर्षों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है . आगे कमेटी के जो भी लोग चुन कर आये वे इसे अच्छी तरह आगे से आगे लेकर चले .

एसपी नौशाद आलम से आज ईडी करेगी पूछताछ

रांची। साहिबगंज के एसपी नौशाद आलम से बुधवार को ईडी की टीम पूछताछ करेगी. उनपर अवैध खनन मामले में ईडी के गवाह रहे विजय हांसदा को दिल्ली जाने के लिए टिकट की व्यवस्था कराने का आरोप है. ईडी ने 10 नवंबर को समन भेज कर एसपी नौशाद आलम को पूछताछ के लिए 22 नवंबर को रांची के हिनू स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में हाजिर होने का निर्देश दिया था. उन पर साहिबगंज में अवैध खनन के गवाह विजय हांसदा को भड़काने का आरोप है. साथ ही पंकज मिश्रा बनाम विजय हांसदा मामले में उसे दिल्ली भेजने के लिए टिकट की व्यवस्था कराने का भी आरोप है. ईडी ने जांच में पाया था कि विजय हांसदा को सुप्रीम कोर्ट में चल रहे मामले में अपना पक्ष रखने के लिए दिल्ली जाना था.

बचे रैयतों को जल्द से जल्द नौकरी दे प्रबंधन : इरफान

संवाददाता। डकरा

बिहार कोलियरी कामगार यूनियन सीटू के एनके एरिया अध्यक्ष इरफान खान ने बयान जारी कर कहा कि चूरी खदान विस्तारीकरण के लिये 1985 ई में 48.24 एकड़ जमीन सीसीएल अधिग्रहण करने बाद प्रबंधन द्वारा 36 वर्ष में मात्र पांच लोगों को ही पिछले साल नौकरी दी है. बाकी लोगों की नौकरी प्रक्रिया हो रही ऐसा कहकर प्रबंधन रैयतों को झूठा आश्वासन दे रही है. उन्होंने कहा कि रैयतों को नौकरी देने एवं प्रबंधन के गलत नीति को लेकर बीसीकेयू यूनियन के द्वारा पिछले माह एनके महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष धरना दिया गया था. जिसमें प्रबंधन के द्वारा जल्द नौकरी देने का आश्वासन देकर धरना को समाप्त कराया था. लेकिन लंबे समय बीत जाने के बाद भी प्रबंधन इस पर कोई पहल नहीं किया गया.

खास बातें
- 36 वर्ष में मात्र पांच लोगों को ही पिछले साल नौकरी दी है
- प्रबंधन के गलत नीति के कारण यूनियन ने धरना दिया

ब्रीफ खबरें

32 नवप्रशिक्षु दारोगा को निलंबित किया गया

पूर्वी चंपारण । जिले में एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने कर्त्तव्यहीनता एवं अनुशानहीनता के आरोप में एक साथ 32 नवप्रशिक्षु दारोगा को निलंबित कर दिया है और इसकी रिपोर्ट बिहार पुलिस मुख्यालय को भेज दी है. इसकी पुष्टि करते हुए पूर्वी चंपारण के एसपी मिश्र ने कहा कि पुलिस अकादमी राजगीर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 100 दारोगा (ट्रेनी एसआई) को व्यवहारिक प्रशिक्षण के लिए पूर्वी चंपारण भेजा गया था, जिसमें से 14 महिला समेत कुल 32 एसआई ने अपने पदस्थापित स्थल पर योगदान नहीं दिया.

भोज खाने गये व्यक्ति का मिला शव

नवादा । नवादा जिले के रजौली थानाक्षेत्र के सिरोडाबर पंचायत के भौर गांव में मंगलवार को एक शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. मृतक भौर गांव के दर्शन यादव के छोटे पुत्र महावीर यादव है. घटना की सूचना मिलने पर परिजन में कोहराम मच गया है. परिजन ने बताया कि रात में गांव में ही भोज खाने के लिए गए थे और देर रात तक नहीं लौटे. उसकी खोजबीन की गई लेकिन कुछ पता नहीं चल सका. मंगलवार को पता चला कि उनका शव आलू के खेत में पड़ा हुआ है. ऐसा लगता है किसी ने हत्या कर शव को आलू के खेत में फेंक दिया है.

नाबालिग के साथ पड़ोसी ने किया दुष्कर्म

बक्सर । बक्सर में नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. मामला जिले के धनसोई थाना क्षेत्र के एक गांव का है. जहां 16 वर्षीय किशोरी ने आरोप लगाया है कि आरोपी युवक उसको फसल लगी खेत में जबरन खींचकर ले गया और उसके बाद उसने घटना को अंजाम दिया. मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित किशोरी और आरोपी युवक पड़ोसी है. सोमवार को किसी काम के सिलसिले में वह घर के बाहर निकली तो आरोपी युवक ने उसे पकड़ लिया और उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

नीतीश सरकार ने जारी किया नोटिफिकेशन

बिहार में लागू हुआ 75% आरक्षण

संवाददाता । पटना

बिहार में अब 75 फीसदी आरक्षण का लाभ मिलेगा. बिहार की नीतीश कुमार की सरकार ने इसको लेकर गजट प्रकाशित कर दिया है. यानी अब से शिक्षण संस्थानों और नौकरी में अनुसूचित जाति/जनजाति, ईबीसी और ओबीसी को 75 फीसदी आरक्षण का लाभ मिलेगा. मंगलवार (21 नवंबर) से इसे लागू कर दिया गया है. बिहार सरकार ने आरक्षण की सीमा में 15 फीसदी का इजाफा किया है. बता दें कि बिहार सरकार ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान आरक्षण संशोधन विधेयक 2023 पेश किया था. 9 नवंबर को इसे दोनों सदन से पास किया गया था. इसमें आरक्षण का दायरा बढ़ाकर 75 फीसदी करने का प्रावधान था. इस बिल को राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी बीजेपी ने भी अपना समर्थन दिया था. दिल्ली से लौटते ही राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर ने रिजर्वेशन बिल-2023 पर अपनी मुहर लगा दी.

मुख्यमंत्री ने 7 नवंबर को सदन में घोषणा की थी कि बिहार में आरक्षण के दायरे को बढ़ाया जाएगा. बिहार में 60% आरक्षण की व्यवस्था को बढ़ाकर 75% करने का एलान सीएम ने किया था. इस एलान के तुरंत बाद ही नीतीश कुमार ने कैबिनेट की मीटिंग बुलाई थी. ढाई घंटे के भीतर ही कैबिनेट ने आरक्षण के दायरे को बढ़ाने के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी थी. इसके बाद 9 नवंबर को दोनों सदनों से इसे पारित किया गया था.

बिल के लागू होने के बाद बिहार में एससी को 20 फीसदी, एसटी को दो फीसदी. अति पिछड़ा को 25 फीसदी और पिछड़े वर्ग को 18 फीसदी आरक्षण का लाभ मिलेगा. इसके साथ ही सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को मिलने वाला 10 फीसदी आरक्षण का प्रावधान लागू रहेगा. शिक्षण संस्थानों और सरकारी नौकरी में पिछले, दलित और महादलित को इस आरक्षण का लाभ मिलेगा. इस वर्ग के छात्रों को सरकारी कॉलेज और यूनिवर्सिटी में इसका फायदा होगा.

नीतीश कुमार को शर्म नहीं आती

कहते हैं जो पिएगा वो मरेगा : प्रशांत किशोर

पटना । जन स्वराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने मंगलवार को प्रेस वार्ता में नीतीश सरकार पर तंज कहते हुए कहा कि इस आदमी को इस बात का अहंकार हो गया है कि हम यहां से हट ही नहीं सकते. सीतामढ़ी और गोपालगंज में 10 लोगों की मौत शराब पीने से हो गई लेकिन सीएम कहते हैं कि जिलाधिकारी को निर्देश दिया है. बीते दिनों छपरा में जहरीली शराब पीने से 70 लोगों की दुखद मृत्यु हो गई थी और ये आदमी पॉकेट में हाथ डालकर कहता था कि जो पिएगा वो मरेगा. ऐसे आदमी को लोग अगर वोट देते हैं, तो गलती नीतीश कुमार की नहीं है बिहार की जनता की है. उन्होंने कहा कि आपके बच्चों का जो निवाला छीन लिया, आपके बच्चों की जिसने पढ़ाई की व्यवस्था भंग करके अनपढ़ बना दिया, आपके बच्चों को जिसने मजदूर बना दिया उस आदमी को आप जाकर वोट देते हैं, तो आपसे बड़ा गुनहगार कौन है? इसमें सबसे बड़ी दुखद की बात ये है कि बिहार धरती ही देश में एक मात्र ऐसा राज्य है, जहां 10 लोगों की जहरीली शराब पीने से मौत हो जाए और राज्य का मुखिया इतना अहंकारी हैं कि देखने तक नहीं गया. ये अहंकार क्यों है ? क्योंकि ये आदमी जानता है कि वोट आप किसी को दीजिएगा.

आओ जानें

बिहार : सामान्य ज्ञान

दो धर्मों की जन्मस्थली : बिहार दुनिया के दो सबसे बड़े धर्मों बौद्ध धर्म और जैन धर्म का उद्गम स्थल है. विश्व का सबसे पुराना विश्वविद्यालय : बख्तियार खिलजी की सेना द्वारा नालंदा पुस्तकालय में आग लगा दी गई थी. ऐसा माना जाता है कि पुस्तकालय में 9 मिलियन पांडुलिपियाँ थीं और उन्हें जलने में पूरे 3 महीने लगे.

बिहार का सबसे स्वच्छ शहर बना मुजफ्फरपुर : सपने देखने मात्र से कुछ नहीं होता. उसे साकार करने के लिए धरातल पर कड़ी मेहनत करनी पड़ती है. एक तरह से कहा जाए तो जो सोता है वह खोता है और जो जगता है वह पाता. ताजा मामला स्वच्छ एंव सुदं शहर को लेकर आया है. बताया जा रहा है कि राजधानी पटना, भागलपुर और गया को पीछे छोड़ते हुए मुजफ्फरपुर बिहार का सबसे सुंदर और स्वच्छ शहर बन गया है.

मधुबनी देश का दूसरा सबसे सुंदर रेलवे स्टेशन : नेपाल बॉर्डर से सटा बिहार का मधुबनी जिला जो अपनी मधुरवाणी के साथ ही मधुबनी पेंटिंग्स के लिए भी विश्व भर में प्रसिद्ध है. यहां के रेलवे स्टेशन की दीवारें भी खूबसूरत मधुबनी पेंटिंग्स की चटख रंगों से दमक रही हैं.

एनएच पर लोगों ने किया बवाल, कहा-मौके से भाग गए आईएएस

डीएम की कार ने 5 को कुचला 3 की मौके पर मौत, 2 घायल

संवाददाता । मधुबनी

मधुबनी में मंगलवार की सुबह मधेपुरा डीएम की गाड़ी ने फुलपरास पुरवारी टोला के पास पांच लोगों को कुचल दिया. इस हादसे में महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई. दो लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है. घायलों को इलाज के लिए रेफर किया गया है. घटना सुबह के करीब सात से आठ बजे के आसपास की है. मधुबनी के डीएम अरविंद कुमार ने फोन पर तीन की मौत की पुष्टि की है. उन्होंने कहा कि दो लोग घायल हुए हैं. उन्हें एंबुलेंस से इलाज के लिए भेजा गया है. मृतकों की पहचान गुड़िया कुमारी (उम्र 35 वर्ष) और उसकी बेटी आरती कुमारी (उम्र 05 वर्ष) के रूप में की गई है. ये दोनों फुलपरास के पुरवारी टोला की रहने वाली थीं. एक मृतक सड़क पर काम करने वाला एनएचएआई का कर्मी था. दो घायलों की पहचान अशोक कुमार सिंह और राजेश कुमार सिंह के रूप में हुई है. दोनों राजस्थान से हैं और ये भी एनएच पर काम कर रहे थे.

आक्रोशित लोगों न एचएच को जाम कर दिया : घायलों को बेहतर इलाज के लिए फुलपरास रेफरल अस्पताल से डीएमसीएच रेफर कर दिया गया है. बताया जाता है कि डीएम की गाड़ी दरभंगा से मधेपुरा की ओर जा रही थी. इसी दौरान रास्ते में यह हादसा हो गया. हादसे के बाद मधुबनी डीएम की गाड़ी रेलिंग से टकरा गई. घटना से आक्रोशित हुए लोग एनएच-57 को जाम करने के बाद हंगामा करने लगे. लोगों ने डीएम की गाड़ी को घेर लिया. गाड़ी में तोड़फोड़ करने लगे. फुलपरास थाना के पास फोरलेन पर यह दुर्घटना हुई है. घटना के बाद मधेपुरा के जिलाधिकारी की गाड़ी घटनास्थल पर ही खड़ी रही लेकिन चालक समेत सवार लोग फरार हो गए. बता दें कि वर्तमान डीएम विजय प्रकाश मीणा हैं.

बताया जाता है कि सुबह में एनएचएआई के कर्मी सड़क पर सफेद पट्टी पेंट कर रहे थे. अचानक एक महिला अपनी बेटी के साथ सड़क पर आ गई. उन्हें बचाने के लिए डीएम की गाड़ी के ड्राइवर ने पूरी कोशिश की लेकिन यह घटना हो गई. डीएम की गाड़ी में मधेपुरा के डीएम नहीं थे. इसकी पुष्टि मधेपुरा के डीपीआरओ कुंदन कुमार सिंह ने की है. घटना के बाद पुलिस समेत वरीय पदाधिकारी मौके पर पहुंचे. आक्रोशित लोगों को समझाने का प्रयास किया.

छठ पूजा समारोह के बाद लौटते समय रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी.

तस्करी कर लाए गए 8 ऊंट पूर्णिया से बरामद

पूर्णिया । तस्करी कर लाए गए आठ राजस्थानी ऊंट को पुलिस ने सोमवार की रात बरामद किया है. विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार मोनू और सामाजिक कार्यकर्ता सुजीत चौधरी ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महेंद्रपुर छतिया गांव में पहुंचकर तस्करी के ऊंट की खोजबीन कर उसका पता लगाया था. इसके बाद मुफस्सिल थानाध्यक्ष को इसकी सूचना दी. जानकारी मिलने के बाद मुफस्सिल थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार और एसआई रमेश पासवान दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे. आठ ऊंट को कब्जे में लेकर पशु चिकित्सालय महेंद्रपुर में डॉक्टर की निगरानी में रखा गया है.

सड़क हादसे में पूर्व मुखिया समेत दो की मौत, दो गंभीर

संवाददाता । गया

जिले के मगध मेडिकल थाना अंतर्गत हारियो के समीप सोमवार देर रात को एक डंपर वाहन ने स्कार्पियो वाहन में पीछे से टक्कर मार दी. इस घटना में चार पहिया वाहन में सवार दो लोगों की मौत मौके पर ही हो गई. वहीं, दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. जानकारी के अनुसार गया के नगर प्रखंड के एक पंचायत के पूर्व मुखिया अजीत यादव हजारीबाग गए हुए थे. हजारीबाग से वे गया स्थित अपने घर लालगंज को लौट रहे थे. इसी क्रम में घर पहुंचने से चंद किलोमीटर पीछे ही एनएच 83 पर एक डंपर वाहन ने पूर्व मुखिया के स्कॉर्पियो को पीछे से ठोकर मार दी.

घटना के बाद डंपर चालक वाहन को भगा ले जाने में सफल रहा. वहीं, डंपर के जोरदार धक्के से स्कॉर्पियो में सवार पूर्व मुखिया अजीत यादव और संतोष यादव की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं, दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. मृतक दोनों मगध मेडिकल थाना के लालगंज गांव के रहने वाले थे. वहीं, घटना की जानकारी होते ही गांव में चीत्कार का आलम हो गया है. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हुआ है.

कारोबार

कीवी ने 108 करोड़ रुपये जुटाए

नयी दिल्ली । वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनी कीवी ने ओमिड्यार नेटवर्क इंडिया की अगुवाई में वित्तपोषण दौर में 1.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 108 करोड़ रुपये) जुटाए हैं. कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार, वित्तपोषण के इस दौर में मौजूदा निवेशक नेक्सस वेंचर पार्टनर्स और स्टेलारिस वेंचर पार्टनर्स ने भी भाग लिया. वित्तपोषण के ताजा दौर से कीवी भारत में अपने 'यूपीआई पर क्रेडिट कार्ड' की पेशकश का विस्तार कर पाएगी. यूपीआई के साथ क्रेडिट कार्ड पेश करने वाली भारत की पहली वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी है.

आईआईएफएल बनी दूसरी बड़ी ऋण दाता

नयी दिल्ली । आईआईएफएल फाइनेंस देश की दूसरी सबसे बड़ी स्वर्ण ऋण गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) बन गई है. इसने स्वर्ण ऋण पोर्टफोलियो में मणप्पुरम फाइनेंस को पीछे छोड़ दिया है. आईआईएफएल फाइनेंस के स्वर्ण ऋण (गोल्ड लोन) पोर्टफोलियो ने 23,690 करोड़ रुपये के एयूएम (प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां) को पार कर लिया है. मणप्पुरम फाइनेंस का स्वर्ण ऋण एयूएम 20,809 करोड़ रुपये है. इस बाजार में सबसे आगे मुथूट फाइनेंस है. इसका स्वर्ण ऋण एयूएम सितंबर, 2023 तक 66,089 करोड़ रुपये था.

इरेडा ने एंकर निवेशकों से 643 करोड़ जुटाए

नयी दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (इरेडा) ने एंकर या बड़े निवेशकों से 643 करोड़ रुपये जुटाए हैं. कंपनी ने 58 कोषों को 32 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 20,10,19,726 शेयर आवंटित किए हैं. यह मूल्य दायरे का ऊपरी स्तर है. कंपनी का 2,150 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 नवंबर को खुल गया है. यह 23 नवंबर को बंद होगा. आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 30-32 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है. पिछले साल मई में जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाद यह किसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी का पहला आईपीओ है.

टेस्ला भारत में नए प्लांट के लिए शुरुआत में लगभग 2 बिलियन डॉलर निवेश की योजना बना रही है

अंतिम चरण में है भारत के साथ टेस्ला की डील

भाषा । नई दिल्ली

भारतीय उद्योग जगत के लिए टेस्ला काफी अहम माना जा रहा है. जबकि उतना ही महत्वपूर्ण एलन मस्क के लिए भारत भी है. टेस्ला भारत में निवेश कर यहां के बाजार में अपना पैर जमाना चाहती है. ब्लूमबर्ग ने अपनी एक रिपोर्ट में जो जानकारी दी है उसके अनुसार भारत के साथ टेस्ला की डील अंतिम चरण में है. वैसे इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) बनाने वाली एलन मस्क की कंपनी टेस्ला इंक की अगले साल भारत में एंट्री होने वाली है.

बीते दिनों एलन मस्क ने भी कहा था कि वो अगले साल भारत आने का प्लान कर रहे हैं. अमेरिका की इस ईवी कंपनी को भारत अगले साल से देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को आयात करने और दो साल की अवधि के भीतर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने की अनुमति देगा. जनवरी में वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट में इसकी आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है. गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में टेस्ला अपना इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप कर सकता है.

रिपोर्ट में कहा गया है कि टेस्ला भारत में नए प्लांट के लिए शुरुआत

कंपनी भारत में बैटरियां बनाने पर विचार कर रही है

में लगभग 2 बिलियन डॉलर, यानी करीब 16,000 करोड़ का निवेश करने की योजना बना रही है. उनकी भारत से 15 बिलियन डॉलर, यानी करीब 1.2 लाख करोड़ तक के ऑटो पार्ट्स खरीदने की भी योजना है. कंपनी लागत कम करने के लिए भारत में कुछ बैटरियां बनाने पर विचार कर रही है.

हाल ही में कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने कैलिफोर्निया में टेस्ला की मैन्युफैक्चरिंग फैसेलिटी विजिट की थी. हालांकि, इस दौरान कंपनी के मालिक एलन मस्क मौजूद नहीं थे. उन्होंने एक एक्स पोस्ट में लिखा था कि आपका टेस्ला में आना सम्मान की बात है. आज कैलिफोर्निया नहीं आ पाने के लिए मुझे खेद है, लेकिन मैं फ्यूचर डेट में मीटिंग की आशा रखता हूं. पीयूष गोयल ने तस्वीरें शेयर करते हुए एक्स पर लिखा था कि प्रतिभाशाली भारतीय इंजीनियरों और फाइनेंस प्रोफेशनल्स को सीनियर पोजिशन पर काम करते हुए और टेस्ला की रिमार्केबल जर्नी में योगदान करते हुए देखकर बेहद खुशी हुई. गोयल ने कहा कि एलन मस्क की मैग्नेटिक प्रेजेंस को मिस किया और मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं.

बता दें कि इसी साल जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से न्यूयॉर्क में टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने मुलाकात की थी. इस मुलाकात के बाद मस्क ने कहा था कि भारत में दुनिया के किसी भी बड़े देश की तुलना में अधिक संभावनाएं हैं. मैं भारत के भविष्य को लेकर उत्साहित हूं. मैं मोदी का फैन हूं. यह एक शानदार मुलाकात थी. मैं उन्हें काफी पसंद करता हूं. पीएम मोदी ने भी इस मुलाकात की तस्वीर ट्वीट करते हुए लिखा था कि आज आपसे शानदार मुलाकात हुई एलन मस्क. हमने ऊर्जा से लेकर आध्यात्मिकता तक के इश्यूज पर बातचीत की. पिछले साल टेस्ला ने भारत आने की इच्छा जताई थी, लेकिन तब कंपनी और सरकार के बीच बात नहीं बन पाई थी. टेस्ला ने सरकार से पूरी तरह से असेंबल गाड़ियों पर लगने वाली इंपोर्ट ड्यूटी को 100% से घटाकर 40% करने की मांग की थी. कंपनी चाहती थी कि उसकी गाड़ियों को लग्जरी नहीं बल्कि इलेक्ट्रिक व्हीकल माना जाए,

मस्क तैयार

- जनवरी में वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट का आयोजन
- तमिलनाडु में टेस्ला इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप कर सकता है

कंपनी की स्थापना जुलाई 2003 में हुई थी

यूएस-मुख्यालय वाली कंपनी वर्तमान में चीन के शंघाई, जर्मनी के बर्लिन और अमेरिका में ऑस्टिन और फ्रेमोंट में अपने वाहन बनाती है. जनवरी में कंपनी द्वारा साझा किए गए अनुमानों के अनुसार, कैलिफोर्निया के फ्रेमोंट में स्थित इसके संयंत्र में एक वर्ष में 650,000 इकाइयों को जोड़ने की क्षमता है. ऑस्टिन, टेक्सास में स्थित प्लांट सालाना लगभग 250,000 वाहनों का उत्पादन कर सकता है. शंघाई और बर्लिन में उत्पादन इकाइयों की कुल क्षमता क्रमशः 750,000 और 250,000 यूनिट प्रति वर्ष है. अपनी वाहन उत्पादन इकाइयों के अलावा, शंघाई में टेस्ला का प्लांट रिचार्जेबल बैटरी भी बनाता है. बता दें कि कंपनी की स्थापना जुलाई 2003 में हुई थी. आम धारणा के विपरीत, मूल रूप से इसकी स्थापना एलोन मस्क ने नहीं की थी, बल्कि दो उद्यमियों और इंजीनियरों मार्टिन एबरहार्ड और मार्क टारपेनिंग ने की थी.

5 साल में 3,000 कर्मचारियों की नियुक्ति करेगी टाइटन कंपनी

एजेंसी । मुंबई

टाइटन कंपनी की अगले पांच साल में इंजीनियरिंग, डिजाइन, लक्जरी, डिजिटल, डेटा विश्लेषण, विपणन और बिक्री सहित अन्य क्षेत्रों में 3,000 से अधिक कर्मचारियों की नियुक्ति की योजना है. कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. कंपनी को डेटा विश्लेषण, साइबर सुरक्षा, उत्पाद प्रबंधन, डिजिटल मार्केटिंग और अन्य नए जमाने के कौशल जैसे क्षेत्रों के लिए कुशल पेशेवरों की तलाश है. टाइटन कंपनी की प्रमुख (मानव संसाधन-कॉरपोरेट और खुदरा) प्रिया एम. पिल्लई ने कहा, हम अगले पांच साल में 1,00,000 करोड़ रुपये का कारोबार बनने के लिए एक रोमांचक यात्रा शुरू कर रहे हैं. अगले पांच साल में हम 3,000 नए लोगों को जोड़ेंगे. उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि अपने लोगों को आगे बढ़ाने के साथ यदि हम विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ लाते हैं, तो यह अच्छा होगा. इससे हमारी वृद्धि और नवोन्मेषण तेज होगा. उद्योग में हमारी स्थिति और मजबूत होगी. फिलहाल कंपनी के कार्यबल का 60 प्रतिशत महानगरों में कार्यरत है. वहीं 40 प्रतिशत दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में है.

अगले पांच साल में 1,00,000 करोड़ का कारोबार बनने के लिए एक रोमांचक यात्रा शुरू कर रहे हैं : पिल्लई

लक्ष्य गोदरेज प्रॉपर्टीज को आनेवाली आवासीय परियोजनाओं से उम्मीद है कायम

चालू वित्त वर्ष में 14000 करोड़ रुपये की बिक्री का लक्ष्य

एजेंसी । नयी दिल्ली

रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज को चालू वित्त वर्ष में 14,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग का लक्ष्य हासिल होने का भरोसा है. कंपनी के कार्यकारी चेयरपर्सन पिरोजशा गोदरेज ने यह बात कही है. उन्होंने कहा कि कंपनी को मौजूदा और आने वाली आवासीय परियोजनाओं से मजबूत मांग की उम्मीद है. गोदरेज समूह की रियल एस्टेट इकाई गोदरेज प्रॉपर्टीज ने पिछले वित्त वर्ष में 12,232 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेची थीं.

पिरोजशा गोदरेज ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा कि हम 14,000 करोड़ रुपये की सालाना बिक्री बुकिंग का लक्ष्य

हासिल करने की उम्मीद कर रहे हैं. उम्मीद है कि हमारा प्रदर्शन इससे भी बेहतर रहेगा. चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही अप्रैल-सितंबर में कंपनी की बिक्री बुकिंग 48 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 7,288 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 4,929 करोड़ रुपये थी. पिरोजशा ने कहा कि कंपनी के पास चालू वित्त की दूसरी छमाही में चार केंद्रित बाजारों...दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), पुणे और बेंगलुरु के लिए आक्रामक पाइपलाइन है. उन्होंने कहा, दिल्ली-एनसीआर हमारे लिए एक बड़ा बाजार है. हम मौजूदा और अगली तिमाही के दौरान नोएडा, गुरुग्राम और अशोक विहार-दिल्ली में आवासीय परियोजनाएं शुरू करने की योजना बना रहे हैं. इस वित्त वर्ष के पहले छह माह में 7,288 करोड़ रुपये की कुल बिक्री बुकिंग में दिल्ली-एनसीआर का योगदान 3,186 करोड़ रुपये रहा है.

बिक्री बुकिंग में एमएमआर का योगदान 1,458 करोड़ रुपये, बेंगलुरु का 1,239 करोड़ रुपये और पुणे का 1,187 करोड़ रुपये रहा है. परियोजनाओं की आपूर्ति पर पिरोजशा ने कहा कि क्रियान्वयन सही रास्ते पर है और कंपनी ने इस वित्त वर्ष की पहली छमाही में 65 लाख वर्ग फुट क्षेत्र की आपूर्ति की है. उन्होंने कहा कि हमें पूरे वित्त वर्ष में 1.25 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र की आपूर्ति का लक्ष्य हासिल करने का भरोसा है. वित्त वर्ष 2022-23 में गोदरेज प्रॉपर्टीज ने 1.04 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र की आपूर्ति की थी. वित्तीय प्रदर्शन की बात करें, तो चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में गोदरेज प्रॉपर्टीज का एकीकृत शुद्ध लाभ 22 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 66.80 करोड़ रुपये रहा है, जो एक साल पहले की समान अवधि में 54.96 करोड़ रुपये था. जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी की कुल आय बढ़कर 605.11 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले समान तिमाही में 369.20 करोड़ रुपये थी.

केईसी को 1,005 करोड़ की परियोजनाएं मिलीं

नयी दिल्ली । इंजीनियरिंग कंपनी केईसी इंटरनेशनल को अपने रेलवे और केबल सहित अपने विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों के लिए 1,005 करोड़ रुपये की नई परियोजनाएं मिली हैं. आरपीजी समूह की कंपनी को घरेलू बाजार के साथ-साथ पश्चिम एशिया, यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका में पारेषण और वितरण तथा केबलिंग के लिए परियोजनाएं मिली हैं. कंपनी ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि रेलवे क्षेत्र में उसे भारत में पारंपरिक खंड में 25 केवी ओवरहेड विद्युतीकरण (ओएचई) और संबंधित कार्यों का ऑर्डर मिला है. कंपनी को घरेलू और विदेशों बाजारों में विभिन्न प्रकार के केबल की आपूर्ति के ऑर्डर मिले हैं. केईसी इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी विमल केजरीवाल ने कहा, हम विशेष रूप से रेलवे में ऑर्डर से उत्साहित हैं, जो पारंपरिक रेल खंड में हमारी ऑर्डर बुक को और मजबूत करता है.

खतरे में सामाजिक सुरक्षा

विकास के दावों के विपरीत लोगों की आर्थिक स्थितियों के बदलाव की सुस्त गति से बढ़ती चिंताओं को चुनावी मौसम में हवा में उड़ा देने का प्रचलन निश्चय ही कभी भी आत्मघाती साबित हो सकता है. कुछ ऐसे आंकड़े सामने आ रहे हैं, उससे सामाजिक सुरक्षा के उपायों में भी कमी आने का संकेत दिखायी देने लगा है. आज के दौर में शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सेवाओं का लगातार निजीकरण होता गया है, यानी जब ये सेवाएं मुनाफा प्रेरित सेवाओं में तब्दील हो गई हों और परिवहन लगातार महंगा होता जा रहा हो, तब सामाजिक सुरक्षाओं को ले कर पैदा होने वाली गंभीर चिंताएं बेमानी नहीं कही जा सकतीं. दुनिया भर में इसके उदाहरण मिल रहे हैं और चुनावी पैटर्न में कुछ ऐसी प्रवृत्तियां भी दिखने लगी हैं, जिनके लिए इन मसलों को ले कर बेरूखी मौजूद है. दो दिनों पहले ही लातिनी अमेरिकी देश अर्जेंटीना, जो फुटबॉल के कारण बेहद जाना पहचाना देश है, में एक ऐसे नेता ने चुनाव जीत लिया है, जो शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य मंत्रालयों को खत्म करने के एजेंडे के साथ चुनाव जीत लिया है. दुनिया भर में जारी प्रवृत्तियों का यह एक उदाहरण भर है, लेकिन भारत का भी एक आंकड़ा बेहद गंभीर संकेतों से भरा हुआ है. भारत सरकार के पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) से सामने आया, यह आंकड़ा चिंताजनक है कि देश की श्रमशक्ति में 2022-23 में सिर्फ 21 प्रतिशत ऐसे कर्मचारी थे, जिन्हें नियमित तनख्वाह मिलती हो. 2019-20 में यह संख्या 23 प्रतिशत थी. यानी तीन साल में स्थायी नौकरी वाले कर्मचारियों की संख्या दो प्रतिशत गिर गई. इस सर्वे से सामने आया चिंता का दूसरा पहलू यह है कि इन कर्मचारियों के बीच सिर्फ 46 प्रतिशत ऐसे हैं, जिन्हें सामाजिक सुरक्षाएं मिली हुई हैं. सामाजिक सुरक्षाओं से तात्पर्य पेंशन, स्वास्थ्य बीमा, मातृत्व लाभ और ग्रैच्युटी है. 2018-19 में नियमित वेतन वाले 49 प्रतिशत कर्मचारियों को ऐसी सुविधाएं मिली हुई थीं. ये आंकड़े देश की कैसी तस्वीर पेश करते हैं, इसे समझने के लिए हमें इनको बड़े संदर्भ में देखना चाहिए. भारत में श्रम शक्ति उम्र वर्ग (15 से 60 वर्ष) में तकरीबन 95 करोड़ लोग हैं. लेकिन श्रम शक्ति में (यानी वे लोग जिन्हें रोजगार मिला हुआ है या रोजगार की तलाश में हैं) इस उम्र वर्ग के 45-46 प्रतिशत लोग हैं. यानी लगभग 45 करोड़. उनके बीच 21 प्रतिशत- यानी साढ़े आठ करोड़ लोगों को ही नियमित वेतन वाला काम मिला हुआ है. दुनिया में, जैसा कि बताया जाता है, कि भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है और कुछ वर्षों के अंदर ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है.

> पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) से सामने आया, यह आंकड़ा चिंताजनक है कि देश की श्रमशक्ति में 2022-23 में सिर्फ 21 प्रतिशत ऐसे कर्मचारी थे, जिन्हें नियमित तनख्वाह मिलती हो. 2019-20 में यह संख्या 23 प्रतिशत थी.

सुभाषित

वने रणे शत्रुजलाग्निमध्ये महार्णवे पर्वतमस्तके वा।
सुप्तं प्रमत्ते विषमस्थितं वा रक्षन्ति पुण्यानि पुराकृतानि।।

बहुत पहले (या पूर्वजन्म में भी)यदि किसी व्यक्ति ने धार्मिक आचरण द्वारा पुण्य अर्जित किये हों तो वे पुण्य सदैव उसकी रक्षा घने जंगलों में, युद्ध में, शत्रुओं से, जल ओर अग्नि से, समुद्र के मध्य में, पर्वतों की चोटियों मे, निद्रित या नशे की अवस्था में तथा अन्य विपरीत परिस्थितियों में करते हैं.

क्योंकि उनकी टीम बेहतर खेली

सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में डाटा और शोध हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण हो गए हैं और क्रिकेट इसका अपवाद नहीं है. ऑस्ट्रेलिया टीम के थिंक टैंक ने अपना काम बखूबी किया था और भारतीय बल्लेबाजों पर उनका खासा अध्ययन दिखा. एक-एक बल्लेबाज के लिए उनकी गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण की रणनीति नियोजित और सोची समझी दिखाई दी. यह शोध और सूझ भारतीय खेमे में नहीं दिखी. दरअसल इसमें आईपीएल के अध्ययन से भी बड़ी मदद ऑस्ट्रेलिया ने ली.

• देश-काल

डॉ. प्रमोद पाठक

अक्सर कहा जाता है कि क्रिकेट चांस यानी संयोग का खेल है. यानी जीत हार में किस्मत की बड़ी भूमिका होती है. किंतु यह सोच भ्रामक है. प्रयास का तो महत्व होता ही है. हो सकता है कई बार यह प्रतीत हो कि जीत में संयोग ने बड़ी भूमिका निभाई, लेकिन चांस आपके पक्ष में हो उसके लिए भी बेहतर प्रयास तो करना ही पड़ता है. इस लिहाज से अहमदाबाद में खेले गए विश्व कप क्रिकेट के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया की जीत को किसी भी कोण से संयोग नहीं कहा जा सकता. उनका प्रदर्शन खेल के हर क्षेत्र में बेहतर था. वैसे भी ऑस्ट्रेलिया की टीम को इस बार की जीत मिलाकर विश्व कप क्रिकेट में छह बार सफलता मिल चुकी है, जो यह साबित करती है कि उनकी टीम बेहतर है. शुरुआत के मैचों में साधारण प्रदर्शन के बाद जिस तरह से ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और उसके बाद के मुक़ाबलों में खेली वह बिल्कुल चैंपियन की तरह था. इसके विपरीत हमने शुरुआती दौर में जबरदस्त प्रदर्शन किया, लेकिन मौके पर चूक गए. हम अक्सर निर्णायक दौर में आकर मानसिक रूप से कमजोर साबित हो जाते हैं. 2003 के विश्व कप क्रिकेट फाइनल में भी यही हुआ, जब हम ऑस्ट्रेलिया के ही सामने बिखर गए. यही स्थिति 2015 के सेमीफाइनल में भी हुई थी. अंग्रेजी का एक मुहावरा है किलर इंस्टिंक्ट. इसका मतलब होता है कि निर्णायक घड़ी में पूरी तरह संयत रहना और मानसिक जीवटता बनाए रखना. दबाव के क्षण में या निर्णायक मौकों पर हमने अक्सर अपनी कमजोरी दिखाई है. हमारे खेल में कमी नहीं है.खिलाड़ियों में भी कमी नहीं है. कमी है जीवटता में, मनोभाव में और मानसिक स्थिरता में. यदि फाइनल मैच में हम रोहित शर्मा की ही बात करें तो उनके प्रदर्शन में थोड़ी गैर ज़िम्मेदाराना रुख दिखाई पड़ती है.फाइनल मैच में, वह भी ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम के सामने उन्हें यह तय करके आना था कि मुझे लंबी पारी खेलनी है. लेकिन उन्होंने जमने के बावजूद इस इरादे का प्रदर्शन नहीं किया. इस तरह के निर्णायक मैचों में निजी प्रदर्शन से ज्यादा जरूरी होता है कि टीम के लिए खेला जाए. शुरुआती दौर में इतनी जल्दबाजी दिखाने की जरूरत नहीं थी. फाइनल में रोहित शर्मा को बड़ी पारी खेलने की मानसिकता दिखानी थी और वे सक्षम थे. लेकिन 47 रन बनाने के बाद उन्हें लगा कि उन्होंने अपना काम कर दिया है तो आउट भी हो जाने से कोई दिक्कत नहीं है. जमा हुआ कोई भी अच्छा खिलाड़ी गेंदबाजी की खूबी से ज्यादा अपनी गलती से आउट होता है. इस तरह के मैच में संयोग से ज्यादा प्रयास की भूमिका होती है.संयोग का जहां तक सवाल है तो वह तो हर क्षेत्र में लागू होता है, लेकिन कहा जाता है की भाग्य भी बहादुरों का साथ देता है. और इसमें कोई शक नहीं कि ऑस्ट्रेलिया की टीम के खिलाड़ी बहादुरी के साथ खेलें. मात्र 47 रन पर तीन खिलाड़ी आउट होने के बाद एक बार लगा कि अपेक्षाकृत छोटे स्कोर के बावजूद भारत की जीत की संभावनाएं जिंदा हैं, लेकिन बाद के दो खिलाड़ियों ने जिस ढंग से संयमित मानसिकता और जीवटता का प्रदर्शन किया, उससे उन्होंने मैच को भारत के हाथों से छीन लिया. सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में डाटा और शोध हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण हो गए हैं और क्रिकेट इसका अपवाद नहीं है. ऑस्ट्रेलिया टीम के थिंक टैंक ने अपना काम बखूबी किया था और भारतीय बल्लेबाजों पर उनका खासा अध्ययन दिखा. एक-एक बल्लेबाज के लिए उनकी गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण की रणनीति नियोजित और सोची समझी दिखाई दी. यह शोध और सूझ भारतीय खेमे में नहीं दिखी. दरअसल इसमें आईपीएल के अध्ययन से भी बड़ी मदद ऑस्ट्रेलिया ने ली. आईपीएल में साथ-साथ खेलने से किस खिलाड़ी में क्या-क्या कमियां हैं और कमजोर पक्ष क्या है यह समझने में आसानी हुई. सूर्यकुमार यादव के मामले में यह तो स्पष्ट दिखा. उनको कैसी गेंदबाजी और कैसा क्षेत्र रक्षण देना था, यह काफी योजनाबद्ध तरीके से किया गया लगा. कुल मिलाकर उन्होंने भारतीय टीम का बड़ा ही गहन अध्ययन किया था और यह उनके प्रयासों में स्पष्ट दिखा. आजकल खेल महज खेल नहीं है, बल्कि एक गंभीर प्रक्रिया है. कहने की आवश्यकता नहीं हमें क्रिकेट में अपना थिंक टैंक मजबूत करना होगा और रणनीति सुदृढ़ करनी होगी. डाटा विश्लेषण और शोध पर भी ध्यान देना होगा. साथ ही खिलाड़ियों के मानसिक मजबूती और स्थिरता पर भी. अब खेल केवल खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन पर निर्भर नहीं है. यहां गौर करने वाली बात है कि इस बार के विश्व कप क्रिकेट में बल्लेबाजी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी भारतीय खिलाड़ी का रहा और गेंदबाजी में भी. बल्कि बल्लेबाजी में दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी भारतीय खिलाड़ी का ही रहा, लेकिन क्रिकेट तो टीम का खेल है. ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों और गेंदबाजों से हमारे बल्लेबाज और गेंदबाज किसी मायने में कम नहीं थे. बल्कि कुछ हद तक बेहतर थे, लेकिन व्यक्तिगत प्रदर्शन से ज्यादा जरूरी होता है टीम का प्रदर्शन. और इस कसौटी पर ऑस्ट्रेलिया की टीम हमसे बेहतर रही. बल्कि यह शुरू से उनकी खासियत रही है. यदि इसी विश्व कप क्रिकेट की बात करें तो अफ़ग़ानिस्तान के खिलाफ मैच में उन्होंने हारे हुए मैच को जीत में बदल दिया. सात विकेट गिरने के बाद जिस तरह उन्होंने 200 रन से ज्यादा जोड़ दिए, वह चमत्कारिक ही था. यह मानसिक मजबूती और टीम के प्रति प्रतिबद्धता से ही संभव हुआ. उस दिन ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के बीच में फर्क मैक्सवेल का नहीं था. बल्कि टीम के लिए खेलने के जज्बे और मानसिक मजबूती का था. चुनौती की घड़ी में धैर्य और जीवट को बनाए रखना जरूरी होता है. इसी में अफगानिस्तान चूकी और ऑस्ट्रेलिया सफल रही. इस फाइनल की हार से हमें बहुत कुछ समझने और सीखने की आवश्यकता है. क्यों हम बेहतर खिलाड़ी और अच्छे प्रदर्शन के बावजूद चूक जाते हैं यह खेल तकनीक से ज्यादा खेल मनोविज्ञान का विषय है और यह पक्ष हमारा कमजोर है.

• बोधि-वृक्ष | अज्ञात

डमरू की आवाज

एक बार की बात है, देवताओं के राजा इंद्र ने कृषकों से किसी कारण से नाराज होकर बारह वर्षों तक बारिश न करने का निर्णय लेकर किसानों से कहा- "अब आप लोग बारह वर्षों तक फसल नहीं ले सकेंगे." सारे कृषकों ने चिंतातुर होकर एक साथ इंद्रदेव से वर्षा करवाने प्रार्थना की . इंद्र ने कहा - "यदि भगवान शंकर अपना डमरू बजा देंगे तो वर्षा हो सकती है." इंद्र ने किसानों को यह उपाय तो बताया, लेकिन साथ में गुप्तवार्ता कर भगवान शिव से यह आग्रह कर दिया कि आप किसानों से सहमत न होना. जब किसान भगवान शंकर के पास पहुंचे तो भगवान ने उन्हें कहा - "डमरू तो बारह वर्ष बाद ही बजेगा." किसानों ने निराश होकर बारह वर्षों तक खेती न करने का निर्णय लिया. उनमें से एक किसान था जिसने खेत में अपना काम करना नहीं छोड़ा. वह नियमित रूप से खेत जोतना, निंदाई, गुड़ाई, बीज बोने का काम कर रहा था. कुछ वर्षों बाद गांव वाले इस परिश्रमी किसान से पूछने लगे - "जब आपको पता है कि बारह वर्षों तक वर्षा नहीं होने वाली तो अपना समय और ऊर्जा क्यों नष्ट कर रहे हो?" उस किसान ने उत्तर दिया-मैं भी जानता हूं कि बारह वर्ष फसल नंही आने वाली, लेकिन मैं यह काम अपने अभ्यास के लिए कर रहा हूं. क्योंकि बारह साल कुछ न करके मैं खेती किसानी का काम भूल जाऊंगा,मेरे शरीर की श्रम करने की आदत छूट जाएगी. इसीलिए यह काम मैं, नियमित कर रहा हूं ताकि जब बारह साल बाद वर्षा होगी तब मुझे अपना काम करने के लिए कोई कठिनाई न हो. ये तार्किक चर्चा माता पार्वती भी बड़े कौतूहल के साथ सुन रही थी. बात सुनने के बाद माता, भगवान शिव से सहज बोली- "प्रभु,आप भी बारह वर्षों के बाद डमरू बजाना भूल सकते हैं. माता पार्वती की बात सुन कर भोले बाबा चिंतित हो गए. अपना डमरू बज रहा या नहीं यह देखने के लिए उन्होंने डमरू उठाया और बजाने का प्रयत्न करने लगे. जैसे ही डमरू बजा बारिश शुरू हो गई, जो किसान अपने खेत में नियमित रूप से काम कर रहा था उसके खेत में भरपूर फसल आयी. बाकी के किसान पश्चात्ताप के अलावा कुछ न कर सके. आशय यह कि काम करने का अभ्यास बना रहना चाहिए.

झारखंड के 'सपने' कब सच होंगे?

• झारखंड

विजय केसरी

आज झारखंड के हर कोने से यह आवाज उभर कर सामने आ रही है कि आखिर सत्ता की राजनीति से झारखंड कब मुक्त होगा? जो सपने झारखंड अलग प्रांत निर्माण के देखे गए थे, कब सच होंगे ? हम सबों का प्यारा झारखंड 23 वर्षों का युवा हो चुका है. लंबे संघर्ष के बाद झारखंड अलग प्रांत का गठन हो पाया था. उम्मीद थी कि झारखंड अलग प्रांत निर्माण के बाद झारखंड वासियों के दिन सुधरेंगे. वर्षों से उपेक्षित झारखंड में चतुर्दिक विकास की गंगा बहेगी. लोगों को रोजगार मिलेगा. प्रांत वासियों का पलायन रुकेगा, लेकिन ऐसा कुछ भी होता दिख नहीं रहा है . झारखंड अलग प्रांत के सपने सत्ता की राजनीति की भेंट चढ़ गई हो, ऐसा प्रतीत होता है. आज झारखंड विधानसभा स्थापना दिवस पर सदन के सभी 81 विधायकों सहित सभी राजनीतिक दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं को यह विचार करना चाहिए कि झारखंड प्रांत को सत्ता की राजनीति से कैसे मुक्त किया जाए ? ध्यातव्य है कि सत्ता की राजनीति के कारण ही आपसी खींचातानी के चलते मात्र 27 महीने में ही झारखंड की पहली बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में बनी सरकार चली गई थी. फिर अर्जुन मुंडा इस राज्य के मुख्यमंत्री बने थे. वे भी आपसी खींचातानी के कारण अपना कार्यकाल पूरा कर नहीं पाए थे. झारखंड अलग प्रांत के अगुआ शिबू सोरेन एक बार कुछ दिनों के लिए ही झारखंड के मुख्यमंत्री बन पाए थे. झारखंड में सरकारें बनती गईं, कुछ साल और कुछ महीने चल कर ही समाप्त होती गई थीं. झारखंड वासियों के उम्मीद के विपरीत प्रांत की सरकारों के चलने के कारण सभी विकास के कामों में ग्रहण लग गया. यह सब कुछ सत्ता की राजनीतिक की कोख से जन्म ले रही थी. झारखंड विधान सभा अपने स्थापना काल से ही हर वर्ष किसी एक विधायक को उनके बेहतर आचरण और विधानसभा की कार्रवाई में पूर्ण सहयोग देने के निमित्त सर्वश्रेष्ठ विधायक सम्मान प्रदान कर अलंकृत करता रह रहा है. इस वर्ष झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो की अध्यक्षता में आहूत बैठक में कांग्रेस पार्टी के मनिका विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामचंद्र सिंह को 'बिरसा मुंडा उत्कृष्ट विधायक पुरस्कार' से सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है. अब सवाल यह उठता है कि झारखंड अलग प्रांत निर्माण के बाद झारखंड के विधायकों ने सत्ता की राजनीति से मुक्त होकर झारखंड के चतुर्दिक विकास में कितना सहयोग दिया है ? इसका उत्तर झारखंड की वर्तमान स्थिति को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है. यह झारखंड विधानसभा के लिए दुर्भाग्य की बात है कि पक्ष और विपक्ष के विधायकों ने ऐसा कोई विशिष्ट उदाहरण विधानसभा में नहीं प्रस्तुत किया, जिससे यह प्रतीत हो कि विधानसभा के बहुमूल्य समय का सदुपयोग हुआ हो. झारखंड की हरियाली बीते 23 वर्षों में बहुत ही कम हुई है. झारखंड का नाम झारखंड इसलिए पड़ा था कि यह प्रदेश पेड़ पौधों की हरियाली से भरा पड़ा था. इस प्रदेश में खनिज संपदा के बाद पेड़ पौधे ही संपदा के रूप में मौजूद हैं. बीते 23वर्षों के दरमियान वन विभाग द्वारा संचिकाओं पर झारखंड की हरियाली को बरकरार रखने के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए गए, लेकिन जमीनी स्तर पर परिणाम क्या सामने आया? पढ़कर और सुनकर घोर आश्चर्य होगा. बीते 23वर्षों में जंगलों की अवैध कटाई ने झारखंड की पहचान ही मिटाती चली जा रही है. किसी भी राज्य के विकास के लिए 23 वर्षों का समय कम नहीं होता है, लेकिन अब तक झारखंड एक लूट का ही प्रांत बना रहा. जिसे जब भी अवसर मिला, झारखंड को लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ा. सत्ता की राजनीति के कारण झारखंड, राजनीतिक अस्थिरता का भी पूरी तरह शिकार हो चुका है. इस कारण झारखंड के अधिकारी भी बेलगाम हो गए. राज्य में विधि व्यवस्था को कायम करने के लिए मुख्यमंत्री कड़े से कड़े आदेश दिए, लेकिन परिणाम ढाक के तीन-पात ही निकले. झारखंड के अधिकारी अपनी मनमर्जी से प्रशासनिक कार्य पूरा करते हैं. यह झारखंड का दुर्भाग्य ही है कि झारखंड के लूट में झारखंड के बड़े बड़े अधिकारी शामिल रहे हैं. उदाहरण के तौर पर पूजा सिंघल जो इस प्रांत के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन रहीं. आज पूजा सिंघल मनी लांड्रिंग और आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के केस में रांची जेल में बंद हैं. इसके अलावा झारखंड के कई वरीय पदाधिकारियों के विरुद्ध भी मुकदमे चल रहे हैं.

> बीते 23 वर्षों के दरमियान वन विभाग द्वारा संचिकाओं पर झारखंड की हरियाली को बरकरार रखने के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए गए, लेकिन जमीनी स्तर पर परिणाम क्या सामने आया? पढ़कर और सुनकर घोर आश्चर्य होगा. बीते 23 वर्षों में जंगलों की अवैध कटाई झारखंड की पहचान ही मिटाती चली जा रही है.

क्या गाज़ा पर इजराइल आधिपत्य जमा लेगा?

• सामयिकी

पुष्प रंजन

सबसे बड़ा सवाल यह है कि गाज़ा अपने अस्तित्व में रहेगा या नहीं? इज़राइली फोर्स जिस तेज़ी से आगे बढ़ रहा, और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों को बिंजामिन नेतन्याहू जिस तरह से ठेंगे पर रख रहे हैं, उससे साफ लग रहा है कि जीती हुई इस ज़मीन को इज़राइल आने वाले दिनों में छोड़ेगा नहीं. गाज़ा इज़राइल का अभिन्न अंग बन जाएगा, ऐसा तेल अवीव में बैठे विश्लेषक भी मान रहे हैं. नेतन्याहू भले युद्ध अपराधी घोषित कर दिये जाएं, मगर उनकी लीकुड पार्टी गाज़ा की फतह से अपनी ज़मीन मज़बूत करेगी, इस बात से इंकार नहीं कर सकते. सांप्रदायिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो ईरान के शिया नेतृत्व से मदद लेना भी हमास लीडरशिप की सबसे बड़ी ग़लती रही है. गाज़ा की इस लड़ाई में ईरान ने अपना उल्लू सीधा कर मध्य-पूर्व रसूख़ बढ़ाया है, इस बात को हमास के वो नेता शायद देर से समझ पायें, जो पूरी तरह अयातुल्ला ख़ामेनई पर भरोसा करते रहे. मगर वही बात, सबकुछ लुटा के होश में आये तो क्या किया? वे चेहरे, जो हमास को कंट्रोल करते हैंः इस्माइल हानिया हमास के टॉप लीडर हैं. मगर उनके अलावा दूसरे चेहरे भी इस संगठन को कंट्रोल करते हैं. सालेह अल-अरौरी कथित तौर पर हमास की लेबनान शाखा के प्रमुख हैं. उन्होंने 2021 में आहूत आंतरिक चुनावों के बाद वेस्ट बैंक का नेतृत्व भी संभाला, जबकि खालिद मेशाल को प्रवासी कार्यालय का नेतृत्व करने के लिए चुना गया था, जो क़तर में रहते हैं. 'ख़ान यूनिस का कसाई' नाम से कुख्यात याहया इब्राहिम हसन सिनवार हमास के दूसरे टॉप लीडर हैं, जिन्होंने 2017 में हमास का नेतृत्व संभाला था. हसन सिनवार ज़िंदा हैं, तो कहां भूमिगत हैं? यह भी एक रहस्य है. मोहम्मद दीफ, का दूसरा नाम अल-मसरी है. दीफ को अबू खालिद के नाम से भी जाना जाता है, जो वर्तमान में हमास की सैन्य शाखा 'अल-कसम ब्रिगेड' के सर्वोच्च सैन्य कमांडर हैं. इनका अता-पता 7 अक्टूबर के हमले के बाद से नहीं है. दीफ़ का दाहिना हाथ मारवान इस्सा दूसरा महत्वपूर्ण चेहरा है, हमास लीडरशिप में. खालिद मशान सुपरिचित चेहरा है हमास लीडरशिप में. कुवैत में जन्मे अब्दुल्ला बरगूती के अलावा अबू अल बारा उर्फ़ इस्सा इज़राइल की मोस्ट वांटेड लिस्ट में है. अल-अरौरी हमास की सैन्य शाखा, इज्ज अद-दीन अल-कसम ब्रिगेड के संस्थापक कमांडर हैं. 2023 तक उन्हें हमास के राजनीतिक ब्यूरो का उपाध्यक्ष और वेस्ट बैंक का हमास का सैन्य कमांडर माना जाता रहा है. साले अल-अरौरी लेबनान में रहते हैं. महमूद अल-जहार हमास के सह-संस्थापक और गाजा पट्टी में हमास लीडरशिप के प्रमुख सदस्य हैं. अल-जहर ने मार्च 2006 में हमास के प्रभुत्व वाली फिलिस्तीनी प्राधिकरण सरकार (जिसे पहली हनिया सरकार के रूप में भी जाना जाता है) में विदेश मंत्री के रूप में कार्य किया, जिसे 20 मार्च 2006 को शपथ दिलाई गई थी. हमास कतर की राजधानी दोहा में कार्यालय चलाता है. इसके सर्वोच्च नेता इस्माइल हानिया, मूसा अबू मरजुक और खालिद मशाल दशकों पहले गाज़ा छोड़ चुके. निजी जेट विमानों पर सवार उनकी तस्वीरें दिखाकर पश्चिमी मीडिया बताता रहा कि ये लोग शाही जीवन शैली व्यतीत कर रहे हैं. हमास जब से आतंकवादी संगठन घोषित हुआ, सबसे पहले उसकी आर्थिक नाकेबंदी की गई. अमेरिका और यूरोपीय संघ के बैंकों में उसके अकाउंट फ्रीज़ किये गये. पश्चिम में कुछ इस्लामिक चैरिटी ने हमास समर्थित सामाजिक सेवा समूहों को पैसा दिया था, जिसे अमेरिकी शासन ने जब्त करवा दिया. हमास को कुछ दशकों से फ़िलिस्तीनी प्रवासियों और खाड़ी के देशों में बसे निजी दानदाताओं से धन मुहैया कराया जा रहा है. पूर्वी एशिया में मलयेशिया और इंडोनेशिया जैसे समृद्ध इस्लामिक देश हमास के लिए फंड इकट्ठे कर रहे हैं. हाल के दिनों में भारत के कुछ संगठनों ने हमास के लिए धन जुटाना शुरू किया है. यों, 7 अक्टूबर 2023 को हमास हमले से पहले भी गाज़ा की आर्थिक हालत ख़स्ता ही थी. मिस्र और इज़राइल ने 2006-07 में गाजा के साथ अपनी सीमाओं को बड़े पैमाने पर बंद कर दिया, जिससे क्षेत्र के अंदर और बाहर माल और लोगों की आवाजाही प्रतिबंधित हो गई. दोनों देशों ने अपनी नाकाबंदी बरकरार रखी है, इस क्षेत्र को दुनिया के अधिकांश हिस्सों से काट दिया है और दस लाख से अधिक गज़ान फिलिस्तीनियों को अंतरराष्ट्रीय सहायता पर निर्भर रहने के लिए मजबूर कर दिया गया है.

> हमास जब से आतंकवादी संगठन घोषित हुआ, सबसे पहले उसकी आर्थिक नाकेबंदी की गई. अमेरिका और यूरोपीय संघ के बैंकों में उसके अकाउंट फ्रीज़ किये गये. पश्चिम में कुछ इस्लामिक चैरिटी ने हमास समर्थित सामाजिक सेवा समूहों को पैसा दिया था, जिसे अमेरिकी शासन ने जब्त करवा दिया.

मीडिया में अन्यत्र

असुरक्षित जोखिम भार में बढ़ोतरी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गत सप्ताह बैंकों और गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों दोनों के लिए उपभोक्ता ऋण जोखिम भार को 100 फीसदी से बढ़ाकर 125 फीसदी करने का निर्णय लिया है. यह समय से पहले उठाया गया कदम है. हालांकि इसमें आवास ऋण, शिक्षा ऋण, वाहन ऋण और सोने के बदले लिए गए ऋण को शामिल नहीं किया गया है. बैंकिंग नियामक साफ तौर पर असुरक्षित ऋण के बढ़ने से चिंतित था. क्रेडिट कार्ड से होने वाली प्राप्तियों पर भी ऋण भार बढ़ाया गया है. रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने अक्टूबर के मौद्रिक नीति दस्तावेज में इन विषयों का उल्लेख किया था और बैंकों तथा एनबीएफसी को सलाह दी थी कि वे आंतरिक निगरानी बढ़ाएं. बीते दो वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था में उपभोक्ता ऋण में इजाफा देखा गया है. खुदरा ऋण में मार्च 2021 और मार्च 2023 के बीच 24.8 फीसदी की समेकित वार्षिक वृद्धि दर रही जो समग्र ऋण वृद्धि दर का दोगुना है. इसके अलावा इसी अवधि में सुरक्षित और असुरक्षित बकाया के घटक में भी बदलाव आया और असुरक्षित खुदरा ऋण 22.9 फीसदी से बढ़कर 25.2 फीसदी हो गया. रिजर्व बैंक की ताजा वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में भी इससे जुड़े जोखिम का उल्लेख किया गया और कहा गया कि 10 फीसदी खुदरा कर्जदार अपना मासिक भुगतान नहीं कर पा रहे हैं. असुरक्षित ऋण में इजाफे की वजह जोखिम लेने की क्षमता में सुधार, डिजिटलीकरण और फिनटेक का इस्तेमाल है. इन सभी बातों ने मिलकर कर्ज लेने की प्रक्रिया को आसान बना दिया है, लेकिन इससे जोखिम में भी इजाफा हुआ है.एनबीएफसी खासतौर पर डिजिटल चैनलों का आक्रामक इस्तेमाल करती रही हैं. सेंटर फॉर एडवांस्ड फाइनैंशियल रिसर्च ऐंड लर्निंग की एक हालिया रिपोर्ट दिखाती है कि एनबीएफसी के ऋण में निरंतर इजाफा हुआ है और यह 2013 के जीडीपी के 8.6 फीसदी से बढ़कर 2022 में 12.3 फीसदी हो गया है. इसके साथ ही बैंकों के ऋण की हिस्सेदारी में कमी आई है. इसके साथ ही एनबीएफसी द्वारा दिए जाने वाले ऋण का बड़ा हिस्सा खुदरा क्षेत्र में है.खुदरा क्षेत्र में एनबीएफसी की बाजार हिस्सेदारी 2015 से जून 2022 के बीच करीब 1.8 गुना बढ़ी.

(बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

चौक/चौंक

वह शहीद चौक के समीप खड़ा था. उसने मुझे जैसे ही देखा चौंक गया. शायद उसे इस बात का अंदाजा नहीं था कि मैं वहां भी पहुंच जाऊंगा. इन पंक्तियों में 'शहीद चौक' और 'चौंक गया' का प्रयोग हुआ है. यानी चौक और चौंक. देखने में एक जैसे लगने वाले शब्द हैं. दोनों के बीच भौतिक अंतर यही है कि एक में अनुस्वार नहीं है, लेकिन दूसरे में है. चौक और चौंक दोनों में अर्थ के दृष्टिकोण से भी काफी अंतर है. हिंदी शब्दकोशों के अनुसार दोनों हिंदी भाषा का देशज शब्द हैं. मतलब है वह चंचलता जो भय, आश्चर्य या पीड़ा के सहसा उपस्थित होने पर हो जाती है. एकाएक डर जाने या आश्चर्य में पड़ जाने के कारण शरीर का झटके के साथ हिल उठना और चित्त का उचट जाना. इसी शब्द से चौंकना शब्द बना है जो अकर्मक क्रिया है. मतलब है अचंभित होना, विस्मय या पीड़ा की अनुभूति से अस्थिर हो उठना, उत्तेजित होना, भड़कना, बिदक जाना, सहम जाना या कांप उठना, कोई अनहोनी बात या सूचना मिलने पर चौकन्ना होना, किसी स्वप्न के कारण घबरा कर जाग जाना. चौंकना का प्रेरणात्मक क्रिया रूप है चौंकाना. एकाएक कोई ऐसी बात या घटना कहना, जिसे सुनकर लोग चकित हो जाएं तो उसे चौंकाना कहते हैं. क्षति या हानि आदि की कोई सूचना किसी को देना भी चौंकाना ही कहा जाता है. चौक का सामान्य अर्थ चौराहा या शहर या गांव का बीचो-बीच का मुख्य स्थान, शहर का मुख्य बाजार. इसके अलावा इस शब्द का मतलब है घर के बाहर खुली चौकोर जगह, चबूतरा, मकान के अंदर चारों ओर से घिरी बिना किसी छत की जगह, आंगन, चौसर की बिसात, शुभ अवसरों पर पूजन के लिए आटा आदि से बनाया गया छोटा चौकोर क्षेत्र या अल्पना, रसोई के बाहर का स्थान, जहां बैठ कर भोजन किया जाता है. मुहावरा है चौक पूरना. मतलब जमीन पर चित्रांकन करना.

एक रात ऐसा सपना देखा रे!

• तीर-तुक्का

एस. के. पाण्डेय

चिम्मनलालजी बड़बड़ा रहे थे- नहीं, नहीं, मुझे माफ़ कर दो, मुझे माफ़ कर दो. उनकी पत्नी ने दौड़कर उन्हें जगाया और बोली सुबह-सुबह किससे माफ़ी मांग रहे हो. चिम्मनलालजी हड़बड़ा कर उठे और बोले एक बहुत ही खराब स्वप्न देख रहा था. उन्होंने स्वप्न सुनाना शुरू किया-आज मेरे स्वप्न में भारत में वो हो गया था, जो पिछले साठ वर्षों में नहीं हुआ और न ही आगे होने की सम्भावना हैं, क्योंकि हम लोग ऐसा कभी नहीं होने देंगे. भारत में चारों ओर खुशहाली ही खुशहाली दिख रही थी. कोई भी ऐसा घर नहीं था जहां रोज चूल्हा न जलता हो. हर जगह अमीरी. गरीबी का नामोनिसान मिट गया था. पिछड़ा और अगड़ा वर्ग की विचारधारा ही समाप्त हो गई थी. देश में हर जगह पानी और बिजली की उचित व्यवस्था हो गई थी. हर नागरिक की रोटी, कपड़ा और मकान की सारी जरूरतें पूरी हो गई थीं. हर जगह पक्की रोड थी. झुग्गी-झोपड़ी महलों का रूप ले चुकी थीं. गांव और शहर की जैसे भिन्नता ही समाप्त हो गई थी. बड़े-बड़े अपराधी जो पहले खुलेआम घूमते थे. सब सलाखों के पीछे थे. जिसमें कई नामीगिरामी नेता भी थे. गुंडे-मवाली ऐसे गायब हो गए थे जैसे कुहरे में धूप. हम भागे-भागे फिर रहे थे. नेता हो या अभिनेता किसी को कोई छूट नहीं. आम और नाम में कोई भेद नहीं. सबके साथ एक सलूक. समान अपराध का समान दंड और समान काम का समान वेतन पूरे भारत में लागू था. आम आदमी की परिभाषा ही समाप्त हो गई थी. कहीं कोई भ्रष्टाचार नहीं था. कहीं कोई घोटाला नहीं था. कोई घूस का नाम तक नहीं लेता था. क्योंकि ऐसे लोगों के लिए आजीवन कठोर कारावास की व्यवस्था हो गई थी. लोग अब काम की बात करने लगे थे. काम यानी कर्तव्य ही धर्म है. लोग ऐसा सोचने और समझने लगे थे. सारे दफ्तर समय पर खुलने लगे थे. सारे काम समय पर निपटाए जाने लगे थे. 'शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा' की अभूतपूर्व व्यवस्था हो गई थी. कोई रोग से यानी इलाज के अभाव में नहीं मरता था. पास में पैसा न हो तो भी दवा की व्यवस्था थी. दवा और इलाज के नाम पर किसी के रोंगटें खड़े नहीं होते थे. कोई अशिक्षित नहीं था. ऐसी व्यवस्था थी, साथ ही गुरुओं ने अपनी गुरुता फिर से समझनी शुरू कर दी थी. अदालतों में वर्षों से पेंडिग मुकदमों का निपटारा हो गया था. न्याय के लिए गुहार का जोर नहीं बल्कि अधिकार का जोर था. अदालतों में भीड़ नहीं दिखती थी. पुलिस और अन्यान्य अधिकारी अपने को जनसेवक समझने लगे थे. जनता में इनका कोई डर नहीं रह गया था. बजाय इसके जनता के बीच में इनका घर हो गया था.

Her Story

बच्चे हैं, मेहमान नहीं

रीता गुप्ता

इंजीनियरिंग तृतीय वर्ष का छात्र रक्षित दो महीने की लम्बी छुट्टियों में घर आया हुआ था. कितने दिनों से उसके पापा मम्मी उसके घर आने का इन्तजार कर रहे थे पर वह तो घर आ कर मानों और कट कर रहने लगा था. दिन चढ़े दोपहर तक सोता रहता, पापा कब दफ्तर जाते उसे पता ही नहीं चलता. मम्मी नाश्ता ले कर इन्तजार करती कि कब वह सो कर उठे और वे सुबह के कामों से फारिग हो. जब खाने बैठता तो खूब नखरे दिखाता. रात को जब सब सोने चलते तो वह देर रात तक जगा रहता. कुछ मदद करना तो दूर वह उल्टा मम्मी-पापा के रूटीन को बिगाड़ अपेक्षा करता कि उसे कोई कुछ न कहे. यही हाल शर्मा जी की बेटी का भी था, मिसेज शर्मा की तबियत थोड़ी नसाज रहती थी तो वे उम्मीद कर रहीं थी कि जब बेटी घर आएगी तो उन्हें कुछ आराम मिलेगा. पर बेटी को कुछ कहने पर वह और भड़क जाती, "घर पर इन्सान थोड़ी आजादी से रह भी नहीं पाता है. हर बात पर टोका-टोकी क्यों करती हो.." बेचारी मिसेज शर्मा घर की शांति बनी रहे इसलिए बेटी को कहना ही छोड़ दिया कि जब मन सोए या जागे. परन्तु जल्द ही इस खातिरदारी से वे थकने लगीं.

बच्चों का ऐसा व्यवहार एक दो घरों में नहीं बल्कि, आजकल सभी घरों में आम हो चला है. बेटा हो या बेटी दोनों के यही हाल हैं कि जब हॉस्टल से घर आएं तो खुद को बिलकुल नवाब ही समझते हैं. मनमर्जी की आजादी चाहें. शुरू में तो लाड़ में मातापिता को भी अच्छा लगता है कि बच्चा थक कर आया है, आराम करे. पर धीरे धीरे बच्चों को ये एहसास ही नहीं होता है कि उनका भी कुछ फर्ज है, जब वे घर आए. जिस तरह बचपन से वे हर चीज के लिए मां पर निर्भर रहा करते रहे हैं घर पर; यही सोच उनकी बरकरार रह जाती है. पर उनके घर से बाहर जाने पर इन वर्षों में मां पर भी उम्र की चादर चढ़ी है ये उन्हें पता ही नहीं चलता है. मां भावनाओं में बहती हुई स्नेहवश अपनी क्षमता से अधिक उसी तरह बच्चों की देखभाल और सेवा करती नहीं अघाती है, जैसे करती आई है.

ऐसा नहीं है कि सभी घरों के बच्चे इतने ही आलसी और स्वार्थी तैयार होते हैं. जिन घरों में हॉस्टल या नौकरी से आए हुए बच्चों को मेहमान की तरह नहीं बल्कि घर के सदस्य के तौर पर व्यवहार किया जाता है, वहां बच्चे वक्त के साथ घर के प्रति अपनी जिम्मेदारियों से भी अपडेट होते रहते हैं.

समृद्धि की मां का एक ऑपरेशन हुआ था और उन्हें आराम की सख्त जरुरत थी. उसी दौरान समृद्धि के कॉलेज की लम्बी छुट्टियां भी हो गईं. समृद्धि हर छुट्टी की तरह इन छुट्टियों में भी देर तक सोने, घर के कामों से दूर ही रहने की ही फिराक में थी. दरअसल उसे तो एहसास ही नहीं हो रहा था कि उसकी मां इस बार असमर्थ है. दो तीन दिनों के बाद ही समृद्धि के पापा ने कड़े शब्दों में उसे उसकी जिम्मेदारियों का एहसास करवा दिया. पापा के खुल कर समझाते ही उसकी बुद्धि मानों ठिकाने आ गयी फिर तो बेटी ने घर की सारी जिम्मेदारियों को संभाल लिया और अपनी मां को पूर्ण रेस्ट करने दिया. छुट्टी की समाप्ति तक जहां उसकी मां स्वस्थ हो चली थी वहीं वह रसोई और घर के कई काम सीख चुकी थी, जो आगे जीवन में उसे बहुत काम आए.

हेमंत और हेमा जब लम्बी छुट्टियों में घर आते, दोनों भाई-बहन अपनी मां को पूरा व्यस्त रखते नित नयी फरमाइशों से. इस बार उसकी मम्मी ने भी शर्त रख दिया कि वे तभी उनकी पसंद की डिशेज बनाएंगी जब वे दोनों उनकी मदद करेंगे. पहले तो दोनों ने बहुत नानुकुर किया क्योंकि हर बार तो वे सोते रहते या सोशल नेटवर्क पर व्यस्त रहते और मां उनकी फरमाइशों में व्यस्त, नतीजा उनके जाने के बाद वे अक्सर बीमार भी पड़ जातीं. इस बार उन्होंने ठान रखा था कि उन्हें घर के रूटीन में शामिल कर रखना है. झख मार उन्होंने सहयोग करना शुरू किया. पहले तो बेमन से फिर दोनों भाई-बहन पूरी तत्परता से मां का हाथ बंटाने लगे. सब्जी लाने से ले कर रसोईघर में स्पेशल डिश बनाने के दौरान वे साथ रहते. एक तरफ जहां मां को आराम मिला वहीं दूसरी ओर मां भी उनके दिल के कई राज और ख्वाइशों से परिचित होती गयी.

आनंदमोहन जी तो बेटे के आते ही उसे कामों की फेहरिस्त पकड़ा देते जैसे बिल पेमेंट्स, कार सर्विसिंग या फिर घर मरम्मत. वहीं मिसेज लकड़ा साल में एक बार आने वाले अपने बेटे को अपने दोस्त-रिश्तेदारों से जरुर मिलवाने ले जातीं. कहने का मतलब है कि हॉस्टल या नौकरी से आने वाले ग्रोनअप बच्चों को ये एहसास होनी चाहिए कि वे होटल में नहीं बल्कि घर आए हैं. संयुक्त परिवारों के इतर एकल परिवारों में जब बच्चे आते हैं तो मां-पिता भी कुछ सनक से जाते हैं ख़ुशी के मारें. ख़ुशी के अतिरेक में वे बिलकुल मेहमानवाजी ही करने लगते हैं. बच्चों का प्यार से घर में स्वागत सही है पर यही वह समय होता है जब एक बच्चा घर-संसार की बातें सीखता है. बच्चों को अपने बदलते स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति से भी रूबरू कराते रहें. वे घर के सदस्य हैं. उन्हें किसी भ्रम में नहीं रखना चाहिए. दरअसल बच्चों से बातें छुपा हम ही उन्हें बेगाना बनाते हैं.

जिम्मेदारियों का बोध कराना आवश्यक है अन्यथा बेटा हो या बेटी वे मेहमानों की ही तरह आते-जाते रहेंगे और धीरे धीरे अपनी दुनिया में रमते जाएंगे.

...और जिंदगी ने लिया यू टर्न

एक समृद्ध परिवार में जन्म व परवरिश, एमबीए जैसी उच्च शिक्षा, बेहतरीन नौकरी और फिर एक समृद्ध-संवेदनशील-सहयोगी परिवार में शादी और दो प्यारे बच्चों का जन्म. जिंदगी को मुक्कमल बनाने के लिए तयशुदा मानकों में खुशी काकन के हिस्से जो आया, वह कई का सपना होता है. खुशी को इन सहज उपलब्धियों पर नाज है और था, पर दिल में एक कसक सी थी जो रह-रह कर गाहे-बगाहे उभरती थी. कुछ था जो अभी पाना बाकी था. वर्ष 2016 में तब उषा मार्टिन में कार्यरत पति का तबादला रांची हुआ और वे भी बेटी-पति के साथ यहीं शिफ्ट हो गईं. बेटे का जन्म हुआ और बाद के कुछ वर्ष बच्चों की परवरिश में कैसे गुजर गए, पता भी नहीं चला. इन्हीं दिनों एक सहेली से पता चला कि मिस्टर एंड मिसेज झारखंड 2022 का इवेंट होना है. फैशन में शुरू से रुचि थी, सो ऑडिशन दे दिया. वह दौर ऐसा था जब उन्हें पति चंदन सिंह का सहयोग कई बार दिल को छू गया. काम के सिलसिले में लंबे समय तक बाहर रहना होता था. तब छोटे-छोटे बच्चे को देखना, परिवार की दूसरी जिम्मेदारी..इन सबमें उनका साथ रहा. सास-ससुर ने भी पूरा सहयोग दिया. बच्चों का भी साथ रहा. खुशी इस इवेंट की विनर रहीं.

मिस्टर एंड मिसेज झारखंड 2022 का विनर होना उनकी जिंदगी का यू टर्न कह सकते हैं. इसके बाद फैशन की दुनिया में मानों मंजिल खुद बुलाने लगी. जाने कितने शो, कितने फोटोशूट, मॉडलिंग की. कई अवार्ड मिले जिनमें जनहित सर्वोच्च सम्मान, झारखंड आईकॉन अवार्ड, आईजीएसीए एमर्जिंग स्टार ऑफ द ईयर, नारी सम्मान आदि शामिल हैं. परिवार के व्यवसाय में भी उनकी सक्रिय सहभागिता है. समाज सेवा उनके सहज स्वभाव में शामिल है. खासकर महिला सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं. मुकाम अब एक ही है, फैशन-ग्लैमर की दुनिया में देश और दुनिया में खुद को स्थापित करना. देश का नाम रोशन करना.

(advt)

फेस्टिवल हैंगओवर दूर कर.....

तन-मन में ताजगी

डॉ मनीषा घई
सीनियर कंसल्टेंट डायटीशियन

दशहरा, दीपावली, भाई-दूज, छठएक के बाद एक त्योहार. साफ-सफाई, शॉपिंग, उपहारों का लेन-देन, मिलना-जुलना, जश्नमौज-मस्ती तो बेशुमार होती है पर त्योहार खत्म होते होते थकान व आलस शरीर पर हावी हो जाता है. फिलवक्त हम इसी फेस्टिवल हैंगओवर से गुजर रहे. इन दिनों होने वाली थकान और आलस को दूर करने के लिए सीनियर डायटीशियन मनीषा घई बता रही हैं कुछ खास टिप्स...

संतुलित खाने की तैयारी

त्योहार खुद को मिठाइयों और ज्यादा कैलोरी वाली चीजों से बचाना बहुत मुश्किल काम है. फेस्टिवल के बाद खाने की प्लेट पर ध्यान दें. खाने में ढेर सारा फाइबर और लीन प्रोटीन शामिली करें. तरह-तरह की सब्जियां, साबुत अनाज को आहार में शामिल करें. शरीर की ऊर्जा को बनाये रखने के लिए पौष्टिकता का ध्यान रखें. चीनी और तले पदार्थों को कुछ दिनों तक पूरी तरह अवॉइड करें. मल्टी-विटामिंस के सप्लीमेंट्स भी चिकित्सक की सलाह से ले सकती हैं.

पोर्शन पर नियंत्रण

दिवाली, भैया दूज और फिर छठ...इस दौरान घर पर मेहमानों का आना-जाना भी लगा रहता है. मिठाइयां और अन्य टेस्टी चीजें घर में भरी रहती हैं और आते-जाते हम टूंगते भी रहते. बेशक खाएं पर मात्रा का ध्यान रखें. एक लिमिट में खाने से भी ज्यादा कैलोरी का खाना खाने से बच सकती हैं.

हाइड्रेटेड रहें

त्योहारों के बाद हाइड्रेटेड रहने की तरफ ध्यान दें. खूब सारे पानी के साथ नारियल पानी, ताजे फलों का रस आदि का भी सेवन करें.

शारीरिक गतिविधि जरूरी

त्योहार में हमारी दिनचर्या प्रभावित होती है. उसके बाद थकान की वजह से भी कई दिन हम शारीरिक वर्कआउट, वॉकिंग जैसी शारीरिक गतिविधियों को बंद या सीमित कर देते हैं. प्रतिदिन सुबह-शाम थोड़ा सा समेत निकालकर टहलें और हल्की-फुल्की स्ट्रेचिंग करें. एक क्विक होम वर्कआउट, योग सेशन और सुबह-शाम की सैर एक्स्ट्रा कैलोरी बर्न करने के साथ एनर्जी लेवल भी अच्छा ख़ासा बनाये रखेगी.

पर्याप्त नींद लें

त्योहार के बाद की थकावट या फेस्टिवल हैंगआउट के लिए रोज़ 8-9 घंटे की नींद जरूरी है. थकावट भरा शरीर नींद से रिपेयर होता है. अच्छी नींद और आराम के बाद हमारा मूड भी बेहतर होगा और तनाव भी नहीं होगा.

डिटॉक्स करें

त्योहार के दौरान हम तले, मसालेदार भोजन, मिठाइयां आदि का खूब सेवन करते हैं. ऐसे में बाद के दिनों में शरीर को डिटॉक्स करना बेहद जरूरी है. इसका आसान उपाय यह है कि दिन भर का कोई एक मील स्किप कर उसकी जगह ढेर सारा सलाद, अंकुरित अनाज या फल या फिर नारियल पानी- फलों का रस आदि सेवन करें. ब्रेकफास्ट के बाद दिन का भोजन त्योहार के बाद कुछ दिनों तक छोड़ कर यह डाइट प्लान अपना सकती हैं. दोपहर के खाने में पका आहार, तेल-मसाला आदि न्यून कर दें. इससे जहां शरीर डिटॉक्स होगा वहीं वजन पर भी लगाम लगेगा. त्योहार के दिनों में तला-भुना-मीठा खाकर जो हम वजन में इजाफा कर लेते हैं, उस पर ब्रेक लगेगा.

विंटर स्टाइल

मौसम ठंड का है तो स्टाइल से कंप्रोमाइज क्यों! आइए, कुछ ऐसी ड्रेस की चर्चा करें जो स्टाइल और कंफर्ट दोनों में बेहतर हो-

हाईनेक ड्रेस

हाईनेक ड्रेस क्लासी व कूल लुक देती है. खासकर अगर आपकी हाइट छोटी हो और दुबली-पतली हों तो ये ड्रेस आपके विंटर वार्डरोब के लिए परफेक्ट रहेगी. दरअसल ऐसी ड्रेस सारा फोकस आपके नेक लाइन को देती है और आपको लंबा दिखाने में मदद करती है. इसमें आपको कई तरह के पैटर्न मिल जाएंगे. 500 रुपये से 1000 रुपये तक कई ऑप्शन ऑनलाइन-ऑफलाइन आसानी से मिल जाएंगे.

हुडी जैकेट

हुडी ड्रेस या जैकेट गर्म रहती है, कैप या हुडेड टोपे के साथ आती है, जिन्हें ज्यादा ठंड लगने पर पहना जा सकता है. इसके लिए आपको अलग से टोपा भी कैरी करना नहीं पड़ेगा. काफी कूल और स्टाइलिश लुक देती है. हुडी ड्रेस के साथ आप स्नीकर शूज स्टाइल करें. 400 से 2500 रुपए के रेंज में कई विकल्प मिल जाएंगे.

वेलवेट ड्रेस

वेलवेट ड्रेस इन दिनों ट्रेंड में है और इसमें बॉडीकॉन ये फ्लेयर ड्रेस तक कई विकल्प मिल जाएंगे. लुक को स्टाइलिश बनाने के लिए आप ब्रॉड बेल्ट को कैरी करें. वेलवेट ड्रेस के साथ आप हैवी इयररिंग्स को अवॉयड करें और स्टड्स को चुनें. साथ ही प्लंप हील्स के साथ लुक को कंप्लीट करें. वेलवेट ड्रेस 700 रुपए से 3000 रुपए तक में उपलब्ध है.

ओवर कोट

ओवर कोट न सिर्फ सिंपल टॉप, टी-शर्ट बल्कि ये साड़ी और एथनिक आउटफिट्स के साथ भी मिक्स मैच हो सकते हैं. इन ओवरकोट को अपनाकर आप बेहद ही स्टाइलिश दिख सकती हैं. जहां एक ओर प्लेन ओवरकोट ट्रेंड में है, वहीं दूसरी तरफ चेक डिजाइन में आने वाले ओवरकोट को भी खासा पसंद किया जा रहा है. 2500 रुपए से 10000 रुपए की रेंज में कई विकल्प मिल जाएंगे.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

एकदिवसीय प्रारूप के भविष्य को लेकर बहस जारी

वनडे क्रिकेट के भविष्य पर खतरा

एजेंसी। नई दिल्ली

विश्व कप विजेता कप्तान पैट कमिंस ने खुद स्वीकार किया है कि उन्हें फिर से 50 ओवर के क्रिकेट से प्यार हो गया है, लेकिन मौजूदा समय में एकदिवसीय प्रारूप की भविष्य में प्रासंगिकता को लेकर बहस जारी है. इसमें कोई शक नहीं कि भारत विश्व क्रिकेट की धड़कन है और 45 दिनों तक चले विश्व कप के अधिकांश मैचों के दौरान स्टेडियम खचाखच भरे रहे. यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि भारत ने अब तक के सबसे अधिक दर्शकों वाले वनडे विश्व कप का आयोजन किया है. डिजिटल युग में एकाग्र होकर क्रिकेट देखने का दायरा पहले से कहीं कम हो गया है. इसके साथ ही सभी के पास एक वनडे मैच के लिए आठ घंटे बिताने का समय और उत्साह नहीं है. भारत में आईसीसी वनडे विश्व कप यह साबित करने में सफल रहा कि इस खेल की वैश्विक स्पर्धा को देखने के लिए लोग तैयार हैं लेकिन द्विपक्षीय एकदिवसीय श्रृंखला को लेकर यह विश्वास नहीं जगता है. ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या वनडे मैच केवल विश्व कप वर्ष में ही खेले जाने चाहिए.

अगले साल सिर्फ छह वनडे मैच खेलेगा भारत

भारतीय टीम अगले साल सिर्फ छह एकदिवसीय मैच खेलेगी जबकि पाकिस्तान का अगला एकदिवसीय मुकाबला नवंबर 2024 में है. यह हाल तब है जबकि यह देश 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी (2025) की मेजबानी करेगा.

50 के बजाय 40 ओवर का प्रारुप देखना चाहते हैं अकरम

विश्व कप के दौरान अकरम ने इस प्रारूप को 50 के बजाय 40 ओवरों का करने की वकालत की तो वही तेंदुलकर काफी समय से इसमें 'रोमांच' बढ़ाने के लिए मैचों को 25-25 ओवरों की चार पारियों में बदलना चाहते हैं. अकरम से 'फॉक्स स्पोर्ट्स' से कहा कि मुझे अभी वनडे क्रिकेट से थोड़ी समस्या है. आजकल एक दिवसीय क्रिकेट में आप बहुत कम देखते हैं कि बीच के ओवरों (लगभग 30वें ओवर के आस पास) में कुछ दिलचस्प होता है. अगर 40 ओवर का प्रारूप होगा तो उस समय अधिक रोमांच होगा. उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि यह होने वाला है या नहीं, लेकिन मुझे लगता है कि 40 ओवर अधिक दिलचस्प होंगे.

विश्व कप मैच देखने रिकॉर्ड 12.5 लाख दर्शक स्टेडियम पहुंचे

भारत में संपन्न हुए वनडे विश्व कप के मैचों को 12 लाख 50 हजार दर्शकों ने स्टेडियम में जाकर देखा जो हर चार साल में होने वाली इस प्रतियोगिता का नया रिकॉर्ड है. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को बताया कि इस टूर्नामेंट को कुल 1,250,307 दर्शकों ने स्टेडियम में जाकर देखा. टूर्नामेंट में जब छह मैच बचे थे तभी दर्शकों का आंकड़ा 10 लाख की जादुई संख्या को पार कर चुका था. विश्व कप में दर्शकों का यह आंकड़ा नया रिकॉर्ड है. उसने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में 2015 में खेले गए विश्व कप के आंकड़े को पीछे छोड़ा, जिसमें कुल 10,16,420 दर्शक आए थे. इंग्लैंड और वेल्स में 2019 में खेले गए विश्व कप को 7,52,000 दर्शकों ने स्टेडियम में जाकर देखा था. भारत में खेले गए विश्व कप में कुल 10 टीम ने हिस्सा लिया था जिन्होंने राउंड रोबिन आधार पर एक दूसरे से मैच खेले. सेमीफाइनल और फाइनल सहित टूर्नामेंट में कुल 48 मैच खेले गए और इस तरह से प्रति मैच दर्शकों की संख्या लगभग 26,000 रही.

आओ जानें

हॉकी : सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी

खिलाड़ी	देश	गोल
ध्यानचंद	भारत	570
सोहेल अब्बास	पाकिस्तान	348
पॉल लिटजेंस	नीदरलैंड	268
बलबीर सिंह सीनियर	भारत	246
ग्रेग निकोल	दक्षिण अफ्रीका	245
जेमी ड्वायर	ऑस्ट्रेलिया	244
जॉर्ज लोम्बी	अर्जेंटीना	231
ब्योर्न मिशेल	जर्मनी	229
ताके ताकेमा	नीदरलैंड	221
टेउन डी नूइजर	नीदरलैंड	219
फ्लोरिस जान बोवेलैंडर	नीदरलैंड	215
मार्क हैगर	ऑस्ट्रेलिया	181
गोंजालो पिलाट	अर्जेंटीना	178

दक्षिण अफ्रीका में खेला जाएगा अंडर-19 विश्व कप

भाषा। अहमदाबाद

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के बोर्ड ने अगले साल होने वाले पुरुष अंडर-19 विश्व कप को श्रीलंका से दक्षिण अफ्रीका स्थानांतरित कर दिया है. आईसीसी के बोर्ड ने वैश्विक संचालन संस्था द्वारा श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) को सरकारी हस्तक्षेप के कारण अस्थाई रूप से निलंबित करने के 11 दिन बाद यह कदम उठाया. एसएलसी ने ही आईसीसी से संपर्क करके देश में क्रिकेट के संचालन में सरकारी हस्तक्षेप की जानकारी दी थी. एसएलसी और खेल मंत्रालय पिछले कुछ समय से आमने-सामने हैं. सरकार ने एसएलसी अधिकारियों पर भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन में शामिल होने का आरोप लगाया है.

आईसीसी बोर्ड के सदस्य ने कहा कि अंडर-19 विश्व कप को एसएलसी के निलंबन के कारण श्रीलंका से दक्षिण अफ्रीका स्थानांतरित कर दिया गया है. प्रतिभागी देशों को एसएलसी को निलंबित करने के बाद कुछ दिन पहले इस बारे में जानकारी दी गई थी. दक्षिण अफ्रीका ने 2020 में भी अंडर-19 विश्व कप की मेजबानी की थी. इस फैसले को अहमदाबाद में आईसी बोर्ड की बैठक में स्वीकृति मिली. उन्होंने कहा कि श्रीलंका की द्विपक्षीय श्रृंखलाएं और घरेलू क्रिकेट इससे प्रभावित नहीं होगा. एसएलसी अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने हाल में चेताया था कि सरकारी हस्तक्षेप जारी रहा तो देश 13 जनवरी से चार फरवरी तक होने वाले अंडर-19 विश्व कप की मेजबानी का अधिकार खो सकता है. सोमवार को एसएलसी ने बयान जारी करके कहा कि एसएलसी का ध्यान निलंबन समस्या को हल करने पर केंद्रित है. ऐसा प्रतीत होता है कि खेल मंत्री आरोपों को लेकर कानूनी रास्ता अपनाए बिना मीडिया हेरफेर के माध्यम से एक अलग एजेंडा अपना रहे हैं.

खास बातें

- अगले साल होगा अंडर-19 विश्व कप का आयोजन
- एसएलसी के निलंबन के कारण लिया गया फैसला

ब्रीफ खबरें

अमेरिका ने बनाई कोपा अमेरिका में जगह

वाशिंगटन। सर्जिनो डेस्ट को 30 सेकंड के अंदर दो पीले कार्ड मिलने के कारण 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही अमेरिका की टीम त्रिनिदाद से हार के बावजूद अगले साल होने वाली कोपा अमेरिका फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करने में सफल रही. त्रिनिदाद ने पोर्ट ऑफ स्पेन में सोमवार को खेले गए मैच में 2-1 से जीत दर्ज की. उसने अपने दोनों गोल डेस्ट को 39वें मिनट में बाहर किए जाने के बाद किये. अमेरिका ने पिछले सप्ताह ऑस्टिन में खेले गए पहले चरण के मैच में 3-0 से जीत हासिल की थी. उसने इस तरह से त्रिनिदाद को 4-2 के कुल अंतर से हराकर कोपा अमेरिका में अपनी जगह सुरक्षित की.

भारत के खिलाफ टी-20 में वार्नर को विश्राम

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने वनडे विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर को भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला से विश्राम दिया है. विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की तरफ से सर्वाधिक 535 रन बनाने वाले वार्नर को शुरू में मैथ्यू वेड की अगुवाई वाली टीम में शामिल किया गया था. विशाखापट्टनम में 23 नवंबर से शुरू होने वाली श्रृंखला के लिए पिछले महीने ही टीम घोषित कर दी गई थी. वार्नर की जगह ऑलराउंडर आरोन हार्डी को टीम में शामिल किया गया है और वह टीम से जुड़ चुके हैं.

पंकज ने बिलियर्ड्स चैंपियनशिप जीता

दोहा। भारत के दिग्गज क्यू खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने मंगलवार को यहां फाइनल में हमवतन सौरव कोठारी को हराकर 26वीं बार आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया. आडवाणी ने कुआलालंपुर में पिछले साल के खिताबी मुकाबले की पुनरावृति में कोठारी को 1000–416 से हराया. आडवाणी ने अपना पहला विश्व खिताब 2005 में जीता था. आडवाणी ने 'लंबे प्रारूप' में नौ बार खिताब जीता है जबकि 'अंक प्रारूप' में वह आठ बार चैंपियन रहे हैं. इसके अलावा वह एक बार विश्व टीम बिलियर्ड्स चैंपियनशिप भी जीतने में सफल रहे.

पाक के गेंदबाजी कोच बने गुल व अजमल

भाषा। लाहौर

पूर्व गेंदबाज उमर गुल और सईद अजमल को ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के आगामी दौरे के लिए पाकिस्तानी टीम का क्रमशः तेज गेंदबाजी और स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया है. उमर इससे पहले भी पाकिस्तान की टीम के साथ गेंदबाजी कोच की भूमिका निभा चुके हैं जबकि अजमल पहली बार राष्ट्रीय टीम के साथ यह भूमिका निभाएंगे.
पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा कि उमर और अजमल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 14 दिसंबर से 7 जनवरी के बीच होने वाली टेस्ट श्रृंखला तथा इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले साल 12 से 21 जनवरी के बीच होने वाली टी20 श्रृंखला के दौरान यह भूमिका निभाएंगे. विश्व कप में पाकिस्तान की टीम के लचर प्रदर्शन के बाद पीसीबी पहले ही मोहम्मद हफीज को टीम निदेशक और मुख्य कोच तथा तेज गेंदबाज वहाब रियाज को मुख्य चयनकर्ता नियुक्त कर चुका है. उमर, अजमल और हफीज की नियुक्ति का मतलब है कि मिकी आर्थर, ग्रांट ब्रैडबर्न सहित विदेशी कोच अब राष्ट्रीय टीम के साथ काम नहीं करेंगे.

खास बातें

- पहले ही टीम निदेशक नियुक्त हो चुके हैं हफीज
- पिछले सप्ताह मोर्कल ने दिया था गेंदबाजी कोच के पद से इस्तीफा

अंतरराष्ट्रीय मैच में स्टॉप क्लॉक का इस्तेमाल करेगा आईसीसी

अहमदाबाद। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को कहा कि पुरुष एकदिवसीय और टी-20 अंतरराष्ट्रीय में अगर गेंदबाज अगला ओवर फेंकने के लिए 60 सेकेंड से अधिक समय लेता है तो पारी में तीसरी बार ऐसा करने पर गेंदबाजी टीम पर पांच रन की पेनल्टी लगाई जाएगी. इस नियम का इस्तेमाल शुरुआत में ट्रायल के तौर पर होगा. आईसीसी के बोर्ड की यहां हुई बैठक में यह फैसला किया गया. आईसीसी ने बयान में कहा कि मुख्य कार्यकारियों की समिति इस बात पर सहमत हुई के पुरुष एकदिवसीय और टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दिसंबर 2023 से अप्रैल 2024 तक ट्रायल के आधार पर 'स्टॉप क्लॉक' का इस्तेमाल किया जाएगा.

प्रणय व सात्विक-चिराग दूसरे दौर में

चीन मास्टर्स

भाषा। शेनझेन

स्टार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय ने मंगलवार को यहां चीनी ताइपे के चाउ टिएन चेन के खिलाफ सीधे गेम में जीत के साथ चीन मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई. पीठ की चोट के कारण कुछ टूर्नामेंट से बाहर रहने वाले 31 साल के प्रणय ने पहले दौर में दुनिया के 12वें नंबर के खिलाड़ी को 21-18 22-20 से हराया और पिछले हफ्ते जापान में मिली हार का बदला चुकता कर दिया. एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रणय अगले दौर में हांगकांग के ली च्युक यीयू और डेनमार्क के मैग्नस योहानसन के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे.

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता शीर्ष वरीय जोड़ी भी इंग्लैंड के बेन लेन और सीन वेंडी के खिलाफ 21-13 21-10 की आसान जीत के साथ पुरुष युगल के दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रही. सात्विक और चिराग की राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन जोड़ी अगले दौर में जापान के अकीरा कोगा और ताइची साइतो के खिलाफ उतरेगी. महिला एकल में भारत की एकमात्र खिलाड़ी आकर्षी कश्यप चीन की झेंग यी मान के खिलाफ 33 मिनट में 12-21 14-21 की हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गईं. दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय इससे पहले चेन के खिलाफ चार मैच ही जीत पाए थे जबकि सात में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था.
भारतीय खिलाड़ी पहले गेम में एक समय 6-9 से पीछे चल रहा था लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार चार अंक के साथ स्कोर 12-10 किया. चेन ने स्कोर 12-14 किया लेकिन प्रणय ने कुछ अच्छे अंक जुटाकर पहला गेम आसानी से अपने नाम किया. दूसरे गेम में कड़ी टक्कर देखने को मिली. चेन ने शुरुआत में 6-3 की बढ़त बनाई लेकिन प्रणय ने लगातार पांच अंक के साथ स्कोर 8-6 कर दिया। चेन ने इसके बाद 12-10 की बढ़त बनाई जिसे उन्होंने 18-16 तक पहुंचाया.

- प्रणय ने चाउ टिएन को 21-18, 22-20 से हराया
- सात्विक-चिराग की जोड़ी ने बेन लेन व सीन बेंडी की जोड़ी को हराया

सात्विक व चिराग बीडब्ल्यूएफ के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए नामित

नई दिल्ली। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ियों सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) के साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामित किया गया. सात्विक और चिराग की पुरुष युगल जोड़ी ने हाल में कई खिताब जीते हैं जिसमें चीन के हांगझोउ में एशियाई खेलों का एतिहासिक स्वर्ण पदक भी शामिल है. सात्विक और चिराग ने इससे पहले 2022 राष्ट्रमंडल खेलों का भी स्वर्ण पदक जीता जबकि वह 2022 थॉमस कप में खिताब जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा रहे.

इटली, स्लोवेनिया और चेक गणराज्य ने किया क्वालीफाई

यूरो 2024

भाषा। मिलान

पिछले दो विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहे इटली ने अगले साल होने वाली यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप में अपनी जगह सुरक्षित करके राहत की सांस ली. इटली के अलावा स्लोवेनिया और चेक गणराज्य ने भी यूरो 2024 के लिए क्वालीफाई किया. चेक गणराज्य के कोच जारोस्लाव सिलहावी ने मोल्दोवा के खिलाफ अंतिम सीटी बजने के तुरंत बाद इस्तीफा दे दिया. पिछले पांच साल से इस पद पर बने सिलहावी ने कहा कि उन्होंने मैच से पहले ही यह निर्णय कर लिया था. इटली को ग्रुप सी में दूसरा स्थान हासिल करने और प्लेऑफ से बचने के लिए केवल एक अंक की जरूरत थी. उसने यूक्रेन के खिलाफ गोल रहित ड्रा खेल कर यह महत्वपूर्ण अंक अर्जित किया और जर्मनी में होने वाले यूरो 2024 के लिए क्वालीफाई किया.

अंजली राठी को हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंची वैदेही

बेंगलुरू। भारत की वैदेही चौधरी सहित अन्य शीर्ष खिलाड़ियों ने मंगलवार को यहां अपने पहले दौर के मुकाबले जीतकर आईटीएफ महिला विश्व टेनिस टूर के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई. वैदेही ने वाइल्ड कार्ड धारक और हमवतन अंजलि राठी को सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से हराया जबकि छठी वरीय स्विट्जरलैंड की जेनी डुएर्स्ट ने भारत की क्वालीफायर यशस्विनी पंवार के खिलाफ 6-3, 6-2 से जीत दर्ज की. इटली की सातवीं वरीय डिलेटा चेरुबिनी ने अनास्तासिया सुखाटिन को 6-1, 6-2 से हराया.

प्रखंड स्तरीय गांडेय में मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल टूर्नामेंट शुरू, 26 पंचायतों की टीमें ले रहीं हैं भाग

दासडीह ने चंपापुर पंचायत को दो गोल से हराया

संवाददाता। गांडेय (गिरिडीह)

जिले के गांडेय प्रखंड के कस्तूरबा गांधी मैदान में प्रखंड स्तरीय मुख्यमंत्री फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ. इस दो दिवसीय टूर्नामेंट का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख राजकुमार पाठक व अंचल अधिकारी मनोज कुमार ने गेंद को किक मारकर किया. प्रतियोगिता में प्रखंड की 26 पंचायतों की टीमें भाग ले रही हैं. पहला मुकाबल दासडीह व चंपापुर पंचायत के बीच खेला गया. दासडीह पंचायत की टीम ने चंपापुर पंचायत पर दो गोल से जीत दर्ज की. इसे पूर्व प्रखंड प्रमुख व सीओ ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका हौसला बढ़ाया. बता दें कि खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार की ओर से मुख्यमंत्री फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है. प्रखंड प्रमुख राजकुमार पाठक ने कहा कि झारखंड सरकार युवाओं के प्रति गंभीर है. मौके पर बीस सूत्री अध्यक्ष ध्रुवदेव पंडित, सांसद प्रतिनिधि रघुनाथ यादव, मुखिया अकबर अंसारी, सिदो कान्हु कल्ब के अध्यक्ष बसंत देव हसंदा, मुखिया प्रतिनिधि जीतेंद्र मंडल, पंचायत समिति सदस्य भैरो वर्मा, श्याम पाठक, मिठू पाठक, रामजीत मुर्मू, विकास पाठक समेत अन्य लोग मौजूद थे.

लक्ष्मीपोसी को हराकर चापड़ा की टीम बनीं विजेता

जमशेदपुर। राजनगर प्रखंड स्थित डुमरडीहा पंचायत में आयोजित मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल कप प्रतियोगिता के फाइनल मैच में चापड़ा की टीम ने लक्ष्मीपोसी ए को हराकर खिताब पर कब्जा जमाया. चापड़ा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुे लक्ष्मीपोसी ए को 2-0 से हराया. अब चापड़ा के खिलाड़ी प्रखंड स्तर पर खेलेंगे. इसमें प्रतियोगिता में आठ टीमों ने हिस्सा लिया, जिनमें चापड़ा, बनकाटी, संजाड़, निश्चंतपुर, लक्ष्मीपोसी ए, बिक्रमपुर, लक्ष्मीपोसी बी, डुमरडीहा की फुटबॉल टीम शामिल थी. इस दौरान डुमरडीहा पंचायत के मुखिया निमाई सोरेन, नंदलाल महतो पंचायत सचिव, मनोज साहू रोजगार सेवक, प्रभात महतो मुख्य संचालक, नुनू राम महतो गोपबन्धु उच्च विद्यालय हामंदा के पूर्व प्रधानाध्यापक, महादेव पति ग्राम प्रधान बुरूडीह, राम प्रसाद महतो ग्राम प्रधान बिक्रमपुर, छुटू महतो ग्राम प्रधान डुमरडीहा, सुषेन महतो ग्राम प्रधान लक्ष्मीपोसी, मोतीलाल महतो, तनु कैवर्त, सुदर्शन महतो, महावीर महतो, सालखन हेंब्रम, दीपक हेंब्रम, अर्जुन मुर्मू एवं पंचायत के समाजसेवी समेत लोग उपस्थित थे.

राष्ट्रीय शिविर के लिए महिला हॉकी टीम घोषित

भाषा। बेंगलुरु

हॉकी इंडिया ने यहां साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) केंद्र में 22 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलने वाले सीनियर राष्ट्रीय महिला कोचिंग शिविर के लिए सोमवार को 34 सदस्यीय संभावित टीम घोषित की. भारत को 15 से 22 दिसंबर के बीच वेलेंसिया में होने वाले पांच देशों के टूर्नामेंट में हिस्सा लेना है. भारत के अलावा इस प्रतियोगिता में आयरलैंड, जर्मनी, बेल्जियम और मेजबान स्पेन की टीम भाग लेगी. रांची में 13 जनवरी से शुरू होने वाले एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर्स के लिए भारतीय टीम की तैयारी के लिए यह महत्वपूर्ण कदम है. भारतीय महिला हॉकी टीम की कोच यानिक शोपमैन ने कहा कि हमारे लिए लय बनाए महत्वपूर्ण है.

34 सदस्यीय टीम

गोलकीपर: सविता, रजनी एतिमारपु, बिचू देवी खारीबाम, बंसारी सोलंकी
डिफेंडर: दीप ग्रेस एक्का, गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, अक्षता अबासो ढेकाले, ज्योति छत्री, महिमा चौधरी
मिडफील्डर: निशा, सलीमा टेटे, सुशीला चानू पुखरंबम, ज्योति, नवजोत कौर, मोनिका, मारियाना कुजूर, सोनिका, नेहा, बलजीत कौर, रीना खोखर, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, अजमीना कुजूर
फारवर्ड: लालरेम्सियामी, नवनीत कौर, वंदना कटारिया, शर्मिला देवी, दीपिका, संगीता कुमारी, मुमताज खान, सुनेलिता टोप्पो, ब्यूटी डुंगडुंग.

मौत में भी जातिवाद : ओडिशा में एक स्थानीय नगर निकाय सिर्फ ब्राह्मणों के लिए श्मशान घाट का कर रहा संचालन

श्मशान घाट के प्रवेश द्वार पर लगा 'ब्राह्मण श्मशान घाट' का बोर्ड

भाषा। केंद्रपाड़ा (ओडिशा)

ओडिशा में एक स्थानीय निकाय ऐसा भी है जो सिर्फ ब्राह्मणों के श्मशान घाट का संचालन कर रहा है. निकाय के इस कदम की काफी आलोचना की जा रही है. पूर्वी राज्य की 155 साल पुरानी केंद्रपाड़ा नगर पालिका ने शहर के हजारीबागीचा इलाके में श्मशान घाट के प्रवेश द्वार पर 'ब्राह्मण श्मशान घाट' का बोर्ड भी लगा दिया है. स्थानीय सूत्रों ने बताया कि श्मशान घाट का उपयोग लंबे समय से ब्राह्मणों के अंतिम संस्कार के लिए किया जा रहा है, और अब सरकारी अनुदान के साथ सुविधा के नवीनीकरण के बाद हाल ही में आधिकारिक बोर्ड भी लगा दिया गया है. उन्होंने बताया कि अन्य

खास बातें

- नवीनीकरण के बाद भी लगाया आधिकारिक बोर्ड
- अन्य जातियों के लोग अन्य श्मशान घाट जाते है

जातियों के लोग अंतिम संस्कार के लिए पास के एक अन्य श्मशान घाट जाते है. इसका भी हाल ही में नवीनीकरण किया गया है. केंद्रपाड़ा नगर पालिका के कार्यकारी अधिकारी प्रफुल्ल चंद्र बिस्वाल ने कहा कि हां, मामला हमारे संज्ञान में आया है और हम इस पर गौर कर रहे हैं. कथित जातिगत भेदभाव को दूर करने के लिए कदम उठाए जाएंगे.

इस मामले को लेकर दलित अधिकार कार्यकर्ताओं और नेताओं ने प्रशासन की आलोचना की है.

सरकारी संस्था कानून तोड़ रही है: ओडिशा दलित समाज की जिला इकाई के अध्यक्ष नागेंद्र जेना ने कहा कि मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि नगर पालिका लंबे समय से केवल ब्राह्मणों के लिए श्मशान घाट का रखरखाव कर रही है. ऐसा करके, सरकारी संस्था कानून तोड़ रही है और जातिगत भेदभाव को बढ़ावा दे रही है. इस प्रथा को जल्द से जल्द खत्म किया जाना चाहिए. मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की जिला इकाई के सचिव गयाधर धाल ने बताया कि किसी नगर निकाय द्वारा केवल ब्राह्मणों के लिए श्मशान घाट का संचालन करना सही नहीं है.

श्मशान में भेदभाव की कोई जगह नहीं

'जगन्नाथ संस्कृति' के शोधकर्ता भास्कर मिश्रा ने कहा कि केंद्रपाड़ा नगर पालिका ब्राह्मणों के लिए एक अलग श्मशान घाट का संचालन कर रही है, लेकिन पुरी के पवित्र 'स्वर्ग द्वार' श्मशान घाट में ऐसा कोई भेदभाव नहीं देखा जाता है. 'स्वर्ग द्वार' का शाब्दिक अर्थ है 'स्वर्ग का प्रवेश द्वार', जहां सभी जातियों के लोगों का अंतिम संस्कार किया जाता है. उन्होंने कहा कि ऐसा माना जाता है कि 'स्वर्ग द्वार' में अंतिम संस्कार करने से स्वर्ग में जगह मिलती है. शमशान घाट श्रीजगन्नाथ विचारधारा पर चलता है जिसमें जातियों के बीच भेदभाव के लिए कोई जगह नहीं है.

आओ जानें

वयस्क पुरुषों की औसत ऊंचाई

नीदरलैंड	182.54 सेमी	रूस	176.46 सेमी
बेल्जियम	181.70 सेमी	दक्षिण कोरिया	174.92 सेमी
एस्टोनिया	181.59 सेमी	अर्जेंटीना	174.62 सेमी
लातविया	181.42 सेमी	टर्की	174.21 सेमी
डेनमार्क	181.39 सेमी	ईरान	173.57 सेमी
स्वीडन	179.74 सेमी	भारत	164.95 सेमी
यूके	177.49 सेमी	इंडोनेशिया	163.55 सेमी
कनाडा	178.09 सेमी	नेपाल	162.32 सेमी
ऑस्ट्रिया	177.41 सेमी	लाओस	160.52 सेमी
पोलैंड :	177.33 सेमी	यमन	159.89 सेमी
ग्रीस	177.32 सेमी	विश्व	171.28 सेमी
यूएसए	177.13 सेमी		
स्पेन	176.59 सेमी		

एनसीडी रिससी, ह्यूमन हाइट, 2017 के अनुसार

ब्रीफ खबरें

पाक ड्रोन से गिराई गई हेरोइन बरामद

चंडीगढ़। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने मंगलवार को पंजाब के अमृतसर जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक खेत से, पाकिस्तानी ड्रोन द्वारा गिराई गई 565 ग्राम हेरोइन बरामद की है. एक अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने 20 और 21 नवंबर की दरमियानी रात को ड्रोन को देखा और उसे रोका. उन्होंने बताया कि जवानों ने मोदे गांव में जमीन पर कुछ गिरने की आवाज भी सुनी. जांच के दौरान जवानों ने पीले टेप में लिपटा एक पैकेट बरामद किया, जिसमें 565 ग्राम हेरोइन थी.

श्रीलंका की जेल से 15 मछुआरे रिहा

चेन्नई। श्रीलंका की जेल से रिहा हुए तमिलनाडु के 15 मछुआरे मंगलवार को सुबह चेन्नई हवाई अड्डे पर पहुंचे, जिनका भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के सदस्यों ने गर्मजोशी से स्वागत किया. सभी मछुआरे सड़क मार्ग से रामेश्वरम के लिए रवाना हो गए हैं. दो मशीनीकृत नौकाओं पर सवार होकर 15 मछुआरे 14 नवंबर को मछली पकड़ने के लिए रामेश्वरम से निकले थे, लेकिन कथित रूप से श्रीलंकाई जल क्षेत्र प्रवेश करने के कारण उन्हें पकड़ लिया गया था.

सोने की खदान ढहने से 10 लोगों की मौत

पारामारिबो। दक्षिण अमेरिकी देश सूरीनाम में सोमवार को सोने की एक अवैध खान के ढहने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि सैन्य अधिकारियों, पुलिसकर्मियों और बचाव दल को खदन स्थल के लिए रवाना किया गया है जो देश के दक्षिणी ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है. अधिकारियों ने कहा कि माना जा रहा है कि खनिकों ने सोने की तलाश में अपनी खुद की सुरंगें बनाई थीं जो सूरीनाम में एक आम घटना है. अभी इस बात का पता नहीं चल सका है कि खान के ढहने का कारण क्या है.

आठ दिसंबर को होगा 'कड़क सिंह' का प्रदर्शन

नई दिल्ली। अभिनेता पंकज त्रिपाठी के अभिनय वाली थ्रिलर ड्रामा फिल्म 'कड़क सिंह' का प्रदर्शन ओटीटी मंच जी5 पर आठ दिसंबर को किया जाएगा. जी5 ने यह जानकारी दी. फिल्म निर्माताओं के अनुसार, फिल्म में त्रिपाठी ने एके श्रीवास्तव का किरदार अदा किया है जो भूलने की बीमारी से जूझता है. जी5 ने सोमवार रात सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर फिल्म के प्रदर्शन की तारीख घोषित की. उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा कि एक हादसा, चार कहानियां, एक धुंधला सच, क्या कड़क सिंह अपना सच ढूंढ़ पाएगा?

बस दुर्घटना में चार की मौत, 11 घायल

गोधरा। गुजरात के पंचमहल जिले में गोधरा शहर के पास एक राजमार्ग पर मंगलवार को निजी लग्ज़री बस एक खड़ी बस से टकरा गई, जिससे चार यात्रियों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि मृतकों में दो बच्चे भी शामिल हैं. गोधरा के अनुमंडल मजिस्ट्रेट प्रवीण सिंह जयतावत ने बताया कि दुर्घटना तड़के करीब साढ़े तीन बजे दाहोद-गोधरा राजमार्ग पर हुई, जब इंदौर जा रही एक बस तकनीकी समस्या के कारण सड़क के किनारे रुकी थी.

उत्तराखंड हादसा : सुरंग में फंसे श्रमिकों के सकुशल होने का पहला वीडियो जारी

श्रमिकों से हुई बातचीत, ड्रिलिंग जारी

भाषा। उत्तरकाशी

पिछले नौ दिन से सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों तक छह इंच की पाइपलाइन के जरिए खिचड़ी भेजने के कुछ घंटों बाद बचावकर्मियों ने मंगलवार को तड़के उन तक एक कैमरा भेजा और उनके सकुशल होने का पहला वीडियो जारी किया. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पुनः फोन कर निर्माणाधीन सुरंग में फंसे श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए चलाए जा रहे बचाव एवं राहत कार्यों की जानकारी ली. इस बीच, अमेरिकी ऑगर मशीन के जरिए बड़े व्यास के माइल्ड स्टील पाइप डालकर 'एस्केप पैसेज' बनाने का काम तीन दिन बाद फिर शुरू हो गया.

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सोमवार देर शाम दिल्ली से एंडोस्कोपिक फ्लैक्सी कैमरा आने के बाद इसे सुरंग के अंदर भेजा गया. उन्होंने कहा कि जारी किये गये वीडियो में पीले और सफेद रंग के हेलमेट पहने श्रमिक पाइपलाइन के माध्यम से भेजा गया भोजन प्राप्त करते हुए और एक-दूसरे से बात करते हुए दिखाई दे रहे हैं. यह इन श्रमिकों के परिवारों के लिए एक बड़ी राहत है. इस बीच, मलबे को आर-पार भेदकर डाली गयी 53 मीटर लंबी छह इंच व्यास वाली पाइपलाइन के जरिए सोमवार रात को श्रमिकों तक खिचड़ी भेजी गयी. खिचड़ी को चौड़े मुंह वाली प्लास्टिक की बोतलों में पैक कर श्रमिकों तक पहुंचाया गया.

'एस्केप पैसेज' बनाने के लिए ड्रिलिंग फिर शुरू : बारह नवंबर को दीवाली वाले दिन यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर बन रही सुरंग के एक हिस्से के ढहने से उसमें श्रमिकों के फंसने के बाद से प्रधानमंत्री ने चौथी बार मुख्यमंत्री से बात की है. इस बीच, सूत्रों ने बताया कि सिलक्यारा सुरंग की ओर से 'एस्केप पैसेज' बनाने के लिए अमेरिकी ऑगर मशीन से ड्रिलिंग फिर शुरू कर दी गयी है. शुक्रवार को दोपहर में ड्रिलिंग के दौरान किसी कठोर सतह से टकराने के बाद जबरदस्त आवाज आने के बाद कार्य रोक दिया गया था. इसमें मशीन को भी नुकसान पहुंचा था. दिल्ली से आई अभियांत्रिकी टीम ने इस मशीन के कलपुर्जे बदले जिसके बाद इससे काम शुरू हो गया. काम रूकने से पहले यह मशीन मलबे में ड्रिलिंग कर 22 मीटर पाइप डाल चुकी थी.

एंडोस्कोपिक कैमरे का उपयोग कर सुरंग के अंदर फंसे श्रमिकों की ली गई तस्वीर. -फोटो : पीटीआई

श्रमिक भाइयों को सुरक्षित निकालना पहली प्राथमिकता

मुख्यमंत्री धामी ने सोशल मीडिया पर कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री को छह इंच व्यास की पाइपलाइन के सफलतापूर्वक मलबे के आरपार डाले जाने एवं इसके माध्यम से भोजन एवं अन्य आवश्यक सामान श्रमिकों तक पहुंचाने के बारे में अवगत कराया. धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी को श्रमिक बंधुओं से एंडोस्कोपिक फलैक्सी कैमरे की मदद से हुई बातचीत एवं उनकी कुशलता की भी जानकारी दी. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने यह भी कहा है कि सभी श्रमिक भाइयों को सुरक्षित निकालना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है.

प्रयास जारी

- पीएम मोदी ने धामी को कॉल कर ली जानकारी
- सोमवार रात को श्रमिकों तक खिचड़ी भेजी गयी

संचार के लिए पाइप लाइन में वॉकी-टॉकी भेजा

सुरंग में चलाए जा रहे बचाव अभियान के प्रभारी कर्नल दीपक पाटिल ने बताया कि इस पाइपलाइन से दलिया, खिचड़ी, कटे हुए सेब और केले भेजे जा सकते हैं. बचाव अभियान में जुटे सुरक्षा कर्मचारी निपू कुमार ने कहा कि संचार स्थापित करने के लिए पाइप लाइन में एक वॉकी-टॉकी और दो चार्जर भी भेजे गए हैं. इससे पहले, चार इंच की पाइपलाइन के जरिए श्रमिकों तक भोजन, पानी, दवाइयां और आक्सीजन भेजी जा रही थी. श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों के तहत भारतीय वायुसेना ने एक सी-17 और दो सी-130जे सुपर हरक्यूलिस परिवहन विमान से 36 टन वजनी मशीनें पहुंचा दी हैं.

900 की जगह 800 मिमी व्यास के पाइपों का उपयोग

सूत्रों ने बताया कि मशीन से हो रहे कंपन को रोकने के लिए अब 900 मिमी व्यास के स्थान पर 800 मिमी व्यास के पाइपों का उपयोग किया जा रहा है. श्रमिकों से उनके स्वास्थ्य के बारे में पूछने वाले चिकित्सक प्रेम पोखरियाल ने बचावकर्मियों को सलाह दी है कि मंगलवार को उन्हें भोजन में मूंग दाल की खिचड़ी भेजी जाए, जिसमें सोया बड़ी और मटर शामिल हों. इसके अलावा उन्होंने केला भेजने की भी सलाह दी है.

जहां कांग्रेस रहेगी, वहां भ्रष्टाचार रहेगा : जेपी नड्डा

भाषा। जयपुर

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने भ्रष्टाचार को लेकर मंगलवार को प्रदेश में सत्तारूढ़ कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि जहां कांग्रेस रहेगी, वहां भ्रष्टाचार रहेगा. वह सीकर के धोद में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने आरोप लगाया, जहां-जहां कांग्रेस रहेगी, वहां-वहां भ्रष्टाचार रहेगा.

जहां-जहां कांग्रेस रहेगी, वहां लूट होगी. जहां कांग्रेस होगी, वहां घोटाला, घपला, अत्याचार, व्यभिचार, छलावा और धोखा होगा... जहां भाजपा का कमल होगा वहां विकास, तरक्की होगी और देश प्रदेश आगे बढ़ेगा. उन्होंने राज्य की कांग्रेस सरकार पर धार्मिक ध्रुवीकरण और भाई को भाई से लड़ाने का आरोप लगाया. नड्डा ने कहा कि आज राजस्थान की चर्चा धार्मिक ध्रुवीकरण और भाई को भाई से लड़ाने को लेकर है. हिन्दू-मुस्लिम के बीच में लड़ाई कराने का काम गहलोत सरकार ने किया कि नहीं किया? भाजपा नेता ने कहा कि आज राजस्थान की पहचान भ्रष्टाचार के रूप में होती है... राजस्थान की चर्चा बहू बेटियों के साथ अत्याचार के लिए होती है... किसानों को धोखा देने के लिए होती है...दलित भाइयों के साथ अत्याचार के लिए होती है. राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए 25 नवंबर को मतदान होगा जबकि वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी.

इजराइली सैनिकों का हमास के खिलाफ अभियान जारी

भाषा। दीर अल बलाह

इजराइली सेना ने सोमवार को उत्तरी गाजा के एक अन्य अस्पताल के पास चरमपंथी संगठन हमास के खिलाफ अपना अभियान तेज कर दिया है. अस्पताल के भीतर हजारों की संख्या में मरीज, विस्थापित और शरणार्थी मौजूद हैं. स्वास्थ्य अधिकारियों ने कुछ घायलों को अस्पताल से बाहर निकाला. अस्पताल के भीतर फंसे एक चिकित्सा कर्मचारी और गाजा में हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इंडोनेशियाई अस्पताल की दूसरी मंजिल पर एक गोला गिरा, जिससे 12 लोगों की मौत हो गई. दोनों ने इजराइल को हमले का दोषी ठहराया. इजराइल ने अस्पताल पर गोलीबारी से इनकार करते हुए कहा कि उनके सैनिक केवल चरमपंथियों और उनके ठिकानों को निशाना बना रहे है. इंडोनेशियाई अस्पताल पर उस वक्त हमला हुआ, जब विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा गाजा शहर के शिफा अस्पताल से निकाले गए 28 नवजातों को सोमवार को मिस्र ले जाया गया.

इजराइल ने लश्कर-ए-तैयबा को आतंकी संगठन घोषित किया

यरूशलम/नई दिल्ली। इजराइल ने 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों की 15वीं बरसी से पहले मंगलवार को पाकिस्तान से संचालित लश्कर-ए-तैयबा को आतंकी संगठन की सूची में डाल दिया. ज्ञात हो कि मुंबई में 26 नवंबर 2008 को कई जगहों पर हुए आतंकी हमलों में 166 लोग मारे गए थे, जिनमें कई इजराइली नागरिक भी शामिल थे.

मेक्सिको में गोलीबारी दो पुलिसकर्मी सहित नौ लोगों की मौत

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के कुएर्नवाका शहर में सोमवार को पुलिस और हथियारबंद लोगों के बीच गोलीबारी में दो पुलिस अधिकारियों सहित नौ लोगों की मौत हो गई. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. कुएर्नवाका सुरक्षा एजेंसी ने एक बयान में कहा कि बंदूकधारी लोगों के एक काफिले द्वारा सड़क पर शराब पी रहे लोगों पर गोलीबारी करने और एक व्यक्ति का अपहरण करने की कोशिश करने के बाद शुरू हुई गोलीबारी में दो अन्य पुलिस अधिकारी घायल हो गए. इसमें कहा गया है कि अपराधी राइफल, बैलिस्टिक जैकेट और रेडियो से युक्त थे और शहर के विभिन्न हिस्सों में पुलिस से भिड़ गए. कुएर्नवाका मेक्सिको सिटी से 50 मील दक्षिण में स्थित है और प्रतिस्पर्धी संगठित अपराध समूहों की हिंसा का गढ़ रहा है.

भारत के साथ मजबूत संबंध चाहता है आसियान, व्यापार समझौते से सभी भागीदारों को मिलेगा लाभ

भारत आरसीईपी में शामिल हो जाए : काओ

भाषा। जकार्ता

आसियान के महासचिव डॉ. काओ किम होर्न ने कहा है कि दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का 10 सदस्यीय गुट चाहता है कि भारत अधिक बाजार पहुंच के लिए ऐतिहासिक क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (आरसीईपी) में शामिल हो. उन्होंने जोर देकर कहा कि समावेशी, खुले और नियम-आधारित व्यापार समझौते से सभी साझेदार देशों को लाभ होगा. काओ ने कहा कि भारत और दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) विभिन्न क्षेत्रों में मिलकर काम कर रहे हैं जो अंतरिक्ष और निवेश से लेकर पर्यटन, रक्षा, आतंकवाद की रोकथाम और अन्य क्षेत्रों तक विस्तृत है. उन्होंने नये क्षेत्रों में भी इसी तरह के सहयोग की वकालत की. सोमवार शाम को भारतीय पत्रकारों के एक चुनिंदा समूह से बात करते हुए डॉ. काओ ने कहा कि आरसीईपी में शामिल होने से भारत को फायदा होगा क्योंकि समझौते से अधिक बाजार पहुंच मिलेगी. उन्होंने कहा कि समावेशी, खुले और नियम-आधारित व्यापार समझौते से सभी भागीदारों को लाभ होगा. महासचिव ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि मौजूदा भारत-आसियान मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा की जा रही है.

खास बातें

- आरसीईपी में शामिल होने से भारत को फायदा होगा
- भारत-आसियान समझौते की जा रही है समीक्षा

क्या है आरसीईपी ?

आरसीईपी एक मुक्त व्यापार क्षेत्र (एफटीए) है जिसमें आसियान के 10 सदस्य देश (ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, मलेशिया, म्यांमा, सिंगापुर, थाईलैंड, फिलीपीन, लाओस और वियतनाम) शामिल हैं और इस गुट के पांच वार्ताकार देश चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड हैं.

भारत की साझेदारी को अत्यधिक महत्व

अधिकारियों के मुताबिक, भारत आरसीईपी से बाहर हो गया था क्योंकि इसमें शामिल होने से देश की अर्थव्यवस्था पर काफी नकारात्मक असर पड़ता. आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए सितंबर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जकार्ता यात्रा को याद करते हुए काओ ने कहा कि यह समूह भारत के साथ अपनी 'साझेदारी' को 'अत्यधिक महत्व' देता है.

सेना अकेले युद्ध नहीं जीत सकती : लेफ्टिनेंट जनरल

भाषा। गुवाहाटी

पूर्वी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कालिता ने मंगलवार को कहा कि भू-राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव हो रहा है, ऐसे में आम समाज के सहयोग के बिना सशस्त्र बल कोई भावी युद्ध अकेले नहीं जीत सकते हैं.

गुवाहाटी प्रेस क्लब को अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कालिता ने कहा कि इस 'बदलाव' ने भारतीय सेना पर भी असर डाला है जो अपने पांच स्तंभों में बड़े बदलाव से गुजर रही है. उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध चल रहा है, इजराइल हमास लड़ाई भी चल रही है. हमारे आसपास भी काफी अस्थिरता है. इसलिए पूरी भू-राजनीति बदल रही है. एक बदलाव है जो हो रहा है और यह न केवल हमारे देश पर बल्कि सशस्त्र बलों पर भी असर डालता है. उन्होंने कहा कि चूंकि चारों ओर परिवर्तन हो रहा है, प्रौद्योगिकी विकास हो रहा है, ऐसे में यह युद्धकौशल पर भी असर डाल रहा है. इसलिए, युद्ध लड़ने की प्रविधि भी बदल रही है. ये पांच मुख्य स्तंभों पर आधारित हैं. कालिता ने कहा कि ये पांच स्तंभ पुनर्गठन एवं इष्टतम, आधुनिकीकरण एवं प्रौद्योगिकी समावेशन, प्रक्रिया एवं कार्य, मानव संसाधन प्रबंधन एवं संयुक्त एवं समेकीकरण हैं.

खास बातें

- भू-राजनीति में हो रहा है काफी बदलाव
- हमारे आसपास भी काफी अस्थिरता है

कार्यक्रम भव्य राम मंदिर में अगले वर्ष 22 जनवरी को होगी प्राण प्रतिष्ठा

अयोध्या में हजारों श्रद्धालुओं के लिए बनेगी 'टेंट सिटी'

भाषा। अयोध्या/लखनऊ

भगवान श्री राम की जन्म स्थली अयोध्या में बनाये जा रहे भव्य राम मंदिर में अगले वर्ष 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में देश-विदेश से बड़ी संख्या में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 'टेंट सिटी' का निर्माण कराया जा रहा है, जिसमें 80 हजार श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था होगी.

लखनऊ में जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में देश-विदेश से लाखों लोगों के अयोध्या पहुंचने की संभावना को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप श्री राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट व अयोध्या विकास प्राधिकरण की ओर से विभिन्न स्थानों पर टेंट सिटी का निर्माण कराया जा रहा है. इनमें ठहरने और भोजन की उत्तम व्यवस्था मुहैया कराई जाएगी.

20 एकड़ भूमि में टेंट सिटी होगी स्थापित : बयान में अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) के सचिव सत्येंद्र सिंह के हवाले से यह जानकारी दी गयी है कि माझा गुप्तार घाट में 20 एकड़ भूमि में टेंट सिटी स्थापित की जाएगी. इसमें लगभग 20 से 25 हजार श्रद्धालुओं के रहने की व्यवस्था की जा रही है. उन्होंने बताया कि अयोध्या धाम में ब्रह्मकुंड के पास भी एक टेंट सिटी स्थापित की जा रही है. इसमें 35 टेंट लगेंगे, जिसमें लगभग 30 हजार श्रद्धालुओं के रुकने की व्यवस्था की जा रही है.

खास बातें

- कार्यक्रम में पहुंचेंगे देश-विदेश से लाखों लोग
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था मुहैया कराई जाएगी

श्रद्धालुओं को मिलेगी ठंड से राहत

सत्येंद्र सिंह ने बताया कि 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के समय कड़ाके की ठंड रहेगी. ऐसे में यहां आने वाले श्रद्धालुओं को ठहरने के लिए टेंट सिटी स्थापित की जा रही है. शीतकाल में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को देखते हुए टेंट सिटी का निर्माण इस प्रकार किया जाएगा कि श्रद्धालुओं को ठंड से राहत मिल सके. इसके लिए गद्दे-कंबल का भी प्रबंध हो रहा है. यहां ठहरने वाले श्रद्धालुओं के लिए शौचालय व स्नानगृह के अतिरिक्त भोजन के लिए भंडारागृह व मेडिकल शिविर का भी प्रबंध किया जाएगा.

प्रेस रूम में पोज देते वीर दास

51वें अंतर्राष्ट्रीय एमी अवार्ड्स में भारतीय अभिनेता एवं हास्य कलाकार वीर दास ने अपने विशेष स्टैंड अप कॉमेडी शो 'वीर दासः लैंडिंग' के लिए सर्वश्रेष्ठ हास्य सीरीज श्रेणी में एम्मी पुरस्कार जीता. -फोटो : पीटीआई

उदयपुर के वल्लभनगर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए बोले राहुल गांधी

जाति जनगणना से हो जाएगा देश का एक्स-रे, संख्या पता चल जाएगा

एजेंसी। उदयपुर

राजस्थान में 25 नंवबर को मतदान होने वाला है. उससे पहले विधानसभा चुनाव का प्रचार हो रहा है. इसी क्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उदयपुर के वल्लभनगर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए विरोधी भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला किया. उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान मोहब्बत, भाईचारे और इज्जत वाला देश है. बीजेपी पर हमला करते हुए उन्होंने कहा, सबसे पहले जातीय जनगणना होना चाहिए. सबकी संख्या पता चल जाएगा. मैंने लोकसभा में जातीय जनगणना की बात उठाई उस दिन के बाद नरेंद्र मोदी की आवाज एकदम बदल-सी गई. सवाल ये है कि देश में बीजेपी नफरत क्यों फैलाती है. बीजेपी महंगाई और बेरोजगारी की बात क्यों नहीं करती.

बोले-आदिवासियों की रक्षा होगी

राहुल गांधी ने ये भी कहा कि कांग्रेस पार्टी आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा करेगी. उन्होंने कहा, जब तक कांग्रेस पार्टी है तब तक आदिवासियों के अधिकारों की हम रक्षा करेंगे. आपके साथ खड़े होकर हम आपके बच्चों को शिक्षा दिलवाएंगे, आपको नि:शुल्क स्वास्थ्य सुरक्षा दिलाएंगे और आपका जल, जमीन व जंगल पर जो हक बनता है, हम वह आपको दिलवाएंगे. उद्योगपति अडाणी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, जेबकतरा क्या करता है? जेबकतरा पहले आपका ध्यान इधर-उधर करता है, दूसरी तरफ से कोई अन्य बंदा आकर आपकी जेब काट देता है. तो मोदी जी का काम आपका ध्यान इधर उधर करने का है, पीछे से अडाणी जेब काट देता है. यह टीम है.

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को जाति जनगणना का मुद्दा उठाया और इसे देश का 'एक्स-रे' बताते हुए कहा कि अगर राजस्थान में कांग्रेस सत्ता में आती है तो प्रदेश में जाति जनगणना कराएगी और अगर पार्टी केंद्र में सरकार बनाती है तो राष्ट्रीय स्तर पर भी ऐसा करेगी. पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने उदयपुर के वल्लभनगर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, अगर यह पता ही नहीं है कि किसकी आबादी कितनी है, तो हम भागीदारी के बारे में कैसे बात करेंगे. उन्होंने कहा, अगर हम अधिकारों की, भागीदारी की बात कर रहे हैं तो हमें यह तो पता लगाना ही पड़ेगा कि कितने लोग किस जाति, समाज के हैं. इसको हम जाति जनगणना कहते हैं. जाति जनगणना देश का एक्स-रे है. यह करवाना जरूरी है. उन्होंने कहा कि अगर राजस्थान में कांग्रेस सत्ता में आती है तो राज्य में जाति जनगणना कराई जाएगी और अगर पार्टी केंद्र में सरकार बनाती है तो राष्ट्रीय स्तर पर भी ऐसा करेगी.

पीएम मोदी ने गहलोत सरकार पर हल्ला बोला, कहा,

जनता को दंगाइयों के हवाले कर दिया

एजेंसी। जयपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कानून व्यवस्था, महिला अपराध व भ्रष्टाचार को लेकर राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उसने जनता को लुटेरों और दंगाइयों के हवाले कर दिया है. इसके साथ ही मोदी ने कांग्रेस को भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण नामक तीन बुराइयों का प्रतीक करार दिया. मोदी ने मंगलवार को अंता (बारां) में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही.

मोदी ने कहा, अब हमारे सामने विकसित भारत का लक्ष्य है. लेकिन राजस्थान को विकसित बनाये बिना भारत को विकसित बनाने का लक्ष्य अधूरा है. जब तक भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण नाम के देश के तीन दुश्मन हमारे बीच हैं, तब तक ये संकल्प पूरा होना मुश्किल है. कांग्रेस इन तीन बुराइयों की सबसे बड़ी प्रतीक है. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कांग्रेस में मंत्री हो, विधायक हो- सब बेलगाम हैं और जनता त्रस्त है. कांग्रेस ने राजस्थान की जनता को लुटेरों, दंगाइयों, अत्याचारियों और अपराधियों के हवाले कर दिया है. इसलिए आज राजस्थान का बच्चा बच्चा कह रहा है - गहलोत जी, कोनी (नहीं) मिले वोट जी. उन्होंने आरोप लगाया कि आज कांग्रेस के समर्थन से राजस्थान में समाज विरोधी ताकतों के हौसले बुलंद हैं.

दंगाइयों के साथ-साथ यहां कांग्रेस सरकार के मंत्री बहनों-बेटियों पर अत्याचार करने वालों के साथ खड़े रहते हैं. मोदी ने कहा कि जो कांग्रेस सरकार जान-माल और सम्मान की सुरक्षा तक नहीं कर सकती, उस सरकार को एक पल भी रहने का हक नहीं है. कथित 'लाल डायरी' को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा,आजकल राजस्थान की लाल डायरी की सबसे अधिक चर्चा है। इस लाल डायरी के पन्ने जैसे जैसे खुल रहे हैं, वैसे वैसे जादूगर जी के चेहरे पर हवाइयां उड़ रही है. इस लाल डायरी में साफ-साफ लिखा है कि कांग्रेस सरकार ने पांच वर्षों में आपके जल, जंगल और जमीन को कैसे बेचा है.

प्रधानमंत्री ने कहा, महिला सुरक्षा और महिला कल्याण भाजपा सरकार की प्राथमिकता है. अपनी बहनों को धुएं से मुक्ति दिलाने के लिए आपके इस भाई ने मुफ्त गैस कनेक्शन दिये. इस रक्षाबंधन पर भी हमने उज्ज्वला के गैस सिलेंडर के दाम में बड़ी राहत दी थी. अब राजस्थान भाजपा ने और भी सस्ता गैस सिलेंडर देने का ऐलान किया है. भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का वादा करते हुए उन्होंने कहा कि राजस्थान के लोगों को लूटने वाला कोई भी भ्रष्टाचारी बच नहीं सकता है. उन्होंने कहा, आपका सपना ही मोदी का संकल्प है.

27 सीटों के बिगड़े समीकरण

उदयपुर व बांसवाड़ा संभाग में बीजेपी-कांग्रेस को टेंशन

एजेंसी। बांसवाड़ा / उदयपुर

राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की घड़ी अब काफी निकट है. कांग्रेस और बीजेपी की ओर से चुनाव प्रचार में अपनी ताकत झोंकी जा रही है. लेकिन इस बार मध्य प्रदेश की सीमा से सटे हुए राजस्थान के इलाकों में सियासत अलग ही करवट लेती नजर आई. इन क्षेत्रों में भारतीय ट्राइबल पार्टी, उत्तरी भारत आदिवासी पार्टी उदयपुर और बांसवाड़ा संभाग में बीजेपी और कांग्रेस दोनों की गणित को बिगाड़ने में जुटी हुई हैं. इस बार दोनों ही पार्टियां मजबूत चुनौती दे रही है. पिछले चुनाव में भी बीटीपी से दो विधायक चुने गए. इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि अब यहां के लोग बीजेपी और कांग्रेस दोनों को आजमाने के बाद उनका रुझान क्षेत्रीय पार्टियों की तरफ होने लगा है. इस चुनाव में दोनों पार्टियां उदयपुर और बांसवाड़ा संभाग की 27 सीटों को प्रभावित कर रही हैं. दोनों ही पार्टियों ने 27 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारें है. मध्य प्रदेश की सीमा से सटे हुए उदयपुर और बांसवाड़ा संभाग में पिछले 5 साल से इन दोनों पार्टियों का हस्तक्षेप बढ़ने लगा है. बांसवाड़ा संभाग की 13 विधानसभा और उदयपुर संभाग की करीब 14 विधानसभा सीटें हैं. जहां पर बीटीपी और बीएपी की भागीदारी बढ़ती जा रही है. इस विधानसभा चुनाव में दोनों ही पार्टियों ने दोनों ही संभागों से 27 आदिवासी मतदाता बहुल सीट पर प्रत्याशी उतारे हैं.

पार्टियां लगीं गुणा-भाग में, जीत के अपने-अपने दावे

विधानसभा चुनाव

एजेंसी। नई दिल्ली

मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में विधानसभा के लिए मतदान समाप्त होने के बाद दोनों प्रमुख दल भाजपा और कांग्रेस के नेता कार्यकर्ताओं और प्रत्याशियों से फीडबैक लेकर संभावित परिणाम के गुणा भाग में लगे हैं. 3 दिसंबर को मतगणना में असली नतीजे सामने आएंगे, लेकिन दोनों राज्यों में दोनों ही दलों के नेता अपनी जीत के दावे कर रहे हैं. नेताओं का यह भी दावा है कि उनकी चुनाव घोषणाओं के प्रति समर्थन के कारण ही ज्यादा मतदान हुआ और मतदाताओं ने उनके पक्ष में वोट डाला है. चुनाव आयोग के अंतिम आंकड़ों के अनुसार मध्यप्रदेश में 77.12 फीसदी और छत्तीसगढ़ में 76.31 फीसदी मतदान हुआ है.

- प्रदेश में कांग्रेस को पूर्ण बहुमत मिलेगा. 140 से अधिक सीटों के साथ कांग्रेस सरकार बनाएगी.

  - राजीव सिंह, प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी

- भाजपा प्रदेश में सीधे तौर पर प्रचंड बहुमत से जीत रही है. भाजपा की प्रदेश में 140 से ज्यादा सीट आ रही है.

  - रजनीश अग्रवाल, प्रदेश मंत्री भाजपा

मध्यप्रदेश: ये कहते नाराजी, वो कहते हैं समर्थन

चुनाव में ज्यादा मतदान और महिलाओं में खास उत्साह को दोनों दल अपने पक्ष में मान रहे हैं. भाजपा का दावा है कि लाडली लक्ष्मी योजना का जादू चल गया, बहनों ने अधिक से अधिक वोट किया. सरकार की योजनाओं के कारण एससी-एसटी व ओबीसी वर्ग का प्रो-विकास वोट भाजपा को मिला. सरकार के खिलाफ कोई एंटी-इंकमबेंसी नहीं थी. पार्टी के बूथ मैनेजमेंट के कारण उनके पक्ष के ज्यादा वोट पड़े और मतदान प्रतिशत बढ़ा. उधर, कांग्रेस का तर्क है कि बहनें ही नहीं सरकार से सभी वर्ग नाराज हैं, ज्यादा मतदान से उनकी नाराजगी झलकी है. भ्रष्टाचार व कमीशनखोरी भी चुनाव में बड़ा मुद्दा रहा जिससे लोगों ने कांग्रेस को वोट दिया. भाजपा की लाडली बहना योजना का कोई असर नहीं रहा बल्कि कांग्रेस के नारी सम्मान योजना के वचन को चुनाव में काफी समर्थन मिला.

छत्तीसगढ़ : हर सीट का आंकलन करने में जुटे भाजपा और कांग्रेस

चुनाव मतदान समाप्त होने के बाद शनिवार को कांग्रेस-भाजपा के वरिष्ठ नेता हर सीट के आंकलन में जुटे रहे. प्रदेश कांग्रेस प्रभारी शैलजा कुमारी और प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने राजीव भवन में प्रत्याशियों और चुनाव संचालकों से वन-टू-वन चर्चा कर समीक्षा की. वहीं भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह अपने बंगले में ही पार्टी पदाधिकारियों से मुलाकात कर फीड बैक लिया. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव अपने विधानसभा क्षेत्र में ही रह कर सभी 70 सीटों के आंकलन में लगे हैं. भाजपा सूत्रों के अनुसार पार्टी ने प्रत्याशियों और चुनाव संचालकों से सभी सीटों के बूथों की रिपोर्ट एक-दो दिन में मांगी है. इसके बाद ही पार्टी हार-जीत के निष्कर्ष पर पहुंचेगी. चुनाव विश्लेषक रिटायर्ड आइएएस अधिकारी सुशील त्रिवेदी का मानना है कि धान की कीमत, महिला कल्याण की घोषणाएं जनता तक पहुंचाने में कामयाब रहे.

राजस्थान विधानसभा चुनाव

राजस्थान विधानसभा चुनाव से पहले बारां जिले के अंता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा में शामिल लोग.

कॅरियर-काउंसिलिंग

ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर बना सकते है अपना कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर/ रजनीश प्रसाद

ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग की एक विशेष शाखा है, जो वाहनों और उनके इंजन जैसे ऑटोमोटिव के डिजाइन और निर्माण के अध्ययन से संबंधित है. यह इंजीनियरिंग की वह शाखा है जो ऑटोमोबाइल के विकास, डिजाइनिंग, उत्पादन, निर्माण परीक्षण, सर्विसिंग, प्रबंधन और नियंत्रण से संबंधित है. इसके कार्य के मुख्य फोकस क्षेत्र वाहन डिजाइन, कारों के उत्पादन में शामिल प्रक्रियाएं, मोटर इंजन के निर्माण और ईंधन प्रबंधन में हैं. इसके अलावा, अध्ययन का यह क्षेत्र मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग , परिवहन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और सुरक्षा इंजीनियरिंग है.

ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स के प्रकार

- **डिजाइन इंजीनियर :** डिजाइन इंजीनियर मुख्य रूप से वाहन के डिजाइन पहलू के लिए प्रभारी होते हैं. डिजाइन इंजीनियर मुख्य रूप से वाहन के दृश्य स्वरूप को विकसित करने की दिशा में काम करते हैं और अवधारणा डिजाइन में भी शामिल होते हैं.
- **विकास इंजीनियर :** वे मौजूदा वाहनों की दक्षता में सुधार करने और नए विकसित करने की दिशा में काम करते हैं. वे ऑटोमोबाइल स्तर के परीक्षण, उसके सत्यापन और प्रमाणन के लिए जवाबदेह हैं. वे शोध करते हैं और इंजीनियरिंग समस्याओं का समाधान ढूंढते हैं.
- **प्रोडक्शन इंजीनियर :** वे ऑटोमोबाइल की निर्माण प्रक्रिया में शामिल होते हैं. कुल मिलाकर वे वाहनों के निर्माण में सभी प्रक्रियाओं के डिजाइन, विकास, कार्यान्वयन, संचालन, रखरखाव और नियंत्रण के लिए जिम्मेदार हैं.

ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग के लिए प्रवेश परीक्षा

1. यूजी स्तर के लिए : जेईई मेन
2. पीजी स्तर के लिए : गेट

ऑटोमोबाइल इंजीनियर के कार्य

- ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स वाहनों से जुड़े सभी कार्य करते है, जैसे कार, बाइक, बस, ऑटो ट्रक, ट्रेक्टर, एवं अन्य वाहन, आदि. नई गाड़ी बनाने के लिए डिजाइन तैयार करने से लेकर उसे पूर्ण गाड़ी का आकार देने और टेस्टिंग तक सभी कार्य ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स के होते है.
- ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स कई सरकारी विभागों में, जैसे रेलवे, बस, एअरपोर्ट, एयरफोर्स, नेवी, आर्मी, पुलिस ट्रांसपोर्ट वर्कशॉप और स्कूल-कॉलेजों की टीचिंग में अपना एक अच्छा करियर बना सकते है.
- ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स का कार्य सिर्फ गाड़ी बनाने तक सिमित नहीं है, बल्कि ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स गाड़ी की रिपेयरिंग और रखरखाव के लिए भी जिम्मेदार है.

कितने प्रकार के होते हैं ऑटोमोबाइल इंजीनियर ?

- डेवलपमेंट इंजीनियर
- मैन्युफैक्चरिंग इंजीनियर
- प्रोडक्ट एंड डिजाइन इंजीनियर

कोर्स

डिप्लोमा कोर्स	बैचलर डिग्री	मास्टर डिग्री
▪ डिप्लोमा इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग	▪ बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग	▪ मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग
▪ डिप्लोमा इन मेकेनिकल इंजीनियरिंग	▪ बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग	▪ मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग
▪ डिप्लोमा इन एडवांस ऑटोमोबाइल टेक्नोलोजी	▪ बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी इन ऑटोमोटिव डिजाइनिंग इंजीनियरिंग	▪ मास्टर ऑफ साइंस इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग
▪ डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग	▪ बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग	▪ मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी इन ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग
		▪ मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग इन ऑटोमोशन एंड कंट्रोल पावर सिस्टम
		▪ मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी इन ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग एंड ई मेनुफेक्टरिंग
		▪ एमएस इन ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग

जॉब प्रोफाइल्स

- ऑटोमोबाइल इंजीनियर
- डिजाइनर इंजीनियर
- सेल्स ऑफिसर
- आर एंड डी इंजीनियर
- परचेज मैनेजर
- ऑटोमोबाइल डिजाइनर
- मैकेनिक
- डीजल मैकेनिक
- ड्राइवर इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियर
- ऑटोमोबाइल टेक्नीशियन

ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग के पढ़ाई के लिए संस्थान

- अजिंक्य डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय, पुणे
- नूतन महाराष्ट्र विद्या पॉलिटेक्निक, पुणे
- ढोले पाटिल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे
- जयहिंद कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे
- दत्तकला ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, पुणे
- नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा
- जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ
- दयालबाग शैक्षिक संस्थान, आगरा
- इंजीनियरिंग और ग्रामीण प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद
- शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा
- एमिटी यूनिवर्सिटी, मुंबई
- अजिंक्य डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय, पुणे
- गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, अहमदनगर
- एमएच साबू सिद्दीक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, मुंबई
- सरदार वल्लभभाई पटेल पॉलिटेक्निक, मुंबई
- वीजेटीआई मुंबई – वीरमाता जीजाबाई प्रौद्योगिकी संस्थान
- गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, नासिक
- गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, नागपुर
- गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, औरंगाबाद
- एमआईटी मणिपाल – मणिपाल प्रौद्योगिकी संस्थान
- दयानंद सागर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बैंगलोर
- इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी स्कूल, जैन विश्वविद्यालय, बैंगलोर
- आचार्य प्रौद्योगिकी संस्थान, बैंगलोर
- क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बैंगलोर
- ऑक्सफोर्ड कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बैंगलोर
- पीईएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, मांड्या
- एलडीसीई अहमदाबाद – एलडी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग
- एलजे पॉलिटेक्निक, अहमदाबाद
- गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, अहमदाबाद
- स्कूल प्रौद्योगिकी, पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम विश्वविद्यालय, गांधीनगर
- एलजे इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, अहमदाबाद
- इंडस इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग, अहमदाबाद

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)